रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, गुरुवार 16 मई 2024 ● बैशाख शुक्ल पक्ष 09 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 37

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

* * *

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	41.2	30.8
जमशेदपुर	38.2	26.4
डालटनगंज	41.8	25.8

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

ईडी ने कसा शिकंजा

पहले दिन 9, दूसरे दिन 6 घंटे पूछताछ

मंत्री आलमगीर आलम गिरफ्तार

सौरभ सिंह। रांची

पहले दिन नौ घंटे और दूसरे दिन बुधवार को छह घंटे की पूछताछ के बाद ईडी ने राज्य के ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम को गिरफ्तार कर लिया. झारखंड के 24 साल के इतिहास में यह पहला मौका है, जब किसी मंत्री को ईडी ने गिरफ्तार किया है. इससे पहले पूर्व सीएम हेमंत सोरेन को भी ईडी ने गिरफ्तार किया था. गिरफ्तारी के बाद मंत्री आलम को गुरुवार को विशेष अदालत में पेश कर ईडी रिमांड पर लेने का आग्रह करेगी. इससे पहले बुधवार दोपहर 12 बजे आलमगीर आलम पूछताछ के लिए ईडी ऑफिस पहुंचे थे. उनके पीएस संजीव लाल के हाउस हेल्पर के घर से 35.23 करोड़ रुपए की बरामदगी मामले में ईडी ने आलम से जितने भी सवाल पूछे, उसके बारे में वो स्पष्ट रूप से कोई जानकारी नहीं दे पाये. कई सवालों को उन्होंने टालने की भी कोशिश की. मंत्री आलमगीर के साथ उनके पीएस संजीव लाल और हाउस हेल्पर जहांगीर आलम को आमने-सामने बैठा कर दोपहर 12.30 बजे ईडी ने पूछताछ शुरू की. जैसे-जैसे पूछताछ का सिलसिला आगे बढ़ता गया, मंत्री आलमगीर नर्वस होते गये. आखिरकार ईडी ने उन्हें देर शाम गिरफ्तार कर लिया.

मंत्री ने कहा था- न कमीशनखोरी की जानकारी थी, न पैसों की...

बता दें कि मंत्री आलमगीर आलम इससे पहले मंगलवार को तय समय से पहले ही सुबह 10.45 बजे ही हिनू स्थित ईडी क्षेत्रीय कार्यालय पहुंच गये थे. ईडी के अधिकारियों ने उनसे उनके आप्त सचिव संजीव लाल और उनके हाउस हेल्पर जहांगीर के बारे में पूछताछ की थी. मंत्री आलम ने पूछताछ में बताया था कि निजी सहायक जहांगीर के पास करोड़ों रुपए होने की जानकारी उन्हें नहीं थी. जहांगीर गलत कार्यों में लिप्त था, यह भी उन्हें नहीं पता था. इसके अलावा विभाग में हो रही कमीशनखोरी के बारे में भी उन्हें नहीं पता था. ईडी के अधिकारियों ने मंत्री से कमीशनखोरी से जुड़े कई सवाल पूछे. अधिसंख्य सवालों के जवाब में मंत्री ने अपनी अनभिज्ञता जतायी.

इंजीनियर बीरेंद्र राम से जुड़े सवालों में घिरे

हालांकि ईडी की पूछताछ में इंजीनियर बीरेंद्र राम से जुड़े सवालों में वह घिर गये. पूछताछ के दौरान अधिकारियों ने मंत्री को पीएमएलए की धारा 50 के तहत दिये जानेवाले बयान और उसके कानूनी महत्व की जानकारी दी. उनसे उनकी और उनके पारिवारिक सदस्यों की आमदनी और संपत्ति से संबंधित जानकारी मांगी. मंत्री से उनके आप्त सचिव संजीव लाल के बारे में भी पूछताछ हुई. संजीव की गतिविधियों के बारे में भी जानकारी मांगी गयी. मंत्री आलमगीर आलम ने संजीव लाल की अनैतिक गतिविधियों की जानकारी होने से इनकार किया था.

- पेज 7 भी देखें

24 साल के इतिहास में पहली बार किसी मंत्री की पद पर रहते गिरफ्तारी

ईडी ऑफिस में गुजरेगी रात

मंत्री आलमगीर आलम को ईडी ने बुधवार देर शाम को गिरफ्तार किया. जिस कारण आलम की रात ईडी ऑफिस में ही गुजरेगी. बताया गया कि ईडी की ओर से गुरुवार को उन्हें पीएमएलए की विशेष अदालत में पेश किया जाएगा.

टेंडर कमीशन घोटाले में ये हो चुके हैं गिरफ्तार

ग्रामीण कार्य विभाग के पूर्व मुख्य अभियंता बीरेंद्र राम, उनका भतीजा आलोक रंजन, बीरेंद्र राम के चार्टर्ड अकाउंटेंट मुकेश मित्तल के सहयोगी हरीश यादव, उनके सहयोगी नीरज मित्तल, रामप्रकाश भाटिया, तारा चंद, मंत्री आलमगीर आलम के निजी सचिव संजीव लाल, संजीव लाल के नौकर जहांगीर आलम और अब मंत्री आलमगीर आलम.

घटनाक्रम कब क्या हुआ

05 मई : ईडी ने आलमगीर आलम के पीएस संजीव लाल समेत नौ ठिकाने पर छापेमारी की.

05 मई : संजीव लाल के सहायक जहांगीर आलम और मुन्ना सिंह के ठिकाने से 35.23 करोड़ रुपए बरामद हुए

5 मई : संजीव लाल और जहांगीर आलम को ईडी ने देर रात गिरफ्तार कर लिया.

6 मई : ईडी ने संजीव लाल और जहांगीर आलम को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया.

6 मई : ईडी ने पांच ठिकानों पर छापेमारी कर कांट्रैक्टर राजीव सिंह के ठिकाने से 1.50 करोड़ बरामद किये

7 मई : संजीव लाल को अपने साथ लेकर ईडी की टीम झारखंड मंत्रालय स्थित ग्रामीण विकास विभाग पहुंची.

7 मई : संजीव लाल के चैंबर से दो लाख रुपया नकद ईडी ने बरामद किये.

9 मई: संजीव लाल की पत्नी रीता लाल से भी ईडी के अधिकारियों ने पूछताछ की.

12 मई : ईडी ने मंत्री आलमगीर आलम को समन भेजकर पूछताछ के लिए 14 मई को बुलाया.

14 मई : ईडी ने मंत्री आलमगीर से नौ घंटे तक पूछताछ की.

15 मई : छह घंटे की पूछताछ के बाद ईडी ने आलमगीर आलम को गिरफ्तार कर लिया.

कौन हैं आलमगीर आलम

आलमगीर आलम पाकुड़ विधानसभा से कांग्रेस के 4 बार विधायक रहे हैं और अभी राज्य सरकार में संसदीय कार्य और ग्रामीण विकास मंत्री हैं. इससे पहले आलमगीर आलम 20 अक्टूबर 2006 से 12 दिसंबर 2009 तक झारखंड विधानसभा अध्यक्ष भी रहे थे. विरासत में राजनीति मिलने के बाद आलमगीर ने सरपंच का चुनाव जीत कर राजनीति में प्रवेश किया था. 2000 में पहली बार वह विधायक बने और तब से लेकर अभी तक 4 बार विधायक बन चुके हैं. 2005 में आलमगीर आलम पाकुड़ से विधायक चुने गए थे. उन्होंने झारखंड मुक्ति मोर्चा के अकील अख्तर को 18066 वोटों से हराया था. 2009 में झामुमो के अकील अख्तर विधायक बन गए थे. लेकिन 2014 में अचानक राजनीतिक बदलाव हो गया. कांग्रेस से विधायक रहे आलमगीर आलम ने तब झारखंड मुक्त मोर्चा के टिकट पर चुनाव लड़ा और जीत गए थे.

सीएम चंपाई के साथ ली थी मंत्री पद की शपथ

झारखंड में कांग्रेस में आलमगीर आलम के कद का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि हेमंत सोरेन के जेल जाने के बाद हाल ही में झारखंड में बनी नई चंपाई सोरेन की सरकार में आलमगीर आलम को डिप्टी सीएम बनाए जाने की चर्चा थी. उन्होंने सीएम चंपाई सोरेन के साथ ही शपथ ली थी. हालांकि, चंपाई कैबिनेट में कांग्रेस कोटे से पुराने चेहरों को दोहराए जाने से विधायकों में पार्टी नेतृत्व के प्रति गहरी नाराजगी थी. ये विधायक हेमंत सोरेन मंत्रिमंडल में शामिल रहे कांग्रेस कोटे के सभी चेहरों को इस बार बदलने की मांग कर रहे थे.

बड़हरवा टेंडर विवाद में भी आया था नाम

साहिबगंज के बड़हरवा में टेंडर विवाद मामले में मारपीट का एक केस 22 जून 2020 को दर्ज हुआ था. इस केस में मुख्य आरोपित राज्य के ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम के अलावा तत्कालीन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के बरहेट विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा, तपन सिंह, दिलीप साह, इश्तखार आलम, तेजस भगत, कुंदन गुप्ता, धनंजय घोष, रांजीव रंजन शर्मा, संजय रमाणी, टिंकू रज्जक अंसारी व अन्य अज्ञात थे. इस प्राथमिकी के दर्ज होने के महज 24 घंटे के भीतर यानी 23 जून 2020 को बिना विधिवत अनुसंधान के तत्कालीन बड़हरवा एसडीपीओ प्रमोद कुमार मिश्रा ने मंत्री आलमगीर आलम व पंकज मिश्रा को क्लीन चिट दे दिया था. इसी केस को आधार पर बनाकर ईडी ने एक ईसीआइआर दर्ज किया था, जिसमें छानबीन के बाद ईडी ने 1250 करोड़ के अवैध पत्थर खनन का मामला पकड़ा था. इस मामले में भी मंत्री आलमगीर आलम ईडी की रडार पर थे. इसी बीच टेंडर कमीशन घोटाले का दूसरा मामला सामने आया, जिसमें मंत्री की गिरफ्तारी हुई है.

इधर, न्यूक्लियस मॉल पहुंची ईडी की टीम ने जमीन की मापी की

रांची। ईडी की टीम बुधवार को शहर के न्यूक्लियस मॉल पहुंची. टीम ने पूरी मॉल का असेसमेंट किया. मॉल की पूरी जमीन की मापी भी करायी. कार्यालय की भी तलाशी ली. ईडी की टीम घोटाले के सिलसिले में दर्ज पुराने मामले में या फिर किसी नए मामले में मॉल पहुंची, इसका खुलासा नहीं हो पाया. मॉल के मालिक विष्णु अग्रवाल हैं. जमीन घोटाले के एक मामले में वह आरोपी हैं. 31 जुलाई 2023 को ईडी ने उन्हें गिरफ्तार किया था. अभी वह जमानत पर हैं.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	68,900
चांदी (किलो)	88,000

ब्रीफ खबरें

साढ़े सात लाख मामलों की सुनवाई वीसी से हुई

नयी दिल्ली। भारत के प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने बुधवार को कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से 7,50,000 से अधिक मामलों की सुनवाई की और 1,50,000 से अधिक मामले ऑनलाइन दायर किए गए.

सीएए के तहत 14 लोगों को मिली नागरिकता

नयी दिल्ली। संशोधित नागरिकता कानून के तहत नागरिकता प्रमाणपत्रों का पहला सेट बुधवार को जारी करने के साथ 14 लोगों को भारत की नागरिकता प्रदान की गई.

डब्ल्यूएचओ ने दी डेंगू के दूसरे टीके को मंजूरी

जिनेवा। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने डेंगू के दूसरे टीके को मंजूरी दे दी है. डब्ल्यूएचओ का यह कदम दुनिया में लाखों लोगों को मच्छर जनित बीमारी से बचाने में मदद कर सकता है. डब्ल्यूएचओ ने कहा कि उसने जापानी कंपनी टाकेडा के डेंगू के टीके को मंजूरी दे दी है.

कांग्रेस का बड़ा ऐलान : झारखंड की प्रस्तावित पॉलिसी को 9 वीं अनुसूची में डालेंगे

सरकार बनी तो 67% आरक्षण

चौथे चरण में 'इंडिया' को मिल चुका पूर्ण बहुमत,आगे के चरण में भी बनेगी बढ़त

कौशल आनंद। रांची

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं मीडिया प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि देश में चार चरणों में संपन्न हुए 380 सीटों के चुनाव के बाद इंडिया गठबंधन को पूर्ण बहुमत हासिल हो चुका है. आगे के बचे तीन चरणों में हम केवल बढ़त बनाने का काम करेंगे. नरेंद्र मोदी अब आउट गोइंग पीएम हो गए हैं. चार जून को उनकी विदाई की औपचारिकताएं निभाई जाएंगी. चार जून को देश को झूठ की महामारी से मुक्ति मिल जाएगी. जयराम रमेश बुधवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे. करीब 32 मिनट तक वह मीडिया से बात करते रहे. उनके साथ प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर सहित कई नेता भी उपस्थित थे. रमेश ने एक सवाल के जवाब में कहा कि तमिलनाडु देश में एक ऐसा राज्य है, जहां पर आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत से अधिक 69 प्रतिशत है. क्योंकि पूर्व पीएम नरसिंह राव के समय तमिलनाडु की आरक्षण नीति को संविधान की 9वीं अनुसूची में डाला जा चुका है. हमारी सरकार बनने पर हम इस 50 प्रतिशत की सीमा को हटाते हुए इसे बढ़ाने का काम करेंगे. झारखंड सहित कई राज्यों की आरक्षण नीति को संविधान की 9वीं अनुसूची में शामिल करेंगे. बताते चलें कि हेमंत सोरेन सरकार ने 11 नवंबर 2022 को झारखंड विधानसभा से नयी आरक्षण नीति पास करके, उसे संविधान की 9वीं अनुसूची में डालने का प्रस्ताव राजभवन को भेजा था. राज्यपाल ने इसे संविधान के विपरीत बताते हुए वापस कर दिया. सरकार ने फिर से दोबारा उसे पास करके राजभवन के पास भेजा है.

-शेष पेज 11 पर

कांग्रेस राष्ट्रीय महासचिव जयराम रमेश ने कहा

- नरेंद्र मोदी अब आउट गोइंग पीएम, 4 जून को निभायी जाएंगी औपचारिकताएं
- साउथ में भाजपा साफ, उत्तर-पूर्व-पश्चिम में हो गयी हाफ
- हार से बौखलाए पीएम मोदी 19 अप्रैल के बाद हो चुके हैं डी-रेल
- कभी धार्मिक ध्रुवीकरण की बात कहे हरे हैं, तो अब कह रहे मैने कभी हिंदू-मुस्लिम की बात नहीं की
- कांग्रेस के 5 न्याय और 25 गारंटी का फ्री में प्रचार कर रहे मोदी, जिस दिन कुछ बोलते हैं, उस दिन 5 लाख से अधिक लोग डाउनलोड कर देखते हैं

प्रस्तावित आरक्षण

जाति	अभी	प्रस्तावित
ओबीसी	14 प्रतिशत	27 प्रतिशत
अनुसूचित जनजाति	26 प्रतिशत	28 प्रतिशत
अनुसूचित जाति	10 प्रतिशत	12 प्रतिशत

कांग्रेस के मोदी से चार सवाल

1- मोदी जी संविधान संशोधन पर भागवत की बात पर चुप क्यों हैं?
आरएसए प्रमुख अपने लेख में कहते हैं कि भारत का संविधान मनुवादी मूल्यों से मेल नहीं खाता है. इससे प्रेरणा नहीं ली गयी. इसमें संशोधन की जरूरत है. जबकि सभी जानते हैं कि आरक्षण का लाभ इसी संविधान के तहत मिल रहा है. मतलब साफ है कि आरएसएस और भाजपा संविधान संशोधन करके एसटी -एससी और ओबीसी का आरक्षण खत्म करना चाहते हैं. पर मोदी नही बोल रहे.

2- जाति और आर्थिक जनगणना पर चुप क्यों हैं मोदी जी?
भाजपा के सहयोगी जदयू ने बिहार में जाति जनगणना करवा दी. तो फिर मोदी जी को जातिगत जनगणना कराने में क्या दिक्कत है. 2011 के बाद जातिगत और आर्थिक जनगणना मोदी जी ने क्यों रोक रखी है. जबकि कांग्रेस खुल कर रही है कि वह जातिगत और आर्थिक जनगणना कराएगी ताकि उस हिसाब से वंचितों को लाभ पहुंचाया जा सके.

3- आरक्षण सीमा 50% से बढ़ाने की बात पर चुप क्यों हैं मोदी जी?
1992 में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद तमिलनाडु को छोड़ बाकी राज्यों में आरक्षण की सीमा 50% है. तमिलनाडु की आरक्षण पॉलिसी 9वीं अनुसूची में है. वह भी कांग्रेस के कारण. तो मोदी जी यह क्यों नहीं कहते कि सत्ता में आए, तो वे 50% आरक्षण सीमा बढ़ाएंगे. जबकि हम कह रहे कि हमारी सरकार बनने पर हम आरक्षण की सीमा बढ़ाने जा रहे हैं.

4- देश के लिए जरूरी कानूनों को कमजोर क्यों किया मोदी जी ने?
कांग्रेस ने कई अधिनियम और कानून बनाए. जिसमें वनाधिकार कानून, वन संरक्षण व भूमि अधिग्रहण कानून को मोदी ने कमजोर क्यों किया. क्या इसका सीधा मतलब यह नहीं है कि जंगल को खत्म करके वहां से आदिवाासियों को उजाड़ देने की प्लानिंग है. जल, जंगल और जमीन लूट कर अपने पूंजीपति मित्रों को दे देना है. मोदी जो को इसका जवाब देना चाहिए.

चुनावी समर 2024

भाजपा संविधान व आरक्षण को खत्म करना चाहती है

अगली सरकार हमारी : राहुल

बोलांगीर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि भाजपा संविधान को नष्ट करने के साथ ही आदिवासियों, दलितों तथा पिछड़े वर्ग के लोगों को दिए गए आरक्षण को खत्म करना चाहती है. ओडिशा के बोलांगीर में एक रैली को संबोधित करते हुए राहुल ने आशंका जतायी कि अगर भाजपा यह चुनाव जीतती है तो वह सार्वजनिक क्षेत्र का निजीकरण कर देगी और देश को 22 अरबपति चलाएंगे. राहुल ने दावा किया कि देश में अगली सरकार इंडिया गठबंधन की बनने जा रही है. सत्ता में आते ही जाति जनगणना होगी और दलितों, आदिवासियों तथा पिछड़े वर्ग को उचित आरक्षण दिया जाएगा.

हमारी सरकार देगी 10 किलो राशन फ्री

लखनऊ। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के साथ संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस संबोधित की. घोषणा की कि अगर इंडिया गठबंधन सत्ता में आता है, तो गरीबों को मिलने वाले मुफ्त राशन की मात्रा दोगुनी कर देंगे. उन्होंने मोदी सरकार की ओर से गरीबों को हर महीने पांच किलो राशन देने की योजना का जिक्र किया और कहा, कांग्रेस खाद्य कानून लाई. आपने कुछ नहीं किया. आप पांच किलो राशन दे रहे हैं, अगर हमारी सरकार बनी तो हम गरीबों को 10 किलो मुफ्त राशन देंगे.

नीतीश का तन वहां, मन यहीं है

पटना। राजद नेता तेजस्वी यादव ने बिहार के सीएम नीतीश कुमार की वापसी की सूरत में राजद का दरवाजा खुले रहने का संकेत देते हुए कहा कि चाचा जी का शरीर वहां है, मन यहीं है. हमारे साथ 17 महीने सरकार चलाने के बाद नीतीश ने जनवरी में दूसरी बार हमारा हाथ छोड़ कर एनडीए में वापसी की थी. तेजस्वी अपने बयानों में नीतीश को लेकर नरम हैं. लोस के साथ-साथ विस चुनाव पर नजर गड़ाए तेजस्वी ने मोदी के पटना रोड शो में नीतीश की मौजूदगी पर कहा- रोड शो में नहीं देखे, कैसे मुंह उतरा हुआ था.

भविष्यवाणी मौसम विभाग ने मॉनसून को लेकर दी सुकून वाली जानकारी, इस बार खूब बरसेंगे बदरा

झारखंड में 15 जून तक हो जाएगी मॉनसून की इंट्री

एजेंसी। नयी दिल्ली

झारखंड और बिहार समेत देश के कई हिस्सों में मौसम का मिजाज बदल चुका है. बढ़ रही गर्मी के बीच मौसम विभाग ने मॉनसून को लेकर बड़ा अपडेट दिया है मौसम विभाग (आईएमडी) ने देश के मॉनसून को लेकर पूर्वानुमान जारी कर दिया है. आईएमडी के अनुसार, साउथवेस्ट मॉनसून के दौरान इस बार जून से सितंबर तक सामान्य से अधिक बारिश होने के आसार हैं.

मौसम विभाग के मुताबिक, मॉनसून की रफ्तार अच्छी है. वक्त से पहले आ रहा है. आमतौर पर अंडमान-निकोबार तट तक मॉनसून 22 मई तक आता है. लेकिन, इस बार 19 मई तक पहुंचने के आसार है. आईएमडी के डीजी डॉ. मृत्युंजय महापात्रा ने बताया कि स्थिति भारत में अच्छे मॉनसून की तरफ इशारा कर रही है. कई सालों बाद देश में अच्छे मॉनसून की स्थिति बन रही है. 15 जून तक झारखंड में मॉनसून की इंट्री हो सकती है. इस वर्ष राज्य में सामान्य से अधिक बारिश हो सकती है।

कब होगी बारिश?

शहर	मॉनसून की तारीख
दिल्ली	28-30 जून
मुंबई	10-11 जून
कोलकाता	10-11 जून
चेन्नई	08-10 जून

मॉनसून के दौरान 106% बारिश की संभावना

देश में साउथवेस्ट मॉनसून के दौरान 106% बारिश की संभावना है. इसमें 5% का एरर रह सकता है. 94 से 105% बारिश को सामान्य बारिश माना जाता है. विभिन्न मॉडल से संकेत मिल रहे हैं कि मॉनसून के शुरुआती दौर में अल नीनो कमजोर होगा. इसके साथ ही मॉनसून के सेकंड हॉफ में ला नीना विकसित हो जाएगा. आईएमडी के अनुसार, देश के 80 प्रतिशत हिस्सों में सामान्य से अधिक बारिश की उम्मीद है. अनुमान के मुताबिक, 29 प्रतिशत सामान्य बारिश और 31 प्रतिशत संभावना सामान्य से अधिक बारिश की है.

इन राज्यों में सामान्य से अधिक बारिश

दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, चंडीगढ़, पंजाब, केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश, राजस्थान, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, पुड्डुचेरी, अंडमान निकोबार द्वीप समूह, लक्षदीप, दादरा और नगर हवेली, दमन-दीव.

यहां होगी सामान्य बारिश : छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख, ओडिशा, असम, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा.

कब-कहां पहुंचेगा मॉनसून

दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के 19 मई तक अंडमान और निकोबार द्वीप पहुंचने का अनुमान है. 29 मई से 1 जून के बीच ये केरल दस्तक देगा. महाराष्ट्र में मॉनसून की इंट्री 10 जून तक होती है. इस साल वक्त पर पहुंच जाएगा. 15 जून तक गुजरात, एमपी, छत्तीसगढ़, झारखंड और बिहार में मॉनसून आ जाएगा. 20 जून तक ये गुजरात और एमपी के आंतरिक इलाकों में दस्तक देगा. 20-25 जून के बीच यूपी, उत्तराखंड और कश्मीर में आएगा. 30 जून को राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा और पंजाब में दस्तक दे सकता है.

न्यूज क्लिक के संपादक को मिली जमानत

शुभम संदेश नेटवर्क। नयी दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- गिरफ्तारी गलत

सुप्रीम कोर्ट ने न्यूज क्लिक के संपादक प्रबीर पुरकायस्थ को जमानत दे दी है. इसके साथ ही कोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी के तरीकों पर सवाल उठाते हुए गंभीर टिप्पणी की है. पूछा है कि पुरकायस्थ की गिरफ्तारी के बाद उनके वकील को सूचना दिए बिना मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश करने की जल्दबाजी क्यों की. बता दें कि पुलिस ने तीन अक्टूबर 2023 को यूएपीए की धाराओं के तहत प्रबीर पुरकायस्थ को गिरफ्तार किया था. उन पर राष्ट्रविरोधी खबर प्रसारित करने व छापने के लिए चीन से फंड लेने के गंभीर आरोप लगाए गए थे.

जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस पर गंभीर टिप्पणी की. कहा कि पुलिस के पास गिरफ्तारी का आधार नहीं था. इस लिए उन्हें जमानत मिलनी चाहिए. कोर्ट ने गिरफ्तारी के आधार को गलत माना है. प्रबीर संस्थापक मीडिया संस्थान न्यूजक्लिक के संस्थापक व संपादक हैं. गिरफ्तारी के वक्त दिल्ली पुलिस ने कहा था कि उन पर देश की एकता और अखंडता को खत्म करने और देश के खिलाफ लोगों में असंतोष पैदा करने के लिए चीन से फंड लेने का आरोप है. उनके साथ पुलिस ने न्यूजक्लिक के एचआर अमित चक्रवर्ती को भी गिरफ्तार किया था, जो बाद में सरकारी गवाह बन गए. जिसके बाद अदालत ने उन्हें रिहा कर दिया था. कोर्ट के आदेश के बाद न्यूजक्लिक के पत्रकार अभिसार शर्मा ने कहा कि जिस फंडिंग को रिजर्व बैंक ने जायज ठहराया था, उस पर ईडी ने रेड की. और आज तक चार्जशीट दाखिला नहीं की. जब तक न्यूयॉर्क टाइम्स का आधा अधूरा लेख नहीं आया था तब तक हमारे संपादक को गिरफ्तार कर लिया गया था और उनके खिलाफ यूएपीए की धाराएं लगायी हैं. यह पूरा मामला फर्जी है. सिर्फ इसलिए,क्योंकि न्यूजक्लिक किसानों, वंचितों, और शाहीनबाग की आवाज बना. चार्जशीट से लगता है कि मनोहर कहानियां पढ़ने वाले व्यक्ति ने लिखी है.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष संतान के लिए दिन शुभ है. पंचम भाव में चन्द्रमा है. नए स्थान पर घूमने का आनंद प्राप्त होगा. व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा. नौकरी में कोई नया विचार क्रियान्वित हो सकता है. कार्य की प्रशंसा होगी.

वृषभ हृदय रोग से बचाव आवश्यक है. कार्य की सफलता के लिए प्रयास अधिक करना पड़ेंगे. गलतफहमी से विवाद हो सकता है. भावनाओं पर अंकुश आवश्यक है. हितशत्रुओं से सावधान रहें. कारोबार ठीक चलेगा.

मिथुन सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. आय में वृद्धि होगी. कोई बड़ा कार्य प्रारंभ करने का मन बनेगा. व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा. निवेश शुभ फल देगा. समय की अनुकूलता का लाभ लें. भरपूर प्रयास करें.

कर्क समय उत्तम फल प्रदान करेगा. आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. आय में वृद्धि होगी. परिवार में खुशी का माहौल रहेगा. किसी मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा.

सिंह व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. भाग्य का सहारा रहेगा. परिवार में खुशी का माहौल रहेगा. चोट व रोग से बचें. किसी बड़ी समस्या से निजात मिल सकती है. विदेश से मिलने वाले शुभ समाचार से मन खुश रहेगा. सूर्य को जल दें.

कन्या कहीं घूमने का भी समय है. किसी व्यक्ति के उकसावे में नहीं आएं. क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा. व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा. आय बनी रहेगी.

तुला चोट व रोग से हानि की आशंका है, लापरवाही न करें. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. पुरानी लेनदारी वसूली के प्रयास सफल रहेंगे. कारोबार में वृद्धि होगी. नये कार्य को लेकर जल्दबाजी न करें.

वृश्चिक सरकारी कार्य में गति मिलेगी. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. शत्रुओं का पराभव होगा. आर्थिक नीति में बदलाव हो सकता है. कार्यप्रणाली में सुधार होगा. तत्काल लाभ नहीं मिलेगा. कार्य होने से सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी.

धनु बड़ों के अनुभव का लाभ लेना चाहिए. अनहोनी की आशंका रह सकती है. कोर्ट-कचहरी तथा सरकारी मामलों की बाधा दूर होकर स्थिति अनुकूल रहेगी. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. पूजा-पाठ आदि पर व्यय होगा.

मकर पार्टनर से विवाद हो सकता है. क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है. वाहन व मशीनरी आदि के प्रयोग में लापरवाही न करें. कारोबार ठीक चलेगा. आय में निश्चितता रहेगी.

कुंभ शुक्र के प्रभाव से जीवनसाथी का सुख बढ़ेगा. कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति लाभदायक बनेगी. आय में वृद्धि होगी. नौकरी में मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा. कार्य होगा, जिससे अच्छा लाभ होगा. शनि को बल दें

मीन मौसमी बीमारियों से बचें. किसी के बहकावे में नहीं आना चाहिए. व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा. लंबी यात्रा की योजना बन सकती है. स्थायी संपत्ति में वृद्धि के योग हैं. बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. अन्न दान करें.

सेवानिवृत्त हो चुकीं अफसर पर लगे आरोप से जुड़ी फाइल निरस्त, कार्मिक ने जारी कर दिया आदेश

19 साल तक जांच के बाद आरोपमुक्त हुईं राज्य सेवा की अफसर

रवि भारती। रांची

राज्य प्रशासनिक सेवा की एक अफसर, जिसपर बिहार से लेकर झारखंड तक 19 साल से अधिक समय तक विभागीय कार्यवाही चली. यह विभागीय कार्यवाही 14 हजार रुपये की अनियमितता को लेकर चली. अफसर पर आरोप यह लगा था कि 14 हजार रुपये से डीसी बिल की अनियमित तरीके से छपाई करवाई गई थी. लेकिन 19 साल तक चली जांच में यह पाया गया कि इसमें किसी भी तरह की अनियमितता प्रतीत नहीं होती है, क्योंकि यह सक्षम पदाधिकारी के द्वारा विपत्र पारित किया गया था. जिस अफसर पर इतने लंबे समय तक विभागीय कार्यवाही चली, उस अफसर का नाम खीस्तीना हांसदा है. इसी सप्ताह कार्मिक ने आदेश जारी कर कहा कि आरोप से जुड़ी संचिका अस्त कर दी गई है. अब खीस्तीना हांसदा सेवानिवृत्त हो चुकी हैं.

14 हजार रुपये की अनियमितता का लगा था आरोप

क्या है पूरा मामला

खीस्तीना हांसदा के खिलाफ नालांदा के तत्कालीन जिला पदाधिकारी द्वारा 26 जून 2005 को गठित जांच समिति से प्राप्त प्रतिवेदन में अनुशंसा की गई कि किस परिस्थिति में 14 हजार रुपये का डीसी बिल की छपाई करायी गयी. इसका कोई औचित्य नहीं प्रतीत नहीं होता है. इस संबंध में खीस्तीना हांसदा को स्थिति स्पष्ट करने के लिए विभाग से आदेश देने का अनुरोध किया गया. इसके बाद 26 सितंबर 2005 को हांसदा को जिला पदाधिकारी, नालंदा को वस्तुस्थिति से अवगत कराने के लिए निर्देशित किया गया. इसके अनुपालन में उन्होंने जिला पदाधिकारी को स्थिति स्पष्ट करते हुए आरोप मुक्त करने का अनुरोध किया.

जांच में नहीं मिली अनियमितता

खीस्तीना हांसदा के खिलाफ लगे आरोपों के संबंध में जांच समिति ने पाया कि इसमें अनियमितता प्रतीत नहीं होती है. क्योंकि सक्षम पदाधिकारी द्वारा यह विपत्र पारित है. इसके बाद जिला पदाधिकारी, नालंदा के पत्र के साथ संलग्न जांच प्रतिवेदन की अनुमंडल नजारत, हिलसा की जांच वित्त विभाग (अंकेक्षण), बिहार, पटना के विशेष दल से कराने की अनुशंसा की गई. साथ ही सुस्पष्ट मंतव्य मांगा गया. जांच समिति की अनुशंसा के आलोक में अनुमंडल नजारत, हिलसा के लेखाओं का विशेष अंकेक्षण कराया गया. समीक्षा के बाद मामले से जुड़ी फाइल निरस्त कर दी गई. कार्मिक ने इसका आदेश जारी कर दिया है.

झारखंड के पहले चरण में तीन लोस सीटों पर रही नेक टू नेक फाइट

साइलेंट वोटरों की भूमिका अहम

प्रवीण कुमार। रांची

झारखंड की 14 लोकसभा सीटों पर हो रहे लोकसभा चुनाव में साइलेंट वोटरों की भूमिक अहम मानी जा रही है. राज्य के पहले चरण में पलामू, सिंहभूम, खूंटी और लोहरदगा सीट पर चुनाव संपन्न हो चुका है. यहां नेक-टू नेक फाइट के कयास लगते रहे थे. हालांकि एनडीए और इंडिया, दोनों गठबंधन चारों सीटों पर जीत का दंभ भर रहे हैं. पहले चरण में भी साइलेंट वोटरों की भूमिका अहम रही है.

चुनाव में अक्सर साइलेंट वोटर राजनीतिक वाद-विवाद में उलझे या चर्चा करते नहीं दिखते हैं. हालांकि, चुनावी बाजी पलटने में इनकी भूमिका अहम होती है. वहीं, विगत 13 मई को हुए चुनाव में राजनीतिक दल के नेता और कार्यकर्ता की पहुंच से कई गांव दूर रहे. वहां लोगों ने अपने मतों का आधार सरकारी योजना से मिल रहे लाभ को बनाया. फिलहाल, झारखंड में तीन चरणों का चुनाव शेष है. इसमें 20 मई को चतरा, कोडरमा व हजारीबाग, 13 मई को रांची, गिरिडीह, जमशेदपुर व धनबाद और अंतिम चरण में एक जून कोराजमहल, दुमका व गोड्डा लोकसभा में मतदान होना है. अब चार जून को पता चलेगा है कि शह और मात के इस चुनावी खेल में किसकी नैया पार लगी और कौन बीच मंझधार में डूब गया.

खास बातें

- झारखंड में तीन चरणों में 10 लोकसभा सीटों पर चुनाव बाकी
- चार जून को शह-मात के चुनावी खेल का आयेगा परिणाम

राजनीतिक पंडितों की गणित में हाशिये पर रहते हैं साइलेंट वोटर

आमतौर पर महिलाओं और बुजुर्गों को साइलेंट वोटरों की श्रेणी में रखा जाता है. इनका एक पक्का राजनीतिक मत होता है, लेकिन ये राजनीतिक पंडितों की गणित में हाशिये पर रहते हैं. राजनीति के माहिर खिलाड़ी का सबसे ज्यादा फोकस युवाओं या फिर पुरुषों पर रहता है. वे मानते हैं कि वोट तय करने में इन दोनों वर्गों की भूमिका सबसे अहम होती है, जो काफी हद तक सही भी है. लेकिन वोटों का अंतर प्रभावित करने में साइलेंट वोटर बड़ा खेल कर जाते हैं.

सिंहभूम में शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के वोटों का अंतर निर्णायक

सिंहभूम लोकसभा में ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के पड़े वोटों का अंतर ही निर्णायक भूमिका अदा करेगा. यहां भाजपा प्रत्याशी गीता कोड़ा और झामुमो प्रत्याशी जोबा माझी के बीच कड़ा मुकाबला था. कई समाजिक संगठनों ने हो जनजाति के उम्मीदवार को चुनाव लड़ाने की बात झामुमो से की थी. दूसरी ओर भाजपा से कुर्मी जाति नारज चल रही थी. कयास लगाये जा रहे हैं कि भाजपा को इसका खामियजा उठना पड़ा है. वहीं, साफ छवि के निर्दलीय माधव चंद्र कुनकल भी झामुमो की हार-जीत के बीच के ताबूत में आखिरी कील साबित हो सकते हैं. वैसे जोबा मांझी के लिए झामुमो के विधायकों ने पूरी मेहनत की है.

इस बार भी रोचक रहेगा खूंटी लोकसभा का परिणाम

खूंटी लोकसभा की सीट भाजपा के अर्जुन मुंडा के लिए इस बार भी आसान नहीं रही. पार्टी के विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा भी ऊपरी तौर पर ही साथ दिखे. सूत्र बताते हैं कि वह खेल करने में सफल हो गये हैं. वहीं, कोलेबिरा और सिमडेगा विधानसभा में भाजपा को बढ़त मिल सकती है. विधानसभा स्तर पर देखें, तो हर क्षेत्र में अलग-अलग वर्ग का प्रभाव देखने को मिला है. ईसाई और मुस्लिम वोटर एकजुट रहे हैं. सूत्र बताते हैं कि कांग्रेस की तरफ इनका रुझान रहा. खूंटी विधानसभा में सरना वोटरों ने भी सक्रिय भूमिका निभाई. बहरहाल, पिछले चुनाव की तरह इस बार भी खूंटी का परिणाम रोचक रहने वाला है.

लोहरदगा लोकसभा क्षेत्र में दिखा धार्मिक ध्रुवीकरण

लोहरदगा में चमरा लिंडा की वजह से त्रिकोणीय मुकाबले की बात हो रही थी. लेकिन, कुछ हद तक ही ऐसा होता दिखा. स्थानीय स्तर पर लोहरदगा में धार्मिक ध्रुवीकरण भी देखा गया है, जिसका लाभ भाजपा के खाते में आ सकता है. वहीं, इस बार के कांग्रेस उम्मीदवार 2019 के विधानसभा चुनाव में भाजपा में चले गये थे. इस कारण इस लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के पुराने वोटर चमरा लिंडा की ओर शिफ्ट कर गये थे. हालांकि, सिसई व बिशुनपुर विधानसभा क्षेत्र में पड़े वोट कांग्रेस के लिए सिरदर्द साबित हो सकते हैं. अब चार जून को ही तय होगा कि जीत की खुशी किस खेमे में गयी और हार का गम किस खेमे में.

ओरमांझी जू में चार नवजात शावकों की मौत, उठे सवाल

खास बातें

- जू प्रबंधन का तर्क- दम घुटने से हुई शावकों की मौत
- पांच दिन पहले बाघिन ने दिया था शावकों को जन्म

प्रमुख संवाददाता। रांची

राजधानी रांची के ओरमांझी जैविक उद्यान में हुई चार शावकों की मौत पर सवाल उठ रहे हैं. इन शावकों को बाघिन गौरी ने महज पांच दिन पहले जन्म दिया था. 10 मई को चार शावकों का जन्म हुआ था. जू प्रबंधन का तर्क है कि चारों शावक बाघिन के बेहद करीब आ गए थे और बाघिन के नीचे दबने के कारण दम घुटने से उनकी मौत हो गई. दूसरी बात जो सामने आ रही है, उसमें कहा जा रहा है कि शावकों के जन्म के बाद से ही सीसीटीवी के जरिए पूरी मॉनिटिरिंग की जा रही थी. जू प्रबंधन द्वारा आनन-फानन में चारों शावकों का पोस्टमार्टम कराने के बाद उनके शव को शवदाहगृह में जला दिया गया.

वर्ष 2021 में भी हुई थी एक बाघ की मौत : ओरमांझी जू में वर्ष 2021 को बाघ शिवा की मौत हो गई थी. उसके बार में कहा गया था कि वह बीमार था. उसका इलाज उद्यान व कांके वेटनरी कॉलेज के चिकित्सक कर रहे थे. बुखार भी ठीक हो गया था. फिर कहा गया कि बाघ ने भोजन करना बंद कर दिया. फिर जांच की गई, तो कहा गया कि बाघ की किडनी और लीवर खराब होने के कारण मौत हो गई. हालांकि, बाघ का सैंपल लिया गया था, जिसे जांच के लिए बरेली भेजा जाना था. साथ ही इलाज के लिए जमशेदपुर से चिकित्सक को बुलाया गया था. इस पर कई सवाल भी खड़े हुए थे.

सात लोमड़ियों की भी हुई थी मौत

वर्ष 2022 में ओरमांझी जू में सात लोमड़ियों की भी मौत हो गई थी. इसकी वजह संक्रामक कैनाइन डिस्टेंपर वायरस बताई गई थी. लोमड़ियों की मौत के बाद उद्यान प्रबंधन ने जांच के नमूने आईवीआरआई को भेजे थे. आईवीआरआई ने अपनी रिर्पोट में बताया कि लोमड़ियों की मौत कैनाइन डिस्टेंपर वायरस से हुई. इसके बाद उद्यान में सभी जानवरों की सुरक्षा के लिए आवश्यक एहतियात बरते जा रहे थे. निगरानी के लिए अलग-अलग टीमें भी बनाई गई थीं. इसके बावजूद उद्यान में हादसे हो रहे हैं, जिस पर सवाल उठ रहे हैं.

बिलासपुर से लायी गयी थी बाघिन गौरी

बाघिन गौरी को वर्ष 2018 में छत्तीसगढ़ के बिलासपुर से लाया गया था. गौरी ने पहली बार 10 मई की रात को एक और 11 मई को तीन शावकों को जन्म दिया था. सभी शावक सामान्य व स्वस्थ बताए गए थे. बाघ के शावकों की आंख जन्म के 15वें दिन खुलती है. ऐसे में समान्य तौर पर बाघिन ही अपने शावकों की देखरेख करती है.

बड़कागांव रंगदारी मामला

अमन साहू गिरोह के मयंक सिंह ने ट्रैक्टरों को जलाने में गिरोह की संलिप्तता से कर दिया इनकार

रांची। हजारीबाग जिले के बड़कागांव थाना क्षेत्र स्थित सांढ़ गांव में सोमवार की देर रात तीन ट्रैक्टरों को जला दिया गया था. घटना को अंजाम देने के बाद अज्ञात अपराधियों ने घटनास्थल पर अमन साहू गिरोह के नाम का पर्चा छोड़ा था. लेकिन अमन साहू गिरोह के मयंक सिंह ने इस घटना में अपनी संलिप्तता से इनकार किया है. इस संबंध में मयंक सिंह ने सोशल मीडिया पर प्रेस विज्ञप्ति जारी की है. मयंक सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा है कि अखबारों से पता चला कि बड़कागांव में आसमाजिक तत्वों ने कुछ वाहनों को जलाया और बॉस के नाम से रंगदारी मांगी. लेकिन इस घटना से हमारे गैंग का कोई लेना देना नहीं है.

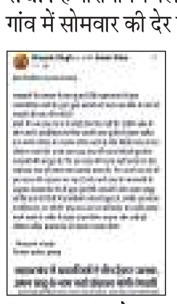

हजारीबाग जेल से छूटे छुटभैया अपराधी की संलिप्तता आ रही सामने : मयंक सिंह ने लिखा कि ग्रामीण क्षेत्रों के लोग अपनी आजीविका चलाने के लिए अपनी जमा-पूंजी से ट्रैक्टर खरीदते हैं और किसी तरह अपने परिवार का पालन पोषण करते हैं. उनके साथ इस तरह की घटना किसी छूटभैया अपराधी की करतूत है. गैंग इस तरह की घटना नहीं करता है और ना ही इस तरह की घटना का समर्थन करता है. गैंग अपने स्तर से भी इस घटना की जांच कर रहा है. अभी तक सामने आयी जानकारी के अनुसार, बड़कागांव के ही कुछ छुटभैये अपराधी और उनका समूह है, जो हाल के दिनों में हजारीबाग जेल से छूटा है, उनकी इस घटना में संलिप्तता आ रही है. बॉस के नाम का इस्तेमाल कर छवि खराब करने वालों के शरीर का खाल उतार लिया जायेगा और उन्हें पूरे परिवार सहित बड़कागांव से पलायन करना होगा. अज्ञात अपराधियों ने ट्रैक्टर मालिकों से सालाना दो हजार रंगदारी की मांग की थी. अमन साहू के नाम से बड़कागांव थाना क्षेत्र के सांढ़ गांव में सोमवार की रात 12 बजे तीन ट्रैक्टर को जला दिया गया था. पर्चा में वार्निंग देते हुए कहा गया था कि बड़कागांव कमेटी को सूचित किया जाता है कि प्रत्येक ट्रैक्टर से दो हजार रुपये सालाना चाहिए, पैसा नहीं मिलने पर जान माल की हानि होती रहेगी.

प्रशिक्षण संस्थान के पासिंग आउट परेड में एकरूपता की कमी, गाइडलाइन जारी

संवाददाता। रांची

झारखंड पुलिस के प्रशिक्षण संस्थान में होने वाले पासिंग आउट परेड में एकरूपता की कमी देखी जा रही है. इसे लेकर डीजीपी अजय कुमार सिंह ने गाइडलाइन जारी की है. जारी आदेश में कहा गया है कि इस वर्ष जैप - 1 रांची और जैप -9 साहेबगंज में जिला और सशस्त्र वाहिनी के नवनियुक्त आरक्षियों का पासिंग आउट परेड संपन्न हुआ. परेड के निरीक्षण के दौरान देखा गया कि प्रशिक्षण संस्थान वार पासिंग परेड की प्रक्रिया में काफी भिन्नता है. इसे लेकर झारखंड पुलिस के सभी प्रशिक्षण संस्थानों में प्रशिक्षण के बाद होने वाले पासिंग आउट परेड के लिए 38 बिंदुओं का एक गाइडलाइन जारी किया गया है.

38 बिंदुओं का एक गाइड लाइन जारी किया गया है

गाइडलाइन का पालन करने का आदेश

- पासिंग आउट परेड के लिए परेड ग्राउंड की क्षमता के अनुसार पुरुष-महिला प्रशिक्षुओं का प्लाटून तैनात किया जाएगा.
- **परेड शुरू होने से न्यूनतम 20 मिनट पहले मैदान में निर्मित किले का द्वार खोल दिया जाएगा.**
- सभी प्लाटून अपने-अपने निर्धारित निरीक्षण लाइन पर पहुंचकर कदमताल करते हुए बैंड की धुन पर थम जाएंगे.
- **विशिष्ट-अति विशिष्ट व्यक्ति के सलामी मंच पर निर्धारित स्थान पर पहुंचते ही परेड कमांडर द्वारा कमांड दिया जाएगा.**
- परेड किया बाजू शस्त्र की स्थिति में आने पर परेड कमांडर सलामी मंच की ओर मार्च करेंगे.
- **राष्ट्रीय सैल्यूट के समय आमंत्रित सभी अतिथि परेड ग्राउंड में खड़े होंगे और उनमें जो वर्दीधारी अधिकारी होंगे, उन्हें सैल्यूट करेंगे.**
- परेड कमांडर द्वारा मानवाधिकार और पुलिस कर्तव्य को पढ़ाते हुए सभी प्रशिक्षुओं को शपथ दिलायी जाएगी
- **शपथ ग्रहण के बाद डंके की आवाज पर पुरुष-महिला प्रशिक्षु सावधान की स्थिति में आएंगे.**
- ध्वज टोली के निर्धारित स्थान पर पहुंचने के बाद परेड कमांडर द्वारा कमांड दिया जाएगा.

झारखंड अग्निशमन विभाग को मिलेंगे 13 नए दमकल वाहन

रांची। अग्निशमन विभाग का संसाधन इस गर्मी में बढ़ने वाला है. आग से मुकाबला करने के लिए फायर ब्रिगेड में 13 नये दमकल वाहन जुड़ने जा रहे हैं. इनके फेब्रिकेशन का काम पूरा हो गया है. जिसके बाद अग्निशमन विभाग की चार सदस्यीय टीम दमकल वाहन के निरीक्षण के लिए महाराष्ट्र के पालघर गयी है. जून महीने में सभी 13 दमकल वाहन झारखंड अग्निशमन विभाग के मुख्यालय आ जायेगी.

निर्वाचन आयोग ने जारी किया फाइनल वोटर टर्नआउट

पहले चरण में चार लोस सीटों पर 66.01% मतदान

संवाददाता। रांची

झारखंड के पहले चरण में चार लोकसभा सीटों (सिंहभूम, खूंटी, लोहरदगा और पलामू) पर 13 मई को शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव संपन्न हुआ. चुनाव संपन्न होने के एक दिन बाद 14 मई की देर रात को चुनाव आयोग ने फाइनल वोटर टर्नआउट जारी किया है. जारी लिस्ट के अनुसार, सिंहभूम में 69.32%, खूंटी में 69.93%, लोहरदगा में 66.45% और पलामू में 61.27% मतदान हुआ.

खूंटी लोकसभा सीट पर अनुमानित वोट प्रतिशत

खरसावां	78.38%
खूंटी	68.72%
कोलेबिरा	66.49%
सिमडेगा	66.75%
तमाड़	72.35%
तोरपा	66.75%

लोहरदगा लोकसभा सीट पर अनुमानित वोट प्रतिशत

बिशुनपुर	63.36%
गुमला	64.74%
लोहरदगा	70.05%
मांडर	67.39%
सिसई	66.12%

पलामू लोकसभा सीट पर अनुमानित वोट प्रतिशत

भवनाथपुर	63.69%
बिश्रामपुर	59.30%
छतरपुर	60.05%
डाल्टनगंज	62.39%
गढ़वा	64.72%
हुसैनाबाद	55.45%

सिंहभूम लोकसभा सीट पर अनुमानित वोट प्रतिशत

चाईबासा	71.39%
चक्रधरपुर	68.31%
जगन्नाथपुर	69.41%
मंझगांव	69.18%
मनोहरपुर	65.35%
सरायकेला	70.98%

आशंका | झारखंड में फिर बदलेगा मौसम का मिजाज, तापमान में होगी वृद्धि

18 मई से चलने लगेगा हीट वेब, येलो अलर्ट जारी

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड में एक बार फिर मौसम का मिजाज बदलेगा. मौसम विभाग ने 18 मई से हीट वेब चलने की आशंका जताई है. सरायकेला-खरसावां, पूर्वी सिंहभूम व पश्चिमी सिंहभूम के अलावा संताल परगना के कम से कम चार जिलों में हीट वेब चलने की आशंका है. इसको लेकर येलो अलर्ट भी जारी किया गया है. वहीं राज्य में अगले तीन से चार दिनों में तीन से चार डिग्री सेल्सियस तक तापमान में वृद्धि हो सकती है. वहीं 20 व 21 मई से राज्य के उत्तर-पूर्वी तथा दक्षिणी भागों यानी संताल परगना व कोल्हान प्रमंडल में कहीं-कहीं गरज के साथ हल्के दर्जे की बारिश हो सकती है.

इन जगहों पर चलेगी लू

राज्य के सरायकेला-खरसावां, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, दुमका, गोड्डा, पाकुड़ और साहिबगंज जिलों में 18 मई को कहीं-कहीं लू की स्थिति देखी जा सकती है. इसी तरह 19 मई को राज्य के सरायकेला-खरसावां, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, गढ़वा, पलामू, दुमका, गोड्डा, पाकुड़ व साहिबगंज जिले में कहीं-कहीं लू की स्थिति देखी जा सकती है.

20 मई को इन जगहों पर हो सकती है बारिश

ज्य के उत्तर-पूर्वी और दक्षिणी भागों में 20 व 21 मई को कहीं-कहीं गर्जन के साथ हल्के दर्जे की बारिश होने की उम्मीद है. इसका असर पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, सिमडेगा, साहिबगंज, गोड्डा, पाकुड़, दुमका, देवघर, जामताड़ा व धनबाद जिले में देखने को मिलेगा.

19 मई को भी चलेगा हीट वेब

मौसम विभाग के अनुसार दुमका, गोड्डा, पाकुड़ और साहिबगंज के अलावा गढ़वा और पलामू में लोगों को भीषण गर्मी का सामना करना होगा. वहीं राजधानी रांची के अधिकतम और न्यूनतम तापमान में भी वृद्धि होगी. पारा 40 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है.

दो साल में सीआईडी की साइबर सेल में 22924 मामले दर्ज

रांची। झारखंड सीआईडी के अधीन कार्यरत साइबर अपराध थाना में मार्च 2022 से अबतक 22924 मामले दर्ज हुए हैं. इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए 11.32 करोड़ रुपये फ्रीज किये गये. वहीं फरवरी 2024 से लेकर अब तक यानी पिछले तीन महीने में साइबर अपराध थाना में साइबर ठगी संबंधित 18 कांडों में पैसा रिफंड भी कराया गया. साइबर सेल की टीम ने साइबर अपराधियों द्वारा ठगी किये गये 1.01 करोड़ पीड़ितों को रिफंड कराया.

हेल्पलाइन नंबर 1930 दर्ज कराये शिकायत : साइबर ठगी का शिकार होने पर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज करा सकते हैं. रिपोर्ट किये जाने पर साइबर थाना ठगी से संबंधित बैंक खाता और ट्रांजैक्शन को ब्लॉक करता है. गृह मंत्रालय ने नेशनल साइबर क्राइम रिर्पोटिंग पोर्टल की शुरुआत की है.

क्लासिफाइड

उत्कर्ष साइंस इंटर कॉलेज हजारीबाग (साइंस एवं आर्ट्स)

साइंस, आर्ट्स नामांकन जारी (सत्र 2024/2026)

छात्रों का निशुल्क नामांकन

कॉलेज फैसिलिटी
1. रेगुलर क्लास की व्यवस्था
2. प्राइवेट ट्यूशन की आवश्यकता नहीं
3. प्रत्येक माह 2 दिन प्रैक्टिकल कीसुविधा
4. रिवीजन के साथ टेस्ट
5. साइंस टेस्ट की सुविधा
6. कमजोर छात्रों के लिए एक्स्ट्रा क्लासेस की सुविधा
7. इंग्लिश स्पोकन क्लासेस
8. हॉस्टल फैसिलिटी
9. स्कॉलरशिप कीसुविधा

संपर्क करें : जावरा रोड, नियर शिव मंदिर, कोर्रा, हजारीबाग
मोबाइल नंबर- 971141963,7209563687,7970724567

GEETA INTER COLLEGE, H.BAG
SCIENCE | ARTS | COMMERCE
Admission is Going On

Features :
Girls Campus : With Hostel
Boys Campus : Without Hostel Facility
Zabra, Korrah, Hazaribagh
9835486174, 99054 84481, 8210363904

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

तापमान 37.4° अधिकतम | 23.9° न्यूनतम

रांची, गुरुवार 16 मई 2024 ● बैशाख शुक्ल पक्ष 09 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 2, अंक : 37

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

उन्हें दिलाना है वोट, शहर की कैसे हो सफाई?

संवाददाता । रांची

- शहर में वोट प्रतिशत बढ़ाने के लिए चुनाव के काम पर लगा दिये गये हैं सफाई कार्य कराने वाले सभी सुपरवाइजर्स
- घरों से कचरा उठाव का काम काफी हद तक प्रभावित, अब लोगों को हफ्तों कचरा गाड़ी के नहीं हो रहे हैं दर्शन

शहर के विभिन्न इलाकों में बीते कुछ दिनों से सफाई व्यवस्था ठप है. कहीं मैदान में कचरे का अंबार है, तो कहीं सड़क पर ही कचरा पसरा हुआ है. पर अचानक से ऐसा क्या हुआ कि जगह-जगह कचरे का अंबार लगने लगा. इसका जवाब है मतदान. शहर में वोट प्रतिशत बढ़ाने के लिए सफाई कार्य करानेवाले सभी सुपरवाइजर्स को चुनाव के काम पर लगा दिया गया है. अब सुपरवाइजर्स बूथ लेवल अफसर के साथ मिल कर घर-घर वोटर स्लिप व वोटर गाइड बांटने के काम में जुटे हैं. इसका नतीजा यह है कि घरों से कचरा उठाव का काम काफी हद तक प्रभावित हो गया है. पहले जहां हर दूसरे या तीसरे दिन घरों से कचरा उठाया जाता था, वहीं अब लोगों को हफ्तों कचरा गाड़ी के दर्शन नहीं हो रहे. घर-घर जाकर कचरा उठाने वाली गाड़ियां दिख नहीं रही हैं. कई दिनों तक घर से कचरे का उठाव नहीं होने के कारण लोग काफी परेशान हैं. इसका नतीजा यह है कि लोग सड़क, मैदान या घर के आसपास मौजूद खाली स्थान पर ही कचरा फेंक रहे हैं. रांची नगर निगम के एक अधिकारी ने बताया कि पहली बार ऐसा हुआ है कि सुपरवाइजर्स को इलेक्शन के काम पर लगाया गया है. उन्होंने बताया कि सुपवाइजर्स को इलाके की अधिक जानकारी होने का कारण यह काम सौंपा गया है. इसलिए वे कचरा उठाव नहीं करा पा रहे हैं.

ब्रीफ खबरें

जामताड़ा में कार से मिले 10 लाख रुपये

जामताड़ा/रांची। लोकसभा चुनाव को लेकर की जा रही वाहन चेकिंग के क्रम में बुधवार को कानगोई चेक नाका पर पुलिस ने एक कार से 10 लाख रुपये बरामद किए हैं. इस दौरान कार (डब्लू बी 38 एएम 1668) के चालक से बरामद धनराशि से संबंधित कोई कागजात प्रस्तुत नहीं कर पाया. पुलिस ने आयकर विभाग को भी सूचित किया. बैग में 500, 200, 100 रुपये के नोटों की दर्जनों गड्डियां हैं. नगदी जब्त कर पुलिस व आयकर अधिकारी कार सवार से पूछताछ कर रहे हैं.

कैश के साथ पकड़ाए तीन युवकों को बेल

रांची। झारखंड विधानसभा के पास 4.56 लाख रुपये कैश के साथ पकड़े गये तीनों युवकों अश्विनी रजवार, रवि कुमार राय और प्रखर रंजन को पांच-पांच हजार के निजी मुचलकों पर रांची सिविल कोर्ट से बेल मिल गयी. रांची सिविल कोर्ट के सीजेएम चंदन कुमार के कोर्ट में आरोपियों की बेल पर सुनवाई हुई. आरोपियों की ओर से अधिवक्ता प्रीतांशु सिंह ने बहस की. बता दें कि वाहन चेकिंग के दौरान विधानसभा थाना के पास एक कार से 4.56 लाख रुपये कैश के साथ तीन युवकों को गिरफ्तार किया था.

गांडेय में कल्पना को भाकपा का समर्थन

रांची। भाकपा ने गांडेय विधानसभा उपचुनाव में झामुमो प्रत्याशी कल्पना सोरेन को समर्थन की घोषणा की है. पार्टी के प्रदेश सचिव महेंद्र पाठक व कार्यालय सचिव अजय सिंह घोषणा करते हुए वहां की जनता से भी अपना समर्थन देने की अपील की है. उन्होंने कहा कि भाकपा झारखंड में हजारीबाग, चतरा व दुमका लोकसभा से चुनाव लड़ रही है. इन तीन लोकसभा सीटों के बाद जिन सीटों पर सीपीआई के प्रत्याशी नहीं है, उन सीटों पर भाजपा को हराने वाले दल व उम्मीदवारों को पार्टी अपना समर्थन करेगी.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

बेंगाबाद में एक मंच पर आए तेजस्वी, चंपाई व कल्पना सोरेन

अग्निवीर रिटायर हो सकते हैं, मोदी क्यों नहीं : तेजस्वी

विशेष संवाददाता। गिरिडीह/रांची

गांडेय विधानसभा के बेंगाबाद में बुधवार को राजद के स्टार प्रचारक बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव, झारखंड के सीएम चंपाई सोरेन, मंत्री बन्ना गुप्ता, माले विधायक एवं कोडरमा से प्रत्याशी विनोद सिंह सहित इंडिया के अन्य नेता एक मंच पर आए. तेजस्वी ने कोडरमा लोकसभा से माले प्रत्याशी विनोद सिंह और गांडेय विधानसभा उपचुनाव में झामुमो प्रत्याशी कल्पना सोरेन के समर्थन में सभा की.

तेजस्वी यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की गलत नीतियों के कारण 25 करोड़ युवा ओवर एज्ड होकर बेरोजगार हैं. पीएम भी अब ओवर एज्ड हैं. अगर वो अग्निवीर को 22 साल की उम्र में जबरन सेवानिवृत्त कर रहे हैं, तो मुझे उम्मीद है कि 75 वर्ष में रिटायर होने की अपनी ही बनायी नीति, नियम और सिद्धांत का अनुपालन पीएम अवश्य करेंगे.

हेमंत के काम से भाजपा को दर्द होने लगा: चंपाई : सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि आज झारखंड की दशा एवं दिशा के लिए पूर्ववर्ती भाजपा की सरकारें जिम्मेवार हैं. 2019 में हेमंत बाबू के नेतृत्व में पूर्ण बहुमत वाली गठबंधन की सरकार बनी, तो हर वर्ग के लिए काम शुरू हुआ. इसके बाद भाजपा के पेट में दर्द होने लगा. सरकार गिराने का के प्रयास में ये विफल रहे, तो हेमंत बाबू को बिना किसी सबूत के जेल भेजने का काम किया.

कोडरमा लोस से माले प्रत्याशी विनोद सिंह व गांडेय विस से कल्पना के लिए मांगे वोट

हार देख पुराना राग अलापना शुरू कर चुके हैं भाजपाई

तेजस्वी ने कहा कि भाजपा वाले अब 400 पार की बात नहीं कर रहे हैं. क्योंकि उन्हें पता चल चुका है कि वे चुनाव हार चुके हैं. इसलिए अब फिर से वही पुराना राग अलापना शुरू कर दिए हैं. हिंदु-मुस्लिम, धार्मिक धुर्वीकरण. उन्होंने कहा कि अरे भाई काठ की हांडी कब तक चढ़ाते रहोगे. अब तो ये सब बंद करके मुद्दे की बात करो. देश में चार चरण का चुनाव संपन्न होने के बाद एक बार भी पीएम बेरोजगारी, महंगाई पर एक शब्द नहीं बोले.

भाजपा-आजसू के सांसद नहीं उठाते झारखंड के मुद्दे: कल्पना

चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कल्पना सोरेन ने कहा कि आपके हक-अधिकार की जो बात करे, आपके सुख-दुख में जो साथ हो, उसे अपना आशीर्वाद दें. हम सभी ने देखा भाजपा-आजसू के नेताओं ने कभी भी झारखंडी हक-अधिकारों के लिए किसी सदन में आवाज नहीं उठायी. विगत वर्षों में केंद्र सरकार ने पेंशन पर चुप्पी साध ली, तो हेमंत जी ने 36 लाख लोगों को पेंशन के अधिकार से जोड़ा. भाजपा की डबल इंजन सरकार ने 11.5 लाख नाम राशन कार्ड से हटाए, तो हेमंत जी ने 20 लाख राशन कार्ड दिए. हेमंत जी ने बिरसा हरित ग्राम जैसी कई योजनाओं को धरातल पर उतारा.

भाजपा और केंद्र सरकार ने सिर्फ जुमलेबाजी की : कल्पना ने कहा कि पूर्व की डबल इंजन सरकार ने राज्य में सात हजार सरकारी स्कूल बंद किए, हेमंत जी ने सरकारी स्कूलों को प्राइवेट स्कूलों से बेहतर बनाना शुरू किया. ऐसे अनेक कार्य हैं, जो आपके आशीर्वाद से 2019 में हेमंत सरकार ने किए और अभी भी जारी है. उन्होंने कहा कि भाजपा और केंद्र सरकार ने सिर्फ जुमलेबाजी की, जबकि हेमंत जी ने कई लोक-कल्याणकारी योजनाओं के साथ लंबी लकीर खींचने का काम किया. यह साफ है कि आपके अधिकारों की रक्षा सिर्फ इंडिया गठबंधन ही कर सकती है, भाजपा-आजसू नहीं.

मंत्री आलमगीर की गिरफ्तारी पर पाकुड़ में फोड़े गए पटाखे

संवाददाता। रांची/पाकुड़

झारखंड के ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम की ईडी द्वारा गिरफ्तारी के बाद बुधवार देर शाम पाकुड़ के व्यवसायी शंभू नंदन ने जमकर पटाखे फोड़े. व्यवसायी ने हरिणडांगा बाजार में व्यवसायियों और राहगीरों के बीच मिठाइयां भी बांटी. शंभू नंदन ने बताया कि 22 जून 2020 में बरहरवा नगर पंचायत टोल टैक्स का टेंडर नहीं लेने की धमकी तत्कालीन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा ने मंत्री आलमगीर आलम के मोबाइल से दी थी.

इसके बाद टेंडर में भाग लेने पर उनके गुर्गों ने मारपीट भी की थी. इसी मामले को लेकर बरहरवा थाने में प्राथमिकी भी दर्ज कराई गई थी. शंभू नंदन ने बताया कि उन्हें कानून पर विश्वास था कि उन्हें न्याय मिलेगा और आज ईडी ने रांची में पूछताछ के बाद मंत्री को गिरफ्तार कर लिया. उन्होंने कहा कि टेंडर मैनेज कर जमा की गई करोड़ों की राशि जब्त कर उनके पीएस और उनके नौकर के बाद मंत्री को भी गिरफ्तार कर लिया गया. इसके कारण सिर्फ उन्हें नहीं बल्कि राज्य के हजारों व्यवसायियों एवं संवेदकों में काफी खुशी है.

लीकेज पर लीकेज

आठ लाख लोगों को नहीं मिला पानी, आज हटिया लाइन बंद

फाइल फोटो

विशेष संवाददाता। रांची

रुक्का वाटर ट्रीटमेंट प्लांट से निकलने वाली विभिन्न लाइन की मरम्मत के कारण बुधवार को शहर में वाटर सप्लाई पूरी तरह से ठप रही. शहर के कम से कम आठ लाख लोगों को बुधवार को पानी नहीं मिला. अब रुक्का-हटिया लाइन में लीकेज हो गया है, जिसकी मरम्मत का कार्य गुरुवार को किया जाएगा. इसके कारण हटिया लाइन से आपूर्ति वाले क्षेत्र जैसे कांटाटोली, डोरंडा और अशोक नगर व आसपास के एरिया में वाटर सप्लाई पूरी तरह से ठप रहेगी. रुक्का ईई चंद्रशेखर के अनुसार कोकर के सैमफोर्ड अस्पताल के पास चार नंबर लाइन में हेवी लीकेज हो गया. इसकी मरम्मत और कांटाटोली फ्लाई ओवर निर्माण के कारण पाइप लाइन शिफ्टिंग के कारण गुरुवार को हटिया लाइन से पानी की आपूर्ति बंद रहेगी.

राइजिंग पाइप की मरम्मत का काम शाम तक चला : रुक्का प्लांट से बूटी जलागार तक विभिन्न राइजिंग पाइप लाइनों का लीकेज ठीक करने के लिए बुधवार की सुबह नौ बजे से शाम सात बजे तक रुक्का वाटर ट्रीटमेंट प्लांट से पेयजल आपूर्ति पूरी तरह से बाधित रही. बुधवार को रुक्का से निकलने वाले मेन राइजिंग पाइप लाइन का मनन विद्यालय, बांसजुड़, रंगलौरी ब्रिज नंबर तीन, एनसीसी कैंपस रुक्का और ओल्ड डब्लूटीपी नियर रुक्का के पास मरम्मत कार्य किया गया. इस कारण देर शाम तक रुक्का वाटर ट्रीटमेंट प्लांट बंद रहा.

आज भी आंशिक जलापूर्ति संभव : शाम सात बजे तक मरम्मत कार्य पूरा नहीं हो सका. रुक्का डिवीजन से मिली जानकारी के अनुसार रुक्का से पानी सप्लाई रात के 9 बजे के बाद शुरू हुआ और बूटी जलागार में रात के 12 बजे के बाद आया. इसलिए गुरुवार को भी शहर में अनियमित एवं आंशिक जलापूर्ति की स्थिति बनी रहेगी.

इन क्षेत्रों में नहीं हो सकी जलापूर्ति

पाइप लाइनों की मरम्मत के कारण इरबा, बूटी मोड़, विकास, बीआईटी, दीपाटोली, कोकर, कांटाटोली, रेलवे कॉलोनी, निवारणपुर, मेन रोड, चुटिया, बहु बाजार, सिरमटोली, हिंदपीढ़ी, चर्च रोड, लालपुर, वर्द्धमान कपाउंड, बरियातू रोड, रिम्स, मोरहाबादी, अपर बाजार, हरमू रोड, रातू रोड, पिस्का मोड़, मधुकम, महुआ टोली, पहाड़ी मंदिर एरिया, कुम्हार टोली, केशव नगर, किशोरगंज, कैलाश नगर, गाड़ीखाना चौक और आसपास के इलाकों में वाटर सप्लाई बाधित रही.

रांची के मास्टर प्लान में सुधार के लिए झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स ने की बैठक

रियल एस्टेट उप समिति जून में करेगी हैदराबाद भ्रमण

संवाददाता। रांची

झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स के रियल एस्टेट एंड अर्बन डेवलपमेंट तथा बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन उप समिति की बैठक बुधवार को चैंबर भवन में उप समिति चेयरमेन अंचल किंगर, आलोक सरावगी व रोहित अग्रवाल की अध्यक्षता में हुई. सॉफ्टवेयर की तकनीकी खामियों के कारण नक्शा पास करने में होनेवाली परेशानियों पर पर चर्चा की गई. मास्टर प्लान में सुधार के लिए दिये गये आवेदनों पर कार्यवाही नहीं होने पर भी सदस्यों ने चिंता जताई. बैठक में जल्द ही नगर प्रशासक से मिल कर, इसपर ठोस कदम उठाने का आग्रह किये जाने का निर्णय लिया गया.

बालू की कमी से प्रोजेक्ट रह जा रहे अधूरे, सरकार करें समीक्षा : अंचल : उप समिति चेयरमेन अंचल किंगर ने कहा कि बालू की कमी के कारण एक ओर जहां संवेदक, डेवलपर्स के प्रोजेक्ट्स अधूरे रह जा रहे हैं, वहीं मजदूरों का भी पलायन हो रहा है. सरकार को इसकी त्वरित समीक्षा करनी चाहिए. सर्किल रेट की दरों में प्रत्येक दो वर्ष में होनेवाली बढ़ोत्तरी पर भी सदस्यों द्वारा चिंता जताई गई और कहा गया कि इसकी समीक्षा होनी चाहिए.

नगर विकास सचिव को पत्राचार करेगी उप समिति : वर्तमान में केवल एक वर्ष के लिए बिल्डर रजिस्ट्रेशन मिलने की प्रक्रिया पर असंतोष जताते हुए कहा गया कि बिल्डर रजिस्ट्रेशन तीन वर्ष का मिलना चाहिए. उप समिति ने इस मामले में नगर विकास विभाग के सचिव को पत्राचार करने का निर्णय लिया. वहीं, जून के प्रथम सप्ताह में उप समिति के सदस्यों ने नॉलेज टूर का आयोजन करने की सहमति बनाई है. पहला टूर हैदराबाद में होगा. उप समिति चेयरमेन आलोक सरावगी ने कहा कि नॉलेज टूर के माध्यम से हमारी टीम हैदराबाद में किये गये या होनेवाले निर्माण कार्यों, प्रोजेक्ट्स व इंफ्रास्ट्रक्चर को देखेगी. बैठक में कार्यकारिणी सदस्य प्रवीण लोहिया, सदस्य मुकेश पांडे, अमित अग्रवाल व विकास मोदी शामिल थे.

पंजाब ने राजस्थान को पांच विकेट से हराया

आईपीएल : 2024

एजेंसी। गुवाहाटी

स्कोर बोर्ड

राजस्थान रॉयल्स :144/9
पंजाब किंग्स : 122/5

- पंजाब के लिए सैम करन ने बैट और बॉल से किया कमाल
- **राजस्थान रॉयल्स ने गंवाया लगातार चौथा मैच**

प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर चुकी राजस्थान रॉयल्स को आईपीएल 2024 में लगातार चौथी हार झेलनी पड़ी है. टीम ने शुरुआती नौ मैचों में आठ पर जीत हासिल की थी. 13 मैचों के बाद भी उसके नाम आठ ही जीत हैं. गुवाहाटी के बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम पर राजस्थान को पंजाब किंग्स ने पांच विकेट से हराया. धीमी विकेट पर राजस्थान ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए नौ विकेट पर 144 रन बनाए. पंजाब ने 19वें ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया. पंजाब पहले ही प्लेऑफ की रेस से बाहर है लेकिन इस जीत ने उसे टेबल में 10वें से 9वें स्थान पर पहुंचा दिया है.

राजस्थान के लिए सिर्फ पराग चले : स्थानीय खिलाड़ी रियान पराग की 48 रन की पारी के बावजूद राजस्थान रॉयल्स की टीम 150 के स्कोर को परा नहीं कर पाई. राजस्थान के लिए पराग ने 34 गेंद की पारी के दौरान छह चौके जमाये जबकि रविचंद्रन अश्विन ने 19 गेंद में तीन चौके और एक छक्के से 28 रन का योगदान दिया. इन दोनों ने चौथे विकेट के लिए 50 रन की साझेदारी निभाकर पारी को रफ्तार देने की कोशिश की लेकिन उनके प्रयास कामयाब नहीं रहे. पंजाब के लिए हर्षल, चाहर और कप्तान करन ने 2-2 विकेट लिए.

टीम के टॉप-3 बल्लेबाज पूरी तरह फेल रही : टीम के टॉप-3 बल्लेबाज पूरी तरह फेल रही. मैच की पहली गेंद पर चौका मारने के बाद यशस्वी जायसवाल उसी ओवर में आउट हो गए. बटलर की जगह ओपनिंग कर रहे टॉम कोहलर कैडमोर ने 18 रन बनाने के लिए 23 गेंदों का सामना किया. कप्तान संजू भी 15 गेंद पर 18 रन बना सके. पावरप्ले में एक विकेट खोने के बाद भी पंजाब की सटीक बॉलिंग के सामने राजस्थान की टीम 38 रन ही बना सकी. निचले क्रम में जुरेल गोल्डन डक हुए तो पॉवेल 4 और डोनोवन फेरीरा ने सात रन बनाए.

ट्रैफिक व्यवस्था चरमराई

वाहन चेकिंग अभियान रुकने से फिर लगने लगा शहर में जाम, लोग हो रहे परेशान

राजधानी की सड़कों पर फिर से बढ़ गए बिना परमिट वाले ऑटो

संवाददाता। रांची

वाहन चेकिंग अभियान रुकने से राजधानी की सड़कों पर फिर से बिना परमिट वाले ऑटो की संख्या बढ़ गई है. नतीजतन सर्कुलर रोड, रेडियम रोड, कचहरी रोड, बरियातू रोड, रातू रोड, अलबर्ट एक्का चौक से कोकर चौक तक रह -रह कर जाम की समस्या उत्पन्न हो रही है. अप्रैल महीने में शहर में ऑटो की संख्या में कमी आई थी. इसका कारण ट्रैफिक पुलिस और परिवहन पदाधिकारी द्वारा चेकिंग अभियान चलाया जाना था.

इसके अलावा शहर में फुटपाथ में लगनेवाले अतिक्रमण हटाने को लेकर पुलिस की कार्रवाई जारी थी. इस वजह से शहर में जाम की स्थिति नहीं उत्पन्न हो रही थी, लेकिन जैसे ही चेकिंग अभियान बंद हुआ, बिना परमिट वाले ऑटो ग्रामीण इलाके से शहरी इलाके में में आकर चलने लगे.

ई-रिक्शा चालकों की मनमानी से राजधानी के लोग हलकान

रांची में पेट्रोल-डीजल और सीएनजी के ऑटो के साथ-साथ ई-रिक्शा की संख्या में भी तेजी से इजाफा हुआ है. रांची डीटीओ ऑफिस से 4500 से ज्यादा ई-रिक्शा का निबंधन है. लेकिन रांची नगर निगम ने शहरी क्षेत्र में 994 ई-रिक्शा को चलाने की ही अनुमति दी है. जबकि, शहर में पांच हजार से ज्यादा ई-रिक्शा चलते हैं. लेकिन आरटीए, डीटीओ सहित ट्रैफिक पुलिस ऐसे वाहनों पर ठोस कार्रवाई नहीं करती है. इसके कारण ऑटो व ई-रिक्शा के चालकों की मनमानी से पूरा शहर त्रस्त है. सड़क पर ही बेतरतीब तरीके से खड़ा कर ई-रिक्शा चालक सवारियों को बैठाने का काम करते हैं. इस कारण हमेशा जाम लगता रहता है. इससे अन्य वाहन चालकों के साथ राजधानी के लोग भी हलकान हैं.

अधिकतर ऑटो व ई-रिक्शा का नंबर पढ़ना मुश्किल

रांची की सड़कों पर अवैध रूप से चल रहे ऑटो व ई-रिक्शा का नंबर पढ़ना भी मुश्किल है. किसी का पेंट उखड़ गया है, तो किसी ने जानबूझ कर अपनी नंबर प्लेट से एक नंबर को मिटा दिया , ताकि, ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने या किसी प्रकार की दुर्घटना होने पर सीसीटीवी से उक्त ऑटो को ट्रेस न किया जा सके. इसके अलावा प्रमुख सड़क हो या गली-मोहल्ले हर जगह नाबालिग और अनट्रेंड युवाओं द्वारा ई-रिक्शा चलाया जा रहा है. इस कारण अक्सर जाम लग रहा है और दुर्घटना की आशंका बनी रहती है.

रांची निगम क्षेत्र में 5330 ऑटो को दिया गया परमिट: रांची निगम क्षेत्र में 5330 ऑटो (सीएनजी, पेट्रोल-डीजल) को परमिट दिया गया है. जबकि 15 हजार से ज्यादा ऑटो बिना परमिट के चल रहे हैं. यानी शहर में परमिट से तीन गुना ज्यादा ऑटो चल रहे हैं. वह भी ट्रैफिक पुलिस के सामने. इस कारण तमाम कवायद के बाद भी शहर की ट्रैफिक व्यवस्था सुधर नहीं रही है. ऑटो व ई-रिक्शा के परमिट की बात अगर छोड़ दें, तो इनके पास न ड्राइविंग लाइसेंस है, न इंश्योरेंस और न ही पॉल्यूशन सर्टिफिकेट. फिर भी धड़ल्ले से ऐसे ऑटो चलाये जा रहे हैं.

ब्रीफ खबरें

भ्रष्टाचार का एक और बड़ा विकेट गिरा: प्रतुल

रांची। झारखंड सरकार के मंत्री आलमगीर आलम की गिरफ्तारी के बाद भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने सत्ता पक्ष पर हमला बोला है. प्रतुल ने बयान जारी कर कहा कि झारखंड में भ्रष्टाचार का एक और बड़ा विकेट गिरा है. आलमगीर आलम को अरबों रुपए के टेंडर घोटाले मामले में ईडी ने गिरफ्तार कर लिया है. इसके पहले पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी गिरफ्तार हो चुके हैं. यह नरेंद्र मोदी का न्यू इंडिया है. यहां आप उच्च पद पर भी रहकर भ्रष्टाचार करके बच नहीं सकते. प्रतुल ने कहा कि यह तो शुरुआत है, अभी तो अरबों रुपयों का जो टेंडर घोटाला हुआ है, उसकी जांच जारी रहेगी.

झालसा सदस्य सचिव ने किया जेल का दौरा

रांची/खूंटी। झालसा रांची की सदस्य सचिव कुमारी रंजना अस्थाना ने बुधवार को खूंटी जेल का निरीक्षण किया. उपकारा के निरीक्षण के दौरान मेंबर सेक्रेटरी के साथ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश खूंटी रषिकेश कुमार, डिप्टी सेक्रेटरी झालसा रांची, अभिषेक कुमार, डीएलएसए सचिव खूंटी राजश्री अपर्णा कुजूर के अलावा जेल के अधिकारी उपस्थित थे. झालसा की मेंबर सेक्रेटरी ने जेल के प्रत्येक वार्ड का निरीक्षण किया. महिला वार्ड, रसोईघर, स्वास्थ्य केंद्र, वीसी हॉल, पुस्तकालय आदि का निरीक्षण किया और पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये. साथ ही डीएलएसए सभागार में मेंबर सेक्रेटरी की अध्यक्षता और प्रधान जिला जज की उपस्थिति में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया.

लूट की सजा भुगतनी ही पड़ेगी : बाबूलाल

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने बुधवार को चंपाई सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री और कांग्रेस विधायक दल के नेता आलमगीर आलम की ईडी द्वारा हुई गिरफ्तारी पर प्रतिक्रिया दी. उन्होंने कहा कि लूट और भ्रष्टाचार में शामिल लोगों को सजा भुगतनी ही पड़ेगी. कांग्रेस भ्रष्टाचार की जननी, पोषक और संरक्षक है. राज्य में कांग्रेसपार्टी जब जब सत्ता में शामिल हुई, राज्य को लूटने में कोई कसर नहीं छोड़ी है. खजाने मिल रहे. कभी 350 करोड़ तो कभी 35 करोड़ नकद बरामद हुए. यह तो केवल नमूना है. ईडी सीबीआई तो जनता की गाढ़ी कमाई का पाई-पाई वसूलने की कार्रवाई कर रही है. कांग्रेस ने कभी आंदोलन को लूटा और अब मिलकर राज्य को लूट रहे.

प्रबीर की रिहाई का फैसला स्वागतयोग्य

रांची। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव प्रकाश विप्लव ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा डिजिटल प्लेटफार्म न्यूज क्लिक वेब पोर्टल के प्रधान संपादक और देश के जाने-माने पत्रकार और विज्ञानवेत्ता प्रबीर पुरकायस्थ को रिहा किए जाने के आदेश का स्वागत किया है. सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में उनकी गिरफ्तारी को न केवल अवैध माना बल्कि दिल्ली पुलिस द्वारा लगाए गए काले कानून युएपीए की विभिन्न धाराओं के अन्तर्गत उन्हें लंबे दिनों तक जेल में रखे जाने की साजिश को भी उजागर कर दिया है. मालूम हो कि पिछले वर्ष अक्टूबर माह में प्रबीर पुरकायस्थ समेत कुछ लोगों को दिल्ली पुलिस द्वारा एक अमेरिकी अखबार में छपी खबर के आधार पर गिरफ्तार किया गया था.

क्या आप चला रही हैं झारखंड की सरकार? कल्पना सोरेन ने दिया जवाब, कहा-

हेमंत के लिए मजबूत आवाज की जरूरत, मैं वही कर रही

शुभम संदेश नेटवर्क। रांची

झारखंड में लोकसभा चुनाव को लेकर सरगर्मी तेज है. इस बीच झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झामुमो के नेता हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने दावा किया है कि हम राज्य की सभी 14 सीटें जीतेंगे. क्या कल्पना सोरेन सरकार चला रही हैं? इस सवाल पर कल्पना ने एबीपी न्यूज़ से खास बातचीत में कहा कि हेमंत सोरेन के लिए एक मजबूत आवाज की जरूरत है और अगर ये उनके घर से ही है और वो मैं ही हूं तो इसमें ग़लत क्या है. अगर ये ज़िम्मेदारी मैं निभा रही हूं तो ग़लत क्या है? गांडेय विधानसभा सीट से उप-चुनाव लड़ रहीं कल्पना ने आगे कहा, 31 जनवरी से माहौल बदला और मैं सार्वजनिक तौर पर आई हूं. स्टार प्रचारक बनी हूं. हेमंत सोरेन जेल में हैं, लेकिन साढ़े तीन करोड़ जनता उनके साथ है.

भाजपा को था जिनसे खतरा, उन्हें जेल भेजा

कल्पना ने कहा कि इंडिया गठबंधन का साथ मिला है. न्याय रैली में राहुल गांधी ने बोलने का मौका दिया. रामलीला मैदान में भी भाषण दिया. मज़बूती मिली है. बीजेपी द्वारा सुनियोजित तरीक़े से षड्यंत्र रचा गया. जिनसे इनको लगता था कि सबसे ज्यादा खतरा है, उन्हीं को बीजेपी ने जेल भिजवाया है. वो हैं अरविंद केजरीवाल और हेमंत सोरेन.

भ्रष्टाचार के आरोपों पर बोलीं कल्पना

भ्रष्टाचार के आरोपों पर कल्पना सोरेन ने कहा कि करप्शन पर जो दोषी है उसे सज़ा मिले. पिछड़ों के आरक्षण पर बात आगे नहीं बढ़ती है, केंद्र सरकार से बकाया मांगते हैं और नहीं मिलता है, क्या वो भी करप्शन है. हम 20 साल का हक मांग रहे हैं. झारखंड की ज़मीन से सोना निकाल लेते हैं और रॉयल्टी नहीं देते हैं तो वो भ्रष्टाचार है? झारखंड के साथ हमेशा सौतेला व्यवहार किया गया. मंत्री आलमग़ीर आलम के करीबियों के घर पैसे मिलने पर कल्पना सोरेन ने कहा कि कार्रवाई जहां होनी है, हो रही है. लेकिन झारखंड एक ऐसा बच्चा है, जिसके साथ पिता यानी केंद्र सरकार द्वारा सौतेला व्यवहार हुआ.

हेमंत सोरेन की जमानत पर क्या कहा

अरविंद केजरीवाल की अंतरिम जमानत पर कल्पना सोरेन ने कहा कि मौका हर किसी को मिलना चाहिए. इंडिया गठबंधन का प्रचार करेंगे. सुप्रीम कोर्ट से चाहूंगी कि हेमंत सोरेन को लेकर भी सोचें. कल्पना सोरेन ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि ये प्रेजेंट की बात नहीं करते. भविष्य की बातें कर रज़ून को जनता देगी. ये चुनाव संविधान बचाने की लड़ाई है. हिंदू-मुसलमान की राजनीति पर कल्पना ने कहा कि मैं रिटायर्ड ऑफिसर की बेटी हूं. मैंने हिंदुस्तान को जिस नज़र से देखा. जिस वातावरण में रही हूं, मैंने खूबसूरत हिंदुस्तान देखा है. गुरुद्वारा, पीर बाबा, मंदिर सब जगह जाती रही हूं, जाति धर्म से ऊपर देखना चाहिए.

मंत्री रहते आलमगीर आलम गिरफ्तार

मंत्री आलम हो सकते हैं बर्खास्त

- गिरफ्तारी के बाद मुख्यमंत्री चंपाई ने पार्टी और कांग्रेस के आला नेताओं से की बात

विशेष संवाददाता। रांची

राज्य के ग्रामीण विकास मंत्री को टेंडर कमीशन मामले में ईडी द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद चंपाई सरकार में हलचल तेज हो गयी है. जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन कभी भी मंत्री आलमगीर आलम को बर्खास्त कर सकते हैं. आलम के लिए अगले 24 घंटे का समय काफी अहम है. उनकी गिरफ्तारी के बाद सीएम चंपाई ने पहले अपने पार्टी के नेताओं से चर्चा की. इसके बाद उन्होंने कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर, प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर से बात की. जानकारी के अनुसार सीएम चंपाई ने सबसे पहले कांग्रेस को उनके खिलाफ कार्रवाई करने को कहा है, ताकि सीएम को आगे की कार्रवाई में आसानी हो सके. अगर अगले 24 घंटे के अंदर कांग्रेस इस मामले में कोई पहल या सुझाव सरकार को नहीं देती है तो सीएम आलम को बर्खास्त कर सकते हैं. वैसे यह भी संभावना जताई जा रही है कि आलमगीर खुद ही अपना इस्तीफा सीएम को भेज दें.

अब कांग्रेस को चुनना होगा नया सीएलपी लीडर : चुनाव के बीच कांग्रेस नेतृत्व जितनी जल्द हो सके, इस मामले से खुद को अलग करना चाहेगी, ताकि भाजपा इसे चुनावी मुद्दा न बना सके. आलमगीर आलम की गिरफ्तारी के बाद कांग्रेस को शीघ्र ही अपना नया सीएलपी लीडर भी चुनना होगा.

राजग के भाजपा उम्मीदवार संजय सेठ ने किया जनसंपर्क, कहा

पीएम मोदी करते हैं काम कांग्रेस करती तुष्टीकरण

संवाददाता। रांची

सांसद संजय सेठ ने कहा कि कमजोर वर्गों की आकांक्षाओं की पूर्ति करना और उनके अधिकारों की रक्षा करना मोदी जी का लक्ष्य है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सामाजिक न्याय और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए तत्पर हैं. वह जनसंपर्क अभियान के दौरान बुधवार को आयोजित सभा में बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग और सफाई कर्मचारियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए उनके सशक्तिकरण पर जोर देते हुए उन्हें बेहतर शिक्षा और रोजगार के लिये ऋण उपलब्ध करा रहे हैं. भाजपा का मूल मंत्र है सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास. इन्हीं मूल मंत्र के साथ हमारे प्रधानमंत्री काम करते हैं, वहीं कांग्रेस तुष्टिकरण की राजनीति करती है, कांग्रेस तुष्टिकरण की राजनीति कर चुनाव जीतना चाहती है. प्रधानमंत्री का संकल्प है विकसित भारत और हम उसी को लेकर आगे बढ़ रहे हैं. संजय सेठ ने बुधवार को हटिया विधानसभा के नगड़ी प्रखंड, ऐडचेरो, साहेर, नगड़ी, नारो, ललगुटवा, नयासराय, दलादिली, रामपुर, गुंदली पोखर में अभियान चलाया.

केसरवानी वैश्य समाज की संगोष्ठी में शामिल हुए संजय सेठ, की अपील : रांची जिला केसरवानी वैश्य समाज के मतदाता जागरुकता संगोष्ठी में सांसद संजय सेठ शामिल हुए. उन्होंने सभी लोगों से 25 तारीख को राष्ट्र निर्माण के लिए भाजपा को वोट करने की अपील की.

मौके पर विधायक नवीन जायसवाल, कार्तिक केसरी, हेमंत केसरी, कैलाश केसरी, मोहन केसरी, मिथिलेश केसरी, रेखा केसरी, राधेश्याम केसरी, रूपा केसरी, नवीन केसरी, मंटू केसरी, दौलत राम केसरी आदि शामिल थे.

अखिल भारतीय कुशवाहा महासभा की बैठक : सांसद संजय सेठ ने कुशवाहा समाज के लोगों संग बैठक में शामिल होकर उनकी समस्याओं को सुना एवं 25 तारीख को राष्ट्र निर्माण में लोगों से वोट करने की अपील की. मौके पर विधायक नवीन जायसवाल, चूड़ामणि महतो, केदार महतो, अभय कुमार महतो, शिवचरण कुशवाहा, सुनील कुमार, सुदर्शन महतो, प्रयाग महतो, रेणु कुमारी, मधुबाला आदि शामिल थे.

महिला मोर्चा ने किया जागरूक : साथ ही रांची महानगर महिला युवा मोर्चा की ओर से सभी मंडल, ग्रामीण क्षेत्र के सभी मंडलों में सभा एवं जनसंपर्क अभियान चला कर लोगों को भाजपा के प्रति मतदान के लिये जागरूक किया गया.

विकसित राष्ट्र बनाने के लिए मोदी को तीसरी बार विजयी बनाएं : नवीन

विधायक नवीन जायसवाल ने कहा आज झारखंड भ्रष्टाचार में डूबा हुआ है और यहां के मंत्री के करीबी नौकर के घर से 32 करोड़ रुपये काली कमाई के निकल रहे हैं तो मंत्री के घर में कितना पैसा होगा, यह पूरी झारखंड की सरकार अखंड भ्रष्टाचार में डूबी हुई है. इसलिए देश को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए देश के यशस्वी प्रधानमंत्री को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए कमल के निशान पर बटन दबाकर रांची से सांसद संजय सेठ को जिताएं. मौके पर ग्रामीण जिला अध्यक्ष सुरेंद्र महतो, प्रदीप सिन्हा, चूड़ामणि महतो, राकेश केसरी, नेहा सिंह, कुणाल सहदेव, कमलेश ओहदार, दिलीप तिर्की, शीतल साहू, नरेश बैठा, सुधाकर चौबे, अनिल गोप, रेणु देवी, शीला देवी, बलवंत, चरण कुशवाहा, कमलेश ओहदार, डॉ. मांसा बेन, जय कृष्ण महतो, संजय महतो, गुड्डू राम, नंदकिशोर, मधुबाला देवी, हेमंत केसरी, मंगल उरांव, लाल प्रकाश नाथ सिंह, लाल प्रकाश नाथ शाहदेव, दिलीप सिंह, कृष्ण महतो आदि शामिल थे.

इंडिया गठबंधन की कांग्रेस प्रत्याशी यशस्विनी ने किया जनसंवाद

पीएम मोदी की सत्ता को बदलने का समयः सहाय

संवाददाता। रांची

कांग्रेस प्रत्याशी यशस्विनी सहाय और पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने विभिन्न क्षेत्रों में बुधवार को चुनावी बैठक, पदयात्रा, जनसंपर्क और सभाएं कर मतदाताओं से कांग्रेस के पक्ष में मतदान करने की अपील की.

मौके पर कांग्रेस प्रत्याशी यशस्विनी सहाय ने कहा कि मोदी सरकार सिर्फ जुमलों की सरकार है. अब समय आ गया है कि जनता अपनी वोट की ताकत से जुमलो वाली मोदी सरकार को बदल दे, उन्होंने लोगों से कांग्रेस के पक्ष में मतदान कर उन्हें विजयी बनाने की अपील की.

सुबोधकांत ने की अपील : पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने कहा कि जनता के पास मौका है कि महंगाई का बोझ लादने और युवाओं को बेरोजगार करने वाली मोदी सरकार को बदल दें. उन्होंने 25 मई को कांग्रेस में वोट देकर यशस्विनी सहाय को विजयी बनाकर इंडिया गठबंधन के हाथों को मजबूत करने की अपील की.

यहां चलाया जनसंपर्क अभियान/पदयात्रा की: बरियातू, रानी बागान, बूटी मोड़, सैनिक कॉलोनी, डुमरदगा, पाहन टोली, बीआईटी मोड़, विकास चौक, नेवरी, चुट्टू रिंग रोड, चकमे, कुम्हरिया, चंदवे चौक, उलातू सोजो, पिठोरिया चौक, बाड़, कोनकी, डोरंडा क्षेत्र के रिसालदार नगर, अरविंदो नगर, कुसई कॉलोनी, पाहन टोली, बान टोली, ऊपर टोला, एकता नगर, टंगा टोली, बैंक कॉलोनी, नायक टोली आदि क्षेत्रों में जनसंपर्क अभियान चलाकर कांग्रेस के पक्ष में मतदान की अपील की.

मौके पर कांके प्रखंड प्रमुख सोमनाथ मुंडा, सुरेश बैठा, संजर खान, नसीम अहमद, मनोज कुमार, बसंत उरांव, बादा कच्छप, सिरिना लकड़ा, नाजिमा रजा, शाहिद आदि शामिल थे.

एकता कमेटी ने की कांग्रेस के पक्ष में मतदान की अपील : भारतीय एकता कमेटी ने कांग्रेस प्रत्याशी यशस्विनी सहाय के लिए लोगों से मतदान की अपील की. कमेटी ने कर्बला टैंक रोड, मिशन चौक, काली स्थान रोड, गुदड़ी चौक आदि मुहल्लों में पदयात्रा कर लोगों से मुलाकात कर कांग्रेस के पक्ष में मतदान करने की अपील की. मौके पर कमेटी अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा, सचिव रामेश्वर राम, मो. निसार, मो. हबीब, पिंटू राम, मो. शमशाद, आलोक कुमार वर्मा, मो. रफीक, एलिस कश्यप, विजय लकड़ा, मो. रेहान, मो. ताहिर, मो. यूनुस आदि शामिल थे.

आंदोलनकारी नेता प्रभाकर तिर्की ने कांग्रेस प्रत्याशी के समर्थन में ग्रामीण क्षेत्रों का किया दौरा, मांगा जनसमर्थन

झारखंड आंदोलनकारी तथा आदिवासी नेता प्रभाकर तिर्की ने बुधवार को रांची लोकसभा क्षेत्र की कांग्रेस प्रत्याशी यशस्विनी सहाय के समर्थन में हटिया विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांव का दौरा कर लोगों से मतदान की अपील की. ग्रामीणों संग बैठक कर उन्हें संविधान में आदिवासी, दलित, पिछड़ों एवं अल्पसंख्यक समुदाय को संविधान में दिए गए अधिकारों की जानकारी दी तथा संविधान की रक्षा के लिए कांग्रेस को भारी बहुमत से विजयी बनाने का आह्वान किया. मौके पर सपोर तिग्गा, तरूण तिर्की, फरदीनंद तिर्की, अनमोल मिंज, जाबेर तिर्की, जेनेट तिर्की, जौरा चिंता मणि मिंज, मोहन उरांव, पीटर तिर्की, स्टीफन होरो, आश्रिता, प्रतिमा मुंडा, ज्योति होरो, विलियम तिग्गा आदि शामिल थे.

सभी प्रखंडों में 12 वर्ष तक के दिव्यांग बच्चों के लिए लगेगा निःशुल्क हेल्थ चेकअप कैंप

संवाददाता। रांची

झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद ने सभी जिलों को आवश्यक तैयारी करने के लिए भेजा पत्र

समावेशी शिक्षा के अंतर्गत संचालित विकलांग व्यक्तियों को सहायक उपकरणों की खरीद, फिटिंग के लिए सहायता योजना (एडीआईपी योजना) के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए राज्य के सभी प्रखंडों में 12 वर्ष तक के दिव्यांग बच्चों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं सहायक उपकरण वितरण कैंप का आयोजन 10 जून से पांच सितम्बर तक किया जाएगा. राज्य शिक्षा परियोजना द्वारा भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम, भुवनेश्वर के सहयोग से सभी प्रखंडों में विभिन्न तिथियों में दिव्यांग बच्चो के लिए जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा. इसके लिए एलिम्को की पांच टीमें राज्य के सभी प्रखंडों में कार्य करेंगी. प्रत्येक टीम में विभिन्न श्रेणियों के विशेषज्ञ शामिल होंगे एवं निर्धारित तिथियों में प्रखंडों में आयोजित होने वाले जांच, वितरण शिविरों में भाग लेंगे.

जांच, वितरण शिविरों के आयोजन से पूर्व जिला एवं प्रखंड द्वारा यह सुनिश्चित किया जाएगा कि शिविर में प्रखंड के सभी दिव्यांग बच्चे जिन्हें सहायक उपकरणों की आवश्यकता है वे भाग ले सकें. जिला एवं प्रखंडस्तरीय कर्मियों की यह जवाबदेही होगी कि गृह आधारित शिक्षण प्राप्त कर रहे दिव्यांग बच्चों को भी इस जांच शिविर के क्रम में आवशयक सहायक सामग्री उपलब्ध हो सके. जांच शिविर पूर्वाह्न नौ बजे से संध्या पांच बजे तक लगाया जाएगा. निर्धारित तिथि से दो सप्ताह पहले ही प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, रिसोर्स शिक्षक, थेरेपिस्ट, बीआरपी, सीआरपी तथा चिन्हित दिव्यांग बच्चों के पोषक क्षेत्र के विद्यालयों के शिक्षकों, प्रधान शिक्षक, ग्राम शिक्षा समिति के ऊपर जरूरतमंद बच्चों को चिन्हित कर उनतक शिविर से संबंधित सूचना पहुंचाने की जिम्मेदारी होगी.

बच्चो को कैंप तक आने में साहूलियत हो, इसके लिए उक्त पदाधिकारियों द्वारा आवश्यकतानुसार वाहन की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी. प्रत्येक कैंप में उस क्षेत्र के सभी दिव्यांग बच्चे उपस्थित हो, यह सुनिश्चित कराना होगा. दिव्यांग बच्चो को कैंप तक लाने और ले जाने के लिए शिक्षक और सीआरपी की जिम्मेदारी तय की गयी है. कैंप में बच्चो के लिए भोजन एवं पेयजल की भी पर्याप्त व्यवस्था की जाएगी.

झारखंड आंदोलनकारियों के हित की बात करनेवालों को ही देंगे वोट: पुष्कर

संवाददाता। रांची

झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा की बैठक बुधवार को डोरंडा स्थित केंद्रीय कार्यालय में जितेंद्र सिंह कुशवाहा की अध्यक्षता में हुई. जिसमें रांची लोकसभा चुनाव के संदर्भ में विचार विमर्श किये गये. निर्णय लिया गया कि झारखंड आंदोलनकारी के राजकीय मान-सम्मान, अलग पहचान, रोजी रोजगार और नियोजन की क्रांति तथा सम्मान पेंशन राशि 50-50 हजार रुपए देने के मुद्दे पर समर्थन करने वालों को ही समर्थन देंगे, जो झारखंड आंदोलनकारी की बात करेगा झारखंड आंदोलनकारी उन्हें अपना समर्थन ही नहीं बल्कि एक-एक वोट जुटा कर लोकसभा का चुनाव जिताने का कार्य करेंगे. मोर्चा के संस्थापक एवं प्रधान सचिव पुष्कर महतो ने कहा कि झारखंड आंदोलनकारी अपने अधिकारों की रक्षा के लिए कटिबद्ध हैं. राज्य बनने के बाद से झारखंड आंदोलनकारी अपेक्षित जीवन जीने को विवश और लाचार हैं.

आंदोलनकारियों के मुद्दे पर होगी सकारात्मक पहल : सुबोधकांत

पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने मोबाइल पर बात कर राज्यहित में झारखंड आंदोलनकारियों के मुद्दों पर सकारात्मक पहल करने का आश्वासन दिया. उन्होंने आंदोलनकारियों से पुत्री यशस्विनी सहाय को अपना आशीर्वाद देने को कहा. मौके पर जिला संयोजक रतन लाल महतो, बंधन तोपो, महबूब अंसारी, अमर भेंगरा, सरोजिनी कच्छप, सुबोध कुमार लकड़ा, मनसुख पूर्ति आदि उपस्थित थे.

पहला चरण मतदान का प्रतिशत 66.01 रहा, जिसमें पोस्टल बैलेट के आंकड़े शामिल नहीं

शहर की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में हुआ जमकर मतदान

संवाददाता। रांची

देश में लोकसभा चुनाव के चौथे और राज्य के हिसाब से 13 मई को पहले चरण के मतदान में शहरी मतदाताओं की तुलना में ग्रामीणों ने जमकर मतदान किया. मतदान ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि शहरी मतदाताओं की तुलना में ग्रामीण क्षेत्र के मतदाता वोटिंग को लेकर काफी जागरूक हैं और यही वजह है कि मतदान में इनकी भागीदारी शहर की तुलना में अधिक रहती है.

इस बार मतदान का प्रतिशत 66.01 प्रतिशत रहा, जिसमें पोस्टल बैलेट के आंकड़े शामिल नहीं हैं. वर्ष 2019 की तरह ही इस बार मतदान प्रतिशत बना रहा. हालांकि, पलामू में मतदान प्रतिशत करीब तीन प्रतिशत नीचे रहा. खूंटी में सबसे ज्यादा 69.93 प्रतिशत, सिंहभूम में 69.32 प्रतिशत, लोहरदगा में 66.45 प्रतिशत और पलामू में 61.27 प्रतिशत मतदान हुआ जबकि 2019 के लोकसभा चुनाव में सर्वाधिक वोट सिंहभूम में पड़े थे. यहां 69.26 प्रतिशत मत पड़े थे. इसी तरह खूंटी में 69.25 प्रतिशत, लोहरदगा में 66.30 प्रतिशत और पलामू में 64.34 प्रतिशत मतदान पड़े थे. शहरी क्षेत्र की तुलना में ग्रामीण क्षेत्र मतदान में आगे रहा. खरसावां में 78.38 प्रतिशत, तमाड़ में 72.35 प्रतिशत, चाईबासा में 71.39 प्रतिशत, मांडर में 67.39 प्रतिशत, सरायकेला में 70.98 प्रतिशत और लोहरदगा में 70.05 प्रतिशत मतदान हुआ. इस बार भी शहरी क्षेत्र की तुलना में ग्रामीण क्षेत्र में मतदान अधिक हुए.

जानकारी के मुताबिक सिंहभूम के दुर्गम इलाके जहां पहली बार ग्रामीणों ने अपने गांव में बने बूथ पर मतदान किया, वहां 75 प्रतिशत से अधिक पोल हुए हैं जबकि आदित्यपुर, सरायकेला जैसे शहरी क्षेत्र में 2019 की तुलना में मतदान कम हुए. मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार के अनुसार घोर नक्सल प्रभावित क्षेत्र में लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था, जहां के बूथों पर 70 फीसदी से अधिक मतदान हुए हैं.

पहली बार 24 ऐसे बूथों पर लोगों ने इस चरण में मतदान किया, जहां हमेशा चुनाव के वक्त ग्रामीणों को दूसरे जगह बने बूथ पर जाना पड़ता था. इस बार उन्हें अपने गांव में ही मतदान का मौका मिला. पहले चरण में सभी चारों संसदीय क्षेत्र में 639 शहरी और 6956 ग्रामीण क्षेत्र में मतदान केंद्र बनाए गए थे, जिसमें 1376 बूथ घोर नक्सल प्रभावित क्षेत्र में थे.

सातवां चरण : स्क्रूटनी के बाद राजमहल में 15 गोड्डा में 21 और दुमका से 19 उम्मीदवार मैदान में

संवाददाता। रांची

बुधवार को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने निर्वाचन भवन में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि सातवें चरण के लिए होने वाले तीन संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों के चुनाव के लिए स्क्रूटनी का काम पूरा हो गया. स्क्रूटनी के बाद तीनों संसदीय क्षेत्र में मिलाकर कुल 55 प्रत्याशी मैदान में बचे हैं. उन्होंने बताया कि बुधवार को स्क्रूटनी के दौरान राजमहल (अनुसूचित जनजाति के लिए सुरक्षित) संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से 17 में से 2 प्रत्याशी का नामांकन रद्द हो गया. इस तरह इस संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से अब कुल 15 प्रत्याशी बचे हैं. वहीं दुमका (अनुसूचित जनजाति के लिए सुरक्षित) संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से नामांकित 22 उम्मीदवारों में से 3 के नामांकन खारिज हो गए. यहां अब 19 उम्मीदवार रह गये हैं. गोड्डा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से स्क्रूटनी के बाद सर्वाधिक 8 उम्मीदवारों के नामांकन रद्द हुए हैं. यहां अब 21 उम्मीदवार बचे हैं. 17 मई को नाम वापसी की अंतिम तारीख है. उसके बाद उम्मीदवारों की वास्तविक संख्या निश्चित हो जाएगी.

एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन के अनुसार मतदान वाले क्षेत्रों से जुड़ी दूसरे राज्यों की सीमा पर संबंधित राज्य से समन्वय बनाकर चौकसी जारी है.

खास बातें

- तीन संसदीय क्षेत्रों के लिए स्क्रूटनी का काम हुआ पूरा
- तीनों क्षेत्रों में 13 उम्मीदवारों के नामांकन पत्र रद्द किये गये

श्रद्धा-भक्ति : गुरुद्वारा साहिब की ओर से 28 मई से दो जून तक चलाया जाएगा गुरमत ट्रेनिंग कैंप

गुरुद्वारा साहिब में चल रहा सुखमणि साहिब जी का सामूहिक पाठ

संवाददाता। रांची

गुरुद्वारा साहिब में इन दिनों स्त्री सत्संग सभा की ओर से नित्य गुरु अर्जन देव जी द्वारा रचित वाणी सुखमणि साहिब जी का सामूहिक पाठ किया जा रहा है. श्रीगुरु सिंह सभा, मेन रोड गुरुद्वारा साहिब में बुधवार को भी दिन के साढ़े तीन बजे से स्त्री सत्संग सभा की ओर से पाठ किया गया. सभा कीअध्यक्ष सुरेंद्र पाल कौर, सचिव खेम कौर, परमजीत कौर, संध्या रानी मेहता, सानिया भसीन, तरनजोत कौर, अलंग लखविंदर कौर, सतपाल कौर आदिन ने इसमें खास तौर से हिस्सा लिया. पाठ का समापन सात जून को होगा.

प्रो हरविंदर बीर सिंह ने बताया कि गुरुद्वारा साहिब की ओर से गुरमत ट्रेनिंग कैंप 28 मई से दो जून तक चलाया जायेगा. इसमें पांच से 15 वर्ष के विद्यार्थी भाग ले सकते हैं. भाग लेने के इच्छुक 25 मई तक निबंधन करा सकते हैं. उन्होंने बताया कि नौ जून से दो दिनी गुरु अर्जन देव जी का शहादत दिवस श्रद्धा पूर्वक मनाया जायेगा. पहले दिन मेन रोड गुरुद्वारा साहिब में रात्रिकालीन दीवान सजेगा. दूसरे दिन दस जून को गुरुनानक स्कूल, पीपी कंपाउंड में शहादत दिवस मनाया जाएगा. इसमें पटना साहिब के रागी भाई सरबजीत सिंह जी खास तौर से भाग लेंगे.

तीन सौ महिलाएं कर रही हैं पाठ

गुरुद्वारा साहिब, रातू रोड में स्त्री सत्संग सभा की तीन सौ महिलाएं सुखमणि साहिब जी का सामूहिक पाठ कर रही हैं. बुधवार को पाठ का 14वां दिन पूरा हो गया. मीडिया प्रभारी नरेश पपनेजा ने बताया कि पाठ 40 दिनों तक क्रमवार चलेगा. इसके समापन के बाद गुरुद्वारा साहिब में तीन दीवान सजाये जायेंगे. पहला दीवान 15 जून को प्रातः और रात्रिकालीन सजेगा. अंतिम दीवान 16 जून को दिन के दस बजे से सजाया जायेगा. इसमें स्थानीय और बाहर से आये रागी जत्था खास तौर से शिरकत करेंगे.

रोचक और शिक्षाप्रद गतिविधियों का केंद्र रहा सरला बिरला स्कूल

संवाददाता। रांची

सरला बिरला पब्लिक स्कूल में समर कैंप एक्सट्रावेगेंजा 2024 का आयोजन किया गया. पूरा विद्यालय परिसर बच्चों के उत्साह और उल्लास से गूंज उठा. इस कार्यक्रम का उद्घाटन विद्यालय की प्राचार्या परमजीत कौर ने किया. जिसका मुख्य उद्देश्य छात्रों को ऐसा अवसर प्रदान करना था, जिनमें वे विभिन्न गतिविधियों में भाग लेकर अपने कौशल को उभार सकें. स्कूल ने एनईपी 2020 और एनसीएफ 2023 के अनुरूप छात्रों के लिए विभिन्न रचनात्मक और ऊर्जावान कला और खेल एकीकृत गतिविधियों का आयोजन किया.

कविता द्विवेदी द्वारा ओडिसी नृत्य पर एक विशेष कार्यशाला आयोजित की गई, जो स्पिक मैके से संबंधित थी. उन्होंने छात्रों को इस नृत्य शैली के महत्व और प्रासंगिकता से अवगत कराते हुए बहुत ही शालीनता और सुंदरता के साथ प्रशिक्षित किया. कविता इस क्षेत्र में एक अनुभवी प्रशिक्षक रही हैं. ब्रश एंड बियॉन्ड के अंतर्गत पारंपरिक कला रूपों को ध्यान में रखते हुए छात्रों को सोहराई और मधुबनी पेंटिंग सिखाए गए. इसके अलावा छात्रों ने बुकमार्क बनाना, क्ले मॉडलिंग, छाता पेंटिंग, रचनात्मक फाइल कवर बनाना, टी-शर्ट पेंटिंग आदि भी सीखा. अतिथि शिक्षक ने, मैथ मैजिक के तहत गणित के कठिन से कठिनतम सवालों को चुटकियों में सुलझाने के ट्रिक बताये. रोबो ट्रिक्स बच्चों का पसंदीदा विषय रहा, जिसमें बच्चों को रोबोट के बेसिक पार्ट्स के बारे में बताया गया. रोबोट को कैसे प्रोग्राम कर सकते हैं, इसे बच्चों ने स्वयं करके दिखाया. प्राचार्या परमजीत कौर ने समर कैंप में भाग लेने वाले बच्चों की सराहना की.

ब्रीफ खबरें

जीईएल चर्च में 19 को मनेगा पेंतीकोष्ट पर्व

रांची। मेन रोड स्थित जीईएल चर्च में 19 मई को पेंतीकोष्ट पर्व मनाया जाएगा. इस दिन कलीसिया के लिए खास दिन होता है, क्योंकि यीशु की मृत्यु में जी उठने (ईस्टर) के 50 वां दिन यह कार्यक्रम आयोजित किया जाता है. इस दिन कलीसिया यीशु की विनती करेंगे. इस पर्व को पेंतीकोष्ट संडे भी कहा जाता है. जीईएल चर्च के फादर निरल बागे ने बताया कि इस दिन चेलों पर पवित्रात्मा का अवतरण हुआ था. यीशु के चेले येरुसलेम में पेंतीकोष्ट पर्व के दिन इकट्ठा हुए थे. सैंकडो चेलों पर पवित्र आत्मा उतरी थी. लोगो को यीशु के चेला पतरस ने यीशु के बारे में बताया था. यीशु के बारे में सुनकर लगभग तीन हजार लोगों ने बपतिस्मा लिया था.

बुद्ध पूर्णिमा 23 को, उत्सव मनायेंगे बौद्ध धर्मावलंबी

रांची। बुद्ध पूर्णिमा 23 मई को धूमधाम से मनायी जायेगी, बौध धर्मावलंबी इस दिन जहां अपने इष्ट का जन्मोत्सव मनायेंगे, वहीं सनातनी श्रीहरि की भक्ति में रमे रहेंगे. स्नान, दान-पुण्य कर श्रीविष्णु के श्रीचरणों में श्रद्धा के पुष्प चढ़ायेंगे. मंदिरों में दर्शन-पूजन का सिलसिला देर शाम तक चलेगा. विविध स्थानों पर भजन-संकीर्तन का खास आयोजन भी किया जायेगा. नेपाल हाउस परिसर और जैप वन के आवासीय परिसर में सुबह से देर शाम तक कार्यक्रमों का क्रमवार सिलसिला चलेगा. बौद्ध सोसाइटी की ओर से परिसर स्थित बौद्ध मंदिर में सुबह छह बजे से पूजा शुरू होगी.

रांची विवि में इंडोर खेल स्टेडियम की मांग

रांची। अखिल झारखंड छात्र संघ (आजसू) के प्रदेश अध्यक्ष ओम वर्मा के नेतृत्व में रांची विश्वविद्यालय के कुलपति को ज्ञापन सौंपा गया. ज्ञापन में विश्वविद्यालय में इंडोर स्टेडियम बनाने की मांग की गई है. ओम वर्मा का कहना है कि रांची विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले विभिन्न कॉलेजों में जगह की कमी होने के कारण कई खेल नहीं हो पाते हैं, जिससे रांची विश्वविद्यालय के छात्र व खिलाड़ी को अपने प्रतिभा के अनुसार खेल खेलने में असमर्थ हैं. रांची विश्वविद्यालय द्वारा खेल शुल्क के नाम हर वर्ष छात्र-छात्राओं से फीस ली जाती है, पर उनके हिसाब से सुविधा उपलब्ध नहीं हो पाती.

आयोजन : सरला बिरला विवि में भारतीय ज्ञान परंपरा पर विशेषज्ञ वार्ता

सफलता के लिए अंतःकरण की शुद्धता आवश्यक : मिथिलेश

संवाददाता। रांची

सिद्धिपीठ हनुमत निवास, अयोध्या के महंत आचार्य मिथिलेश नंदनी शरण ने कहा कि जीवन की सफलता के लिए अंतःकरण की शुद्धता जरूरी है. इससे उचित और अनुचित की समझ विकसित होती है. व्यक्ति को जब अच्छे और बुरे का ज्ञान हो जाता है तो वह स्वतः सन्मार्ग की ओर अग्रसारित हो जाता है. आचार्य जी सरला बिरला विश्वविद्यालय में बुधवार को आयोजित 'भारतीय ज्ञान परंपरा में मन, शरीर और आत्मा का संतुलन' विषय पर विशेषज्ञ वार्ता पर बतौर मुख्य वक्ता विचार व्यक्त कर रहे थे.

उन्होंने धर्म की व्याख्या करते हुए इसे आंख वालों की यात्रा बताया. उन्होंने शरीर का महत्व समझाते हुए इसे साधन की संज्ञा दी. कहा कि हम शरीर नहीं, अपितु आत्मा हैं. नर तन नश्वर है. पर आत्मा अजर-अमर है. अतः हम समय रहते आत्मकल्याण के लिए यत्न करें, तभी मानव जीवन की सार्थकता है. मिथिलेश नंदनी शरण ने बुद्धि और चित्त के संतुलन पर भी कई दृष्टांत देते हुए अपनी बातों को और स्पष्ट किया.

खास बातें

- सिद्धिपीठ हनुमत निवास, अयोध्या के महंत हैं मिथिलेश नंदनी शरण
- कुलपति डॉ. गोपाल पाठक ने दिया अध्यात्म पर विशेष जोर

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गोपाल पाठक ने भारतीय ज्ञान और परंपरा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि व्यक्ति को आध्यात्मिक रूप से सुदृढ़ होना चाहिए. उन्होंने श्रीराम की माता कौशल्या का उदाहरण देते हुए कहा कि मां से मिलने वाली सीख और ज्ञान सर्वोपरि है. डीन डॉ. नीलिमा पाठक ने मन की उपयोगिता की बात करते हुए अष्टावक्र से लेकर आधुनिक युग में स्टीफन हॉकिंग और सुधा चंद्रन का उदाहरण दिया. स्वागत भाषण डॉ. संदीप कुमार और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. आरएम झा ने किया. मौके पर फैजाबाद के पूर्व जिला जज ज्ञानप्रकाश तिवारी, लोक अभियोजक ज्ञानप्रकाश पांडेय, विवि के कुलसचिव डॉ. वीके सिंह सहित विवि के अन्य शिक्षक और शिक्षकेत्तर कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे. विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति विजय कुमार दलान और डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा ने सभी को शुभकामनाएं दी.

एस्कॉट इंटरनेशनल स्कूल का रिजल्ट शत प्रतिशत परिणाम

रांची। हरमू रोड स्थित सीबीएसई एस्कॉट इंटर नेशनल स्कूल का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा है, जिसमें सीबीएसई बोर्ड की 10वीं कक्षा में नव्या सिंह 93 .2 प्रतिशत लाकर प्रथम स्थान, सुहानी 92 .4 लाकर द्वितीय स्थान व आरती और नेहा 90 % लाकर तीसरे स्थान पर रहीं. प्लस टू के विज्ञान संकाय में माही गुसा ने 90 प्रतिशत लाकर प्रथम स्थान, अनीश 85 .2 % लाकर द्वितीय स्थान व आयुष 82 .2 % लाकर तृतीय स्थान प्राप्त किया. और वाणिज्य संकाय में लक्ष्मी ने 86 .2 प्रतिशत लाकर प्रथम स्थान, रितिका कुमारी 80 प्रतिशत लाकर द्वितीय स्थान व नंदिता 72 % लाकर तृतीय स्थान प्राप्त किया.

गुरु नानक स्कूल के विद्यार्थियों का 10वीं-12वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन

रांची। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के 10वीं और 12वीं की परीक्षा में गुरु नानक स्कूल के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है. कक्षा 12वीं के विज्ञान संकाय में अरीबा शाहीन ने 95 प्रतिशत, वाणिज्य संकाय में रौनक कुमार ने 95 % और कला संकाय में कशमाला साजमीन ने 92% हासिल किए हैं. वहीं कक्षा दसवीं में अनुषा आनंद ने 95%, सुहानी सिंह ने 95%, गौरव कुमार वर्मा तथा अनुशया नाजली ने 94 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपनी मेधा कौशल का शानदार प्रदर्शन किया है. विद्यार्थियों की इस सफलता पर विद्यालय की प्राचार्या डॉ. कैप्टन सुमित कौर ने छात्रों को बधाई दी और उनका उत्साह वर्धन किया.

चिरंजीवी प्रथम बैच के विद्यार्थियों ने हासिल की उत्कृष्ट सफलता

रांची। चिरंजीवी कॉन्सेप्ट स्कूल, होचर, रांची के प्रथम बैच के विद्यार्थियों ने कक्षा दसवीं की बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट सफलता हासिल की. 75 प्रतिशत विद्यार्थियों ने 909 से ज्यादा अंक प्राप्त किया. विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा. विद्यालय की छात्रा मैत्री धारा 929 अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान पर रहीं, वहीं रेचल बॉबी एंटनी 91.2% प्रतिशत तथा श्लोक नाथ ने 919 अंक प्राप्त कर क्रमशः दूसरे तथा तीसरे स्थान पर रहे. विद्यालय की छात्रा मैत्री धारा ने अंग्रजी में 95 , गणित में 95 तथा श्लोकनाथ ने भी गणित विषय में 95अंक प्राप्त किया. हिंदी में प्रियांशु सिंह ने 94 अंक प्राप्त किया. साइंस में मैत्री धारा ने 91 तथा सोशलसाइंस में अपूर्व ने 94 अंक प्राप्त किया.

सम्मानित की गयीं राईन उर्दू गर्ल्स माध्यमिक स्कूल की छात्राएं

रांची। मेनरोड स्थित राईन उर्दू गर्ल्स स्कूल माध्यमिक विद्यालय में बुधवार को सम्मान समारोह आयोजित किया. मुख्य अतिथि जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) विनय कुमार सिंह शामिल हुए. दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम शुरू हुआ.इस दौरान इंटरमीडियट परीक्षा में सफल हुईं छात्राओ को सम्मानित किया गया. छात्राओं को सम्बोधित करते हुए डीईओ ने कहा कि परिश्रम की सफलता की कुंजी है.इसे निखारने की जरूरत है. मेहनत एवं लगन से ही प्रतिभा निखरती है. जीवन के सफर में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है.स्कूल की प्रिंसिपल फरहीन नाज़ ने कहा कि जो बच्चे ईमानदारी से मेहनत करते हैं. वे हमेशा सफल होते हैं. सभी छात्राओं को प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया.

हॉकी रांची लीग का आयोजन

पुरुष में गुमला व महिला वर्ग में सुपर क्वीन क्लब की टीम जीती

संवाददाता। रांची

हॉकी झारखंड के सहयोग से हॉकी रांची द्वारा आयोजित हॉकी रांची लीग में बुधवार को पुरुष वर्ग में गुमला व महिला वर्ग में सुपर क्वीन वीमेन क्लब की टीम ने अपने-अपने मुकाबले जीते. महिला वर्ग में सुपर क्वीन वीमेन क्लब ने न्यू राइजिंग हुलहुंदू को एकतरफा मुकाबले में 8-1 से हराया. पुरुष वर्ग में हॉकी गुमला ने जादूर अखाड़ा खूंटी के खिलाफ 4-2 से जीत दर्ज की. आयोजन को सफल बनाने में हॉकी रांची के माइकल लाल, जयंत केरकेट्टा, असरिता लकड़ा, मनोज प्रधान, करुणा पूर्ति, नोमिता टोप्पो, नीतू कुमारी, प्रमोद केरकेट्टा, डेनिस केरकेट्टा, अभिषेक साहू समेत अन्य लोग शामिल थे.

खास बातें

- सुपर क्वीन ने न्यू राइजिंग को किया पराजित
- हॉकी गुमला जादूर अखाड़ा खूंटी के खिलाफ जीत दर्ज की

रांची में चला मतदाता जागरूकता अभियान

रांची । रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन, अग्रवाल सभा एवं मारवाड़ी सहायक समिति के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को राजधानी के विभिन्न क्षेत्रों में मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया. अभियान में भाग ले रहे जिला मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष ललित कुमार पोद्दार, महामंत्री विनोद कुमार जैन एवं संयुक्त महामंत्री सह प्रवक्ता संजय सर्राफ ने मतदाताओं से मिल कर उन्हें मतदान के लिए प्रेरित किया. उन्होंने बताया कि 25 मई को रांची में होने वाले लोकसभा चुनाव में मतदान के लिए मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है. इसके अंतर्गत एक प्रचार वाहन द्वारा भी शहरी क्षेत्रों एवं सुदूर इलाकों में प्रचार प्रसार किया जा रहा है.

राज हॉस्पिटल में मनाया गया विश्व नर्स दिवस, याद की गयीं माडर्न नर्सिंग की संस्थापक

नर्सों को मिला सम्मान, सेवा भाव की सराहना

संवाददाता। रांची

राज हॉस्पिटल में रविवार 12 मई को विश्व नर्स दिवस मनाया गया. कार्यक्रम की शुरुआत केक काटकर की गयी. इस अवसर पर उपस्थित अस्पताल प्रबंधन के वरिष्ठ पदाधिकारियों, नर्सों और कर्मियों ने मॉडर्न नर्सिंग की संस्थापक फ्लोरेंस नाइटिंगेल को याद किया. इसके बाद कई वरिष्ठ पदाधिकारियों ने कार्यक्रम को संबोधित किया और नर्सों की सेवा भावना की सराहना कर उनका उत्साहवर्धन किया.

इस दौरान नर्सों ने कई रंगारंग कार्यक्रम भी प्रस्तुत किये. इसके बाद विश्व नर्स दिवस पर आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया. साथ ही नर्सों के बहुमूल्य सहयोग की सराहना करते हुए वरिष्ठ पदाधिकारियों ने अस्पताल की कई नर्सों को उनकी निस्वार्थ सेवा, कड़ी मेहनत और लगन से अपने कार्य को करने के लिए सम्मानित किया.

मरीजों के ठीक होने में जितना चिकित्सकों का श्रेय, उतना नर्सों का भी : हॉस्पिटल के चिकित्सा निदेशक ने कहा कि सभी लोग मरीजों के ठीक होने का श्रेय डॉक्टरों को देते हैं. लेकिन व्यक्तिगत तौर पर मुझे ऐसा लगता है कि जितना श्रेय चिकित्सकों का है, उतना ही नर्सों का भी है. अगर ये चिकित्सकों के बताये हुए निर्देशों का सही तरीके से पालन ना करे तो मरीजों का सही ढंग से इलाज नहीं हो पाएगा. उन्होंने कहा कि कुछ मरीजों के परिजन नर्सों से दुर्व्यवहार करते हैं या अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, जो सही नहीं है. कहा कि हमें याद रखना चाहिए कि नर्स मरीजों का देखभाल अपने परिवार के सदस्य की तरह करती हैं. वो मरीजों को अपना परिवार ही मानती हैं. ऐसे में अगर उनसे कोई दुर्व्यवहार करता है तो वो हतोत्साहित हो जायेगी. उन्होंने नर्सों की सेवा भावना की सराहना की और उनका उत्साहवर्धन किया. उन्होंने नर्सों को सलाह देते हुए कहा कि अगर आप दवाइयों के साथ-साथ अगर काउंसलिंग, हाइजीन और हेल्थ एजुकेशन पर भी ध्यान दें तो मरीजो को जल्द ठीक करने में मदद मिलेगी.

प्रतिभा त्रिपुरा की संस्था की तीन ऑनलाइन चित्रकला प्रतियोगिताओं में मिला प्रथम स्थान

सात वर्षीय विवान ने पेंटिंग में जीते तीन राष्ट्रीय पुरस्कार

संवाददाता। रांची

डोरंडा के रहने वाले कलाकृति स्कूल ऑफ आर्ट्स के सात साल के विवान शौर्य ने अपनी प्रतिभा के बल पर झारखंड का नाम राष्ट्रीय पटल पर रोशन किया है. विवान ने इस उम्र में त्रिपुरा राज्य की प्रतिष्ठित संस्था रोंगतुली द्वारा आयोजित तीन ऑनलाइन चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया है. पुरस्कार स्वरूप विवान को तीन ट्रॉफी और प्रमाण पत्र प्रदान किया गया है. विवान ने ऐसो दुर्गा, बाल दिवस एवं नववर्ष प्रतियोगिताओं में बेस्ट अचीवमेंट अवार्ड जीता है. इस प्रतियोगिता में किसी भी आयु के प्रतिभागी हिस्सा ले सकते थे. विवान ने तीन प्रथम पुरस्कार प्राप्त कर इस प्रतियोगिता में एक नया कीर्तिमान बनाया है.

शिक्षकों ने दी बधाई : इस प्रतियोगिता में विवान ने अपनी अद्भुत चित्रकला से जजों को अचंभित कर दिया. विवान जवाहर विद्या मंदिर श्यामली में कक्षा 3 का छात्र है. विवान की इस उपलब्धि पर स्कूल के प्राचार्य समरजीत जाना एवं सभी शिक्षकों ने भी बधाई दी है.

इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज : इससे पूर्व विवान ने सबसे कम उम्र में 129 पेंटिंग्स बनाने के लिए अपना नाम इंडिया बुक ऑफ़ रिकॉर्ड्स में दर्ज कराया था. विवान के गुरु और पिता धनंजय कुमार खुद भी प्रख्यात चित्रकार हैं और कलाकृति स्कूल ऑफ़ आर्ट्स के संस्थापक हैं. उन्होंने बताया कि विवान ने दो वर्ष की छोटी उम्र से ही पेंटिंग बनानी शुरू कर दी थी.

लॉकडाउन के समय का किया सदुपयोग

विवान छोटी सी उम्र से ही अपने पिता के मार्गदर्शन में चित्रकारी के गुर सीख रहा था. लॉकडाउन के समय का सदुपयोग कर विवान ने पेंटिंग्स बनाना शुरू किया. लगभग 150 से अधिक पेंटिंग्स बनाई है. विवान अबतक 100 से अधिक अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय, राज्य और जिला स्तर का पुरस्कार जीत चुका है. विवान की माता रजनी कुमारी ने बताया कि विवान पेंटिंग के अलावा एक्टिंग, रोल प्ले, कहानी वाचन, भाषण, कविता वाचन और पियानो में भी अपनी प्रतिभा से बड़े-बड़े मंच पर सबको चौंका देता है और पुरस्कार भी जीतता है.

This may be published in Newspapers and TV from the day follwbing the last date for withdrawal of candidature and upto two days before the date of poll.

Format C-I

(for Candidates to published in Newspaper, TV)

Declaration about criminal Cases

(As per the judgement dated 25th September, 2018 of Honble Superme Court of WT Civil No. 536 of 2011 (Public Interest Foundation & Ors Ex. Union of India & Otr.

Name and address of candidate : SRI RAM SINGH

Name of political party : INDEPENDENT

(Independent candidates should write *Independent* here)

Name of Election : LOK SABHA

*Name of Constituency : 4 CHATRA

I .... (Name of candidate), a candidate for the abovementioned election\, declare for public information the following details about my criminal antecedents :

(A Pending criminal cases

Sl. No.	Name of Court	Case No. and dated	Status of case(s)	Section(s) of Acts concerned and brief description of offence(s)
1	Principal Distt & Session Judge Garhwa, Jharkhand	S.T. No. 200/2019	Pending Trial	U/S 147, 148, 149, 341, 323, 337, 338, 353, 307, 338, 371, 511, 188 I.P.C and 126, 127 R. P. Act.

(B) Details about cases of conviction of criminal offences

Sl. No.	Name of Court & date(s) of order(s)	Description of offence(s) & Punishment imposed	Maximum Punishment Imposed
NIL	Not applicable	NIL	NIL

*In the case of election to Council of States or election to Legislative Council by MLAs, Mention the election concerned in place of name of constituency.

SRIRAM SINGH
(IMDEPENDENT CANDIDATE)
(Signature of Candidate)

डीएसपी के नेतृत्व में बेड़ो, लापुंग,नरकोपी और इटकी थाना पुलिस ने की संयुक्त कार्रवाई

छह पिकअप वैन में लदे 67 गोवंशीय पशुओं को कराया मुक्त

खास बातें

- मवेशियों को पुलिस ने बरामद कर कत्लखाना जाने से बचाया
- एक चालक जमील खान गिरफ्तार, शेष सभी फरार

सुनील कुमार गुप्ता। लापुंग

डीएसपी अखिल नीतिश कुजूर के नेतृत्व में बेड़ो, लापुंग, नरकोपी और इटकी थाना पुलिस के संयुक्त कार्रवाई से छह पिकअप वैन में ठूंस ठूंस कर लादकर कत्लखाना ले जाए जा रहे लगभग 67 गोवंशीय पशुओं को बरामद कर लिया गया. वहीं एक पिकअप वैन में लदे गोवंशीय पशुओं सहित पशु तस्कर भागने में सफल रहे. वहीं छह पिकअप वैन को पुलिस ने जब्त कर लिया है.

पिक-अप वैन में ठूंस- ठूंस कर लादा था

पिक-अप वैन में लदे गोवंशीय पशुओं को बेरहमी से ठूंस ठूंस कर लादकर ले जाया जा रहा था. पुलिस सूत्रों के अनुसार एक एक पिकअप वैन में 12 से 15 गोवंशीय पशुओं को लादा गया था. डीएसपी अखिल नीतिश कुजूर के नेतृत्व में बेड़ो थाना प्रभारी नकुल शाह सहित बेड़ो के सशस्त्र बल ने गोवंशीय पशु को तस्करी के लिए बाहर ले जाने की गुप्त सूचना के आलोक में लोहरदगा एवं रांची सहित गुमला जिले के बोर्डर पर रात के एक बजे राज विद्या केंद्र आश्रम के निकट घेराबंदी की थी. लेकिन छह अलग-अलग वाहनों में गोवंशीय पशुओं को ले जा रहे तस्कर तुको दिघिया की ओर मुड़कर भाग निकले लेकिन पुलिस की टीम पीछा करती रही. पशु तस्कर अचानक फिर दिघिया से ईटा चिल्दरी की ओर मुड़कर पुरनापानी के पास दोलैचा की ओर मुड़ गए. जंगल होते हुए तस्कर लापुंग थाना क्षेत्र के दोलैचा से ककरिया की ओर मुड़े. वहीं दोलैचा रोड ककरिया में थाना प्रभारी संतोष कुमार यादव मौके पर मौजूद थे.

बैरिकेटिंग कर पशु तस्करों को दबोचा

उन्होंने ककरिया के अंबाटोली के पास बैरिकेटिंग कर पशु तस्करों के पिकअप वैन को रोक लिया. लापुंग थाना प्रभारी संतोष कुमार यादव ने ककरिया के पास बैरिकेटिंग लगाकर पशु तस्करों को रोकने में कामयाब हो गए लेकिन वाहन छोड़कर पशु तस्कर भाग निकलने में सफल हो गए. लेकिन वाहन समेत लगभग 67 के लगभग पशुओं को पकड़ने में सफलता अर्जित किया. जिसमें से दो गायों की मौत हो गई. लापुंग के पशु चिकित्सक डॉ ज्ञानचन्द्र आर्य ने शेष गोवंशीय पशुओं का इलाज किया.

ग्रामीणों के बीच बांटे गये सभी मवेशी

लापुंग के थाना प्रभारी संतोष कुमार यादव ने ग्रामीणों की मदद से सभी पशुओं के लिए सूखा चारा और टैंकर से पानी का व्यवस्था किया. कोशिश की जा रही है कि और किसी भी गोवंशीय पशुओं की जान ना जाय. इस दौरान थाना के गेट पर गोवंशीय पशुओं को लेने के लिए सैकड़ों लोगों की भीड़ सुबह 10:00 बजे से शाम सात बजे तक जमा रही. अन्तत: देर शाम लगभग सात बजे के बाद जिम्मानामा लिखवाकर लापुंग के विभिन्न गांवों के किसानों के बीच गोवंशीय पशुओं का वितरण कर दिया गया. रात के एक बजे से चला पुलिस का आपरेशन सुबह पांच बजे तक जारी था.

युवक के गले में बेल्ट और पेचकस घोंपकर हत्या की

संवाददाता। बेड़ो

नरकोपी थाना क्षेत्र के करकरी फाटक के निकट 22 वर्षीय संजीत गोप पिता नारायण गोप की नृशंस हत्या कर दी गई. पुलिस सूत्रों के अनुसार हत्यारों ने संजीत के गले में बेल्ट गला में घोंपकर तथा पेचकस से गोद कर उसे मार डाला और शव को छुपाने की नियत से पुआल के गांज में छिपा दिया था. शव से मिलने वाली दुर्गंध से लोगों को शंका हुई तो उन्होंने पुलिस को सूचित किया. मृतक गोके गांव का रहने वाला था. पुलिस ने दावा किया है कि बहुत जल्द हत्यारों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा. मामले की गहराई से छानबीन चल रही है. मामला दर्ज कर लिया गया है. नरकोपी पुलिस के अनुसार एक अज्ञात व्यक्ति के शव के बारे में नरकोपी थाना प्रभारी को सूचना मिली थी, सूचना के सत्यापन के पश्चात उक्त व्यक्ति की पहचान संजीत गोप, पिता नारायण गोप, उम्र 22 वर्ष ग्राम गोके, थाना नरकोपी, जिला रांची का रहने वाले के रूप में किया गया. शव को नरकोपी पुलिस कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया है. शव के मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है.

खास बातें

- शव को पुआल के गांज में छुपाकर रखा दिया था
- नरकोपी थाना क्षेत्र के करकरी फाटक के पास की घटना

ब्रीफ खबरें

बुढ़मू में शिव मंडा पूजा को लेकर हुई बैठक

बुढ़मू। पिठोरिया थाना क्षेत्र के काटमकुली गांव में ग्रामीणों की बैठक समाजसेवी मोतीराम महतो की अध्यक्षता में हुई. बैठक में दो जून को गांव में मंडा पूजा का फुलखुन्दी अनुष्ठान व 3 जून को झूलन सह मेला आयोजित करने का निर्णय लिया गया. मंडा पूजा की सफलता को लेकर एक कमेटी का भी गठन किया गया. जिसमें अध्यक्ष सुरेंद्र महतो,सचिव मुकेश कुमार व कोषाध्यक्ष रामसुंदर महतो चुने गए. वहीं कमेटी में संरक्षक गणेश महतो,भुनेश्वर लोहरा,विकास मुंडा,रघुवीर महतो चुने गये. मौके पर दर्जनों ग्रामीण मौजूद थे.

मरीजों के बीच फाइलेरिया किट का किया वितरण

सिल्ली/मुरी। प्रखंड के लुपुंग पंचायत के लुपुंग टोला में सामुदायिक अस्पताल की ओर से फाइलेरिया मरीजों के बीच फाइलेरिया किट का वितरण किया गया. प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ मुकेश कुमार , मुखिया सीमा कुमारी गोंझु, जिला मलेरिया पदाधिकारी डॉ शाहिद करीम साबरी, वीडीबी राजकुमारी विद्योक्तमा, मलेरिया इंस्पेक्टर अनिल प्रसाद द्वारा इलाके के 12 फाइलारिया मरीजों के बीच एमएमडीपी किट का वितरण किया गया. फाइलेरिया ग्रस्त लोगों को फाइलेरिया किट इस्तेमाल करने की विधि तथा फाइलेरिया से बचाव की जानकारी दी गई. इस मौके पर सीएचसी से संजीव कुमार महतो, शशिभूषण चौबे, सुरेंद्रनाथ महतो, एएनएम सुनंदा जयसवाल एवं क्षेत्र की स्वास्थ्य सहिया मौजूद थी.

कल्याणपुर में भाजपा का चुनाव कार्यालय खुला

पिपरवार। भाजपा पिपरवार मंडल द्वारा कल्याणपुर में आगामी 20 मई भाजपा चतरा लोकसभा प्रत्याशी कालीचरण सिंह का चुनाव कार्यालय का उद्घाटन बुधवार को किया गया. चुनाव कार्यालय का विधिवत उदघाटन पूजा अर्चना कर टंडवा प्रखंड प्रमुख रीना कुमारी ने किया. चुनाव कार्यालय उद्घाटन के दौरान मंडल अध्यक्ष संजीव कुमार मिश्रा ने बताया कि यह कार्यालय कल्याणपुर, बहेरा एवं बेंती पंचायत में चुनाव प्रचार प्रसार के लिए खोला गया है. इस मौके पर प्रभारी विजय चौबे, प्रभारी गणेश गुप्ता मंडल अध्यक्ष संजीव कुमार मिश्रा, विक्की मलाकार बबीता देवी, अरूण उरांव, धनराज भोगता, राधवेन्द्र सिंह, प्रकाश महतो, गोलू केशरी, सहित कई कार्यकता मौजूद थे.

असम के सीएम ने भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में की चुनावी सभा

भ्रष्टाचार के मामले में झारखंड नंबर वन: हिमंत

- झारखंड में अभी से ही करें विधानसभा चुनाव की तैयारी

प्रमुख संवाददाता। रामगढ़/रांची

असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा है कि भ्रष्टाचार के मामले में झारखंड नंबर वन बन गया है. यहां नौकर के घर से 37 करोड़ कैश मिलता है. अगर ईडी-सीबीआई नहीं होती, तो कांग्रेस के सांसद के पास से 350 करोड़ रुपये कहां से मिलते. हमें ईडी-सीबीआई चाहिए, ताकि जिन लोगों के घरों में अभी भी अवैध रूप से अर्जित पैसा है, वह भी निकाला जाए.

सरमा बुधवार को रामगढ़ जिले के रजरप्पा स्थित आवासीय खेल मैदान में जनसभा को संबोधित कर रहे थे. इस दौरान उन्होंने हजारीबाग लोकसभा के भाजपा प्रत्याशी मनीष जायसवाल के पक्ष में वोट देने की अपील की. असम के सीएम ने बिना किसी का नाम लिये राज्य में हुए पेपर लीक प्रकरण पर भी चंपाई सरकार पर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि मैं जब मुख्यमंत्री बना, तो मोदी जी ने मुझसे कहा कि तुम्हें पहले साल में ही एक लाख नौकरियां देनी पड़ेंगी. मैंने एक साल में एक लाख नौकरियां दे दी, न पेपर लीक हुआ और ना ही कोर्ट में मामला फंसा. सरमा ने कहा कि देश को विश्वगुरु बनाने के लिए पीएम मोदी को जीताना है. यह भी कहा कि देश में यूसीसी लागू करने, ज्ञानवापी में मंदिर बनाने और युवाओं को रोजगार देने के लिए हमें 400 सीटें चाहिए.

देश में धर्म के आधार पर नहीं हो सकता आरक्षण : सरमा ने कहा कि कांग्रेस मुसलमानों को आरक्षण दे रही है. देश में धर्म के आधार के पर आरक्षण नहीं हो सकता है. झारखंड खनिज संपदाओं से भरा हुआ है. ये राज्य देश का नंबर वन प्रगतिशील राज्य बन सकता है. लेकिन भ्रष्टाचार के मामले में नंबर वन बन गया है. यहां के नेता खनिज संपदा खा रहे हैं.

युवाओं के उत्थान के लिए चाहिए डबल इंजन की सरकार

जहां भाजपा की सरकार, वहां हर तरह का विकास

असम के सीएम ने भाजपा व गैर भाजपा सरकार वाले राज्यों को लेकर तुलना करते हुए गठबंधन को आड़े हाथों लिया. उन्होंने कहा, जहां भाजपा की सरकार है, वहां सड़क, नाली, स्कूल सभी चीजों का विकास हो रहा है. जबकि जहां भाजपा की सरकार नहीं है, उस राज्य में भ्रष्टाचार व्याप्त है. कोई काम नहीं होता है. मोदी जी के नेतृत्व में हमें डबल इंजन की सरकार बनानी है. उन्होंने कहा कि झारखंड में युवाओं के उत्थान के लिए डबल इंजन की सरकार चाहिए. अभी से ही विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट जाएं. हमें करप्ट सीएम नहीं, बल्कि जनता की आवाज बनने वाला सीएम चाहिए.

मथुरा और काशी में मंदिर बनाने के लिए हमें चाहिए 400 पार सीटें

असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने गिरिडीह के देवरी प्रखंड में आयोजित चुनावी जनसभा में 400 पार के नारे की बड़ी वजह बताई. उन्होंने कहा पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार को वर्ष 2019 में 300 सीटें मिलीं, तो अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण कर प्राण प्रतिष्ठा की. अगर 400 सीटें होंगी, मथुरा में भगवान कृष्ण का मंदिर बनाएंगे और काशी में ज्ञानवापी मस्जिद की जगह भी मंदिर बनाएंगे.

हर बल्लेबाज पिछले से बड़ा रिकॉर्ड ही बनाना चाहता है

सरमा ने कहा कि एक बल्लेबाज जब मैदान में उतरता है, तो वह अपने पिछले रिकॉर्ड से बड़ा रिकॉर्ड बनाना चाहता है. एक बार सेंचुरी मारने के बाद उसकी चाहत होती है कि कि वह डबल सेंचुरी मारे. फिर ट्रिपल सेंचुरी मारने की भी उसकी इच्छा रहती है. पीएम त्रिपल सेंचुरी पिछले चुनावों में मारी थी. अब 400 से ज्यादा सीटें जीतना चाहते हैं. इतनी सी बात इंडिया गठबंधन को समझ में नहीं आती. सभा को सांसद दीपक प्रकाश, जमुआ विधायक केदार हाजरा और पूर्व आईजी लक्ष्मण प्रसाद सिंह ने भी संबोधित किया.

बिरसा उरांव ने ओरमांझी में चलाया प्रचार अभियान

ओरमांझी। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता डॉ बिरसा उरांव ने बुधवार को को प्रखंड क्षेत्र के सदमा पंचायत के होचई, टुनटुन, धकजीवन, सांति, आदि गांवों में प्रचार अभियान चलाया. इस दौरान भाजपा प्रत्याशी संजय सेठ को भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की. प्रदेश प्रवक्ता डॉक्टर बिरसा उरांव ने लोगों से अपील की कि आपका वोट एक-एक बहुमूल्य हैं इसलिए आप मतदान जरूर करें.अब रांची लोकसभा क्षेत्र वासियों को अपना बहुमूल्य वोट देकर संजय सेठ को भारी से भारी मतों से विजयी बनाना है. डॉ उरांव ने वोट का महत्व के बारे में विस्तार रूप से लोगों को बताया.

राहे में खुला एनडीए का चुनाव कार्यालय

राहे। प्रखंड के गोमदा चौक के समीप बुधवार को भाजपा - आजसू ने संयुक्त रूप में चुनावी कार्यालय का उद्घाटन किया. वक्ताओं ने देश हित में,देश को सशक्त देश, विकसित राष्ट्र बनाने के लिए देश में मोदी को प्रधानमंत्री बनाना जरूरी है. मोदी सरकार के लिए रांची संसदीय क्षेत्र से एनडीए प्रत्याशी संजय सेठ के मतदान करें और लोगों से भी कराये. मौके पर विधानसभा प्रभारी जितेंद्र पटेल, विधायक प्रतिनिधि संजय सिद्धार्थ, रोशनलाल मुंडा, बबलू खान, विनय महतो धीरज, रंगबहादुर महतो, चितरंजन महतो, महिला नेत्री रेखा देवी, मीरा महतो, मनीष मेहता, धनंजय महतो,शंकर भगत, वीरेंद्र महतो सहित भाजपा -आजसू के कार्यकर्ता मौजूद थे.

न्यूज अपडेट

पिपरवार में सीता नवमी महोत्सव का आयोजन

पिपरवार। तीन दिवसीय सीता नवमी महोत्सव बुधवार को पिपरवार में शुरू हो गया. वहीं सीता नवमी को लेकर पिपरवार क्षेत्र में विहिप,बजरंग दल,दुर्गा वाहिनी,मातृ शक्ति की बैठक हुई. सीता नवमी महोत्सव कार्यक्रम की अध्यक्षता पिपरवार मंडल विहिप सह बजरंग दल अध्यक्ष लक्ष्मण कुमार मंडल एवं संचालन पिपरवार बजरंग दल मंडल उपाध्यक्ष नंदकिशोर कुमार ने किया . कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विहिप हजारीबाग विभाग के मंत्री अनूप यादव,एवं विशिष्ट अतिथि चतरा जिला मंत्री सुधीर कुमार,चतरा जिला उपाध्यक्ष तारकेश्वर गुप्ता, चतरा जिला विद्यार्थी प्रमुख राजा कुमार मुख्य रूप से उपस्थित थे . इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से विहिप सह बजरंग दल अध्यक्ष लक्ष्मण कुमार मंडल, संरक्षक शंकर सिंह चेरों ,दुर्गा वाहिनी संयोजिका नीलु सिंह चेरो, सोनी कुमारी, ललिता कुमारी, पुती देवी,रेखा देवी, अश्विनी दाराद, मुरारी मोदी,विकास कुमार सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे.

शिव मंडा पूजा को लेकर बुंडू पंचायत में हुई बैठक

पिपरवार। बुंडू पंचायत में नौ जून को होने वाले शिव मंडा पूजा सह मेला के आयोजन को लेकर शिव मंदिर परिसर में बुधवार को ग्रामीणों की बैठक हुई. बैठक में बुंडू पंचायत में शिव मुंडा पूजा धूमधाम के साथ मनाने का निर्णय लिया गया.बैठक मे सर्वसम्मति से आगामी नौ जून की रात्रि फुलखूंदी और 10 जून की सुबह झूलन का अनुष्ठान व मेला आयोजित करने का निर्णय लिया गया.इसके अलावा 23 मई को डागर अनुष्ठान कराने का निर्णय लिया गया.बैठक में इसकी तैयारी को लेकर 23 मई को पुनः बैठक होगी. बैठक में मनोज कुमार,आनंद कुमार साव,धनेश्वर साव,कृष्ण गंझु, तुलसी तुरी,मोहन तुरी,तुलसी गंझु,देवचरण तुरी,नागेश्वर महतो, बबलू यादव,कमलेश ठाकुर,अर्जुन प्रजापति सहित काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे.

पर्यावरण बचाने को लेकर निकाली गई रैली

राहे। एसएसबी 26 वीं बटालियन के कमांडेंट के एसडी शेरखाने के निर्देशानुसार बुधवार को एसएसबी 26 वीं बटालियन ए कम्पनी सताकी कैंप के जवानों के द्वारा सताकी पंचायत के हाई स्कूल सताकी में पर्यावरण बचाव जागरूकता अभियान कार्यक्रम पर स्कूली बच्चों के बीच साईकिल रैली किया गया. कम्पनी कमांडर केएच हेमंत सिंह के द्वारा बताया कि कैसे पर्यावरण को बचाना है और भविष्य में क्या लाभ मिलेगी. विस्तार से स्कूल के बच्चों को बताया गया .इस अभियान में ए कम्पनी के कमांडर केएच हेमन्त सिंह के साथ सहायक उपनिरीक्षक तिलक राज,और जवान मौजूद थे.

जल संकट से जूझ रहे हैं बूढ़ाबेहरा गांव के लोग

सिल्ली/मुरी। सिल्ली प्रखंड के नागेडीह पंचायत के बूढ़ाबेहरा गांव के लोग काफी समय से विकट जल संकट से जूझ रहे है. इस गांव में सरकारी स्तर पर लगाए गए अधिकतर जलापूर्ति योजनाएं लगभग फेल हो गई है. नतीजा गांव के कई टोलों के लोगों को पीने के लिए दाडी एवं नहाने के लिए कुर्मी टोला एवं माझ टोला के समीप स्थित बदबूदार चेकडेम पर निर्भर रहना पड़ रहा है. गांव में बेल टोला एवं माझ टोला दो ऐसे टोले है. जहां पीने का कोई भी सरकारी जलस्रोत नहीं है. ग्रामीणों ने बताया कि इन टोलों के लोग चुआ और दाड़ी से पानी लाकर पीने को विवश है. माझ टोला के लोगों ने बताया कि टोला के 37 घरों के लोगों को करीब एक किमी दूर बेहरा दाढ़ी से पानी लाना पड़ता है.

चैंबर भवन में पूर्व केंद्रीय मंत्रियों के साथ परिचर्चा का आयोजन

संवाददाता। रांची

झारखंड राज्य में आर्थिक प्रगति के साथ ही अन्य विकासात्मक मुद्दों पर बुधवार को चैंबर भवन में परिचर्चा का आयोजन किया गया. परिचर्चा में मुख्य रूप से पूर्व केंद्रीय मंत्री सह सांसद (राज्यसभा) जयराम रमेश और पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय शामिल हुए.

चैंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री ने राज्य के व्यापार, उद्योग के विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करते हुए कई अहम निर्णयों जैसे भवन नियमितीकरण योजना को जल्द प्रभावी करने, राज्य में बंद पड़ी खदानों को खोलने, अभ्रक उद्योगों के रिवाइवल के लिए हस्तक्षेप करने, झारखंड में निफ्ट की स्थापना का प्रस्ताव केंद्र को भेंजने, खासमहल भूमि को फ्रीहोल्ड करने और प्रत्येक जिले में महिला मार्केट की स्थापना के लिए सरकार के स्तर पर हस्तक्षेप को जरूरी बताया. वहीं जयराम रमेश ने राज्य के विकास से जुडे मुद्दों पर अपने विचार साझा किये. सुबोधकांत सहाय ने झारखंड के चहुंमुखी विकास में व्यापार व उद्योग जगत की भूमिका को अहम बताया.

मौके पर रांची लोकसभा की कांग्रेस प्रत्याशी यशस्विनी सहाय भी उपस्थित थीं. परिचर्चा के आयोजन में झारखंड प्रोफेशनल कांग्रेस के आदित्य विक्रम जायसवाल ने अहम भूमिका निभाई. संचालन कार्यकारिणी सदस्य प्रवीण लोहिया, धन्यवाद ज्ञापन शैलेष अग्रवाल ने किया.

दसवीं टॉपर्स को किया गया सम्मानित

संवाददाता। बेड़ो

बेड़ो के विनय बगीचा स्थित डी ए वी विवेकानंद पब्लिक स्कूल में सीबीएसई दसवीं की वार्षिक परीक्षा में विद्यालय में उत्कृष्ठ उपलब्धि के साथ परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले मेधावी छात्र एवं छात्राओं को सम्मानित किया गया. परीक्षा में 80% से अधिक लाने वाले सभी छात्रों-छात्राओं को मोमेंटो मेडल्स और बुके देकर सम्मानित किया गया. परीक्षा में 93% लाकर स्कूल एवं बेड़ो प्रखंड की टॉपर रही साक्षी कुमारी को स्कूल प्रबंधन द्वारा मोमेंटो एवं पांच हजार एक सौ रुपया का प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित किया गया एवं 88% लाकर स्कूल की दूसरी टॉपर हाजरा प्रवीण और आकृति गुप्ता को मोमेंटो एवं इक्कीस-इक्कीस सौ रुपए प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित किया गया. बाकी सभी टॉपर बच्चों रिया कुमारी, साक्षी कुमारी, अमित कुमार, सुगंधा कुमारी, जुनी परवीन, जरा परवीन, दिव्यांश कुमार भगत, सृष्टि साहु को मोमेंटो एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया. कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा, ऐसे में धैर्य और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हुए उन्होंने कहा कि 11वी कक्षा में आराम नहीं करना है और न ही स्कूल छोड़ना है. उन्होंने छात्र - छात्राओं के माता पिता के साथ ही उनके शिक्षकों को भी इस उपलब्धि के लिए बधाई दी. और भविष्य में इससे भी बड़ी सफलता अर्जित करने के लिए शुभकामनाएं प्रदान की. इस दौरान मेरिट में शामिल टॉपर छात्र छात्राओं के माता पिता एवं शिक्षक शिक्षिकाएं क्रमशः श्रवण कुमार महतो, सविता, हंसिका, प्रियंका, अंजु, तारा अरूणिमा, निर्मला, आरती संदीप , विजय, रेयांशु रवि, गुलशन, रंजन और दिनेश सहित कई शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद थे .

पदभार ग्रहण

आईआईटी (आईएसएम), धनबाद के नए निदेशक ने पदभार संभाला, डीन के साथ की बैठक

प्रो. सुकुमार मिश्रा धनबाद में गढ़ेंगे विश्वस्तर के इंजीनियर

संवाददाता। धनबाद

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (इंडियन स्कूल आफ माइंस) धनबाद की नये निदेशक प्रो सुकुमार मिश्रा ने बुधवार को पदभार संभाल लिया. उन्होंने प्रबंधन अध्ययन और औद्योगिक इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. जेके पटनायक से पदभार लिया. प्रो. पटनायक एक जुलाई 2023 से संस्थान के कार्यवाहक निदेशक के रूप में सेवारत थे. पदभार संभालने के बाद प्रो मिश्रा ने संस्थान के प्रशासनिक भवन के कांफ्रेंस हॉल में सभी डीन के साथ बैठक की.

इस दौरान संबंधित विभाग डीन द्वारा प्रेजेंटेशन के माध्यम से संस्थान में चल रही गतिविधियों और भविष्य की योजनाओं का विवरण पेश किया गया. इसके बाद शाम में रजिस्ट्रार प्रमोद पांडेय के नेतृत्व में सभी अधिकारियों के साथ नए निदेशक की बैठक हुई. बता दें कि नए निदेशक प्रो. सुकुमार मिश्रा ने प्रशंसित शोधकर्ता एवं प्रभावी प्रशासक के तौर पर इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान बनाई है.

- इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में प्रो. मिश्रा की अलग पहचान
- डीन ने संस्थान में चल रही गतिविधियों का विवरण पेश किया

कई महत्वपूर्ण औद्योगिक परामर्श पर किए कार्य

प्रो मिश्रा इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग के दिल्ली अनुभाग के कार्यकारी समिति के सदस्य के रूप में भी काम कर रहे हैं. उनकी शोध विशेषज्ञता पावर सिस्टम, पावर क्वालिटी स्टडीज, रिन्यूएबल एनर्जी व स्मार्ट ग्रिड विद्युत प्रणाली के क्षेत्र में है. उन्होंने टाटा पावर, माइक्रोटेक और अन्य कंपनियों के साथ कई महत्वपूर्ण औद्योगिक परामर्श पर भी कार्य किए हैं.

प्रो. मिश्रा को उत्कृष्ट योगदान के लिए मिल चुके हैं कई पुरस्कार

प्रो. सुकुमार मिश्रा को कई पुरस्कार मिल चुके हैं. इनमें उड़ीसा विज्ञान अकादमी द्वारा यंग साइंटिस्ट अवार्ड (1999), यंग साइंटिस्ट के लिए आईएनएसए यंग इंजीनियरिंग अवार्ड (2002), आईएनएसई सिल्वर जुबली यंग इंजीनियर अवार्ड (2012), दो सामान्य चंद्रशेखर पुरस्कार (2016), विमल बोस पुरस्कार (2019), एनएएसआई रिलायंस प्लेटिनम जुबली पुरस्कार (2019), राष्ट्रीय मिशन इनोवेशन चैंपियन पुरस्कार (2019), इनोवेशन लीडरशिप अवार्ड (2023), केएल चोपड़ा अप्लाइड रिसर्च अवॉर्ड (2023) सहित अन्य उल्लेखनीय है. उन्हें आईएनएई- एनसीआरबी डीएसटी अब्दुल कलाम टेक्नोलॉजी इन्नोवेशन नेशनल फैलोशिप एनएएसआई (भारत), आईएनएई (भारत), आईईटी (यूके), आईईटीटीई (भारत), आईई (भारत) से फेलोशिप भी प्रदान की गई है.

गढ़वा में पीठासीन पदाधिकारी हुए गिरफ्तार, भेजे गए जेल

संवाददाता। धुरकी (गढ़वा)

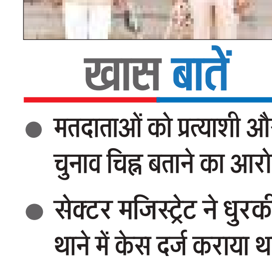

खास बातें

- मतदाताओं को प्रत्याशी और चुनाव चिह्न बताने का आरोप
- सेक्टर मजिस्ट्रेट ने धुरकी थाने में केस दर्ज कराया था

लोकसभा चुनाव के दौरान मतदाताओं को प्रत्याशी एवं चुनाव चिह्न बताने के आरोप में धुरकी थाना पुलिस ने एक पीठासीन पदाधिकारी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. इस संबंध मे जानकारी देते हुए थाना प्रभारी उपेंद्र कुमार ने बताया कि गत 13 मई को लोकसभा चुनाव के चौथे चरण केमतदान के दिन पलामू लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत सगमा प्रखंड क्षेत्र के सोनडीहा दक्षिण में बूथ संख्या 367 पर जिले के डंडा थाना निवासी जयनाथ चौधरी बतौर पीठासीन पदाधिकारी कार्यरत थे.

उन्हें मतदान के क्रम में अपने कर्तव्य का निर्वहन ठीक से नहीं करने तथा मतदाताओं को ईवीएम मशीन में वोट देने के लिए प्रत्याशी सहित चुनाव चिह्न बताने का आरोपी पाया गया है. इस संबंध में सेक्टर मजिस्ट्रेट सरोज कुमार ने धुरकी थाना में उक्त पीठासीन पदाधिकारी के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई थी.

राजनेता और भ्रष्टाचार...

चोली दामन का नाता

रांची/ प्रवीण कुमार। झारखंड में राजनेताओं और भ्रष्टाचार का चोली-दामन का नाता रहा है. मुख्यमंत्री रहते मधु कोड़ा पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे. केस में फंस गये. आखिरकार जेल जाना पड़ा. कालांतर में उनकी कैबिनेट में मंत्री रहे एनोस एक्का, हरिनारायण राय, कमलेश सिंह, बंधु तिर्की पर भी आरोप लगे. जेल भी जाना पड़ा. कुछ को सजा हुई, तो कुछ को बेल मिली. आज की तारीख में कई ऐसे भी राजनेता हैं, जिन पर लगे आरोपों की जांच चल ही रही है.ईडी ने झारखंड के कई राजनेताओं की संपत्ति भी जब्त कर ली है. आज ईडी का जोनल ऑफिस जिस भवन में चल रहा है, वह सजायाफ्ता पूर्व मंत्री एनोस एक्का का मकान है, जिसे ईडी ने जब्त कर लिया है. राज्य के लगभग एक दर्जन नेताओं पर भ्रष्टाचार, आय से अधिक संपत्ति के आरोप लगे, कुछ को सजा भी हुई. लेकिन ईडी-सीबीआई और राज्य सरकार की एजेंसियों की लगातार चल रही छापेमारी और कार्रवाई के बावजूद राज्य में भ्रष्टाचार दिनों दिन बढ़ता ही जा रहा है और राजनेता लगातार इसकी चपेट में आ रहे हैं.

भ्रष्टाचार के आरोप में मधु कोड़ा को जाना पड़ा था जेल

2006 से 2008 तक यूपीए के साथ गठबंधन सरकार चलाने वाले मधु कोड़ा को भी भ्रष्टाचार के आरोपों में जेल जाना पड़ा था. उन पर मनी लॉन्ड्रिंग और आय से अधिक संपत्ति के आरोप लगे थे. कोड़ा कथित तौर पर माइनिंग घोटाले में शामिल होने का आरोप था. सीबीआई और ईडी ने आरोप लगाया कि कोयला खदानों के आवंटन के बदले कोड़ा ने सीएम रहते रिश्वत ली थी. 2009 में गिरफ्तारी के बाद कोड़ा को 2013 में जमानत मिली. 2017 में उन्हें दोषी करार दिया गया और 25 लाख जुर्माने के साथ तीन साल की सजा सुनायी गयी. उन्हें हवाला लेनदेन के चार और केस के साथही आय से अधिक संपत्ति मामले में भी दोषी करार दिया गया था.

शिक्षा मंत्री रहे बंधु तिर्की को भी गंवानी पड़ी थी विधायकी

कोड़ा मंत्रिमंडल में शिक्षा मंत्री रहे बंधु तिर्की पर आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप में सीबीआई ने 11 अगस्त 2010 को प्राथमिकी दर्ज की थी. सीबीआई ने अवैध संपत्ति को लेकर मई 2005 से 30 जून 2009 तक की अवधि कोअलग मानते हुए जांच शुरू की. इस दौरान सीबीआई ने बंधु तिर्की की आय 13 लाख 37 हजार रु आंकी. तिर्की जेल भी जाना पड़ा था. आय से अधिक संपत्ति मामले बंधु तिर्की को सीबीआई की विशेष अदालत ने दोषी ठहराया है. कोर्ट ने उन्हें तीन साल की सजा सुनाई है. सीबीआई कोर्ट ने प्रीवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट 13(2)13(1) 13 (3) धाराओं में दोषी करार देते हुए तीन साल की सजा, तीन लाख रुपये का जुर्माना लगाया है. जिसके कारण बंधु को विधायकी भी गंवानी पड़ी.

पूर्व मंत्री भानुप्रताप शाही पर ये लगे हैं बड़े आरोप

मुख्यमंत्री मधु कोडा के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल में भानुप्रताप शाही स्वास्थ्य और श्रम मंत्री थे. ईडी और सीबीआई ने आरोप लगाया था कि उन्होंने 2005-09 के बीच अपने पद का दुरुपयोग करते हुए अवैध संपत्ति बनायी. ईडी ने आरोप लगाया था कि झारखंड में 2005-2009 के दौरान विधायक और कैबिनेट मंत्री रहने के दौरान शाही अपने रिश्तेदारों और अन्य के साथ धनशोधन की गतिविधि में संलिप्त थे. उन्होंने सोनांचल बिल्डकॉन प्राइवेट लिमिटेड और अंगेश ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड के जरिए अवैध तौर पर 7,97,96,888 रुपये की संपत्ति अर्जित की. ईडी ने पूर्व में गाजियाबाद, गुरुग्राम और रांची में शाही से जुड़ी 15 अचल संपत्ति को जब्त करने की कार्रवाई की थी.

हरिनारायण राय को आय से अधिक संपत्ति मामले में सजा मिली

कोड़ा सरकार में मंत्री रहे हरिनारायण राय पर भी भ्रष्टाचार और आय से अधिक संपत्ति का आरोप साबित हुआ. सीबीआई कोर्ट ने 2016 में उन्हें पांच साल की सजा सुनाई थी और 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया था. उन्होंने इस फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की, लेकिन हाईकोर्ट ने भी इस फैसले को बरकरार रखा.

पूर्व मंत्री कमलेश सिंह को भी मनी लॉन्ड्रिंग केस में जाना पड़ा था जेल

कोड़ा सरकार में ही मंत्री रहे कमलेश सिंह के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के मामले चल रहे हैं. उन्हे भी जेल जाना पड़ा है. कमलेश सिंह, उनकी पत्नी मधु सिंह समेत पांचों पर 5.83 करोड़ रुपये का मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप है. प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 10 अक्तूबर 2009 को उनके व परिवार के सदस्यों के खिलाफ मुकदमा (ईसीआईआर 02/09) दर्ज किया था. मामले की जांच में दामाद, बेटी और बेटा का नाम भी आया था.

कृषि मंत्री रहते नलिन सोरेन पर भी लगा है गबन का आरोप

मंत्री रहते 46 करोड़ की राशि के गबन से जुड़ा मामले में राज्य के पूर्व कृषि मंत्री नलिन सोरेन को एसीबी ने आरोपी बनाया था. इस मामले में सोरेन के साथ पूर्व कृषि निदेशक निस्तार मिंज, उमेश गुप्ता, महेश जी सेठी और अमरनाथ डालमिया को भी नामजद आरोपी बनाया गया है. इन लोगों के खिलाफ वर्ष 2013 में एसीबी रांची की टीम ने मुकदमा दर्ज किया था. आरोप है कि वर्ष 2007 से 2008 की अवधि में इनलोगों ने षड्यंत्र के तहत 4.94 करोड़ रुपये की सरकारी राशि का गबन कर लिया था. बताया गया कि जिस राशि का गबन किया गया था, वह कृषि विभाग और राष्ट्रीय बागवानी मिशन कार्यक्रम के तहत राज्य सरकार द्वारा आवंटित की गई थी. हालांकि मामले की जांच अभी चल ही रही है. हालांकि आरोप लगने के बाद पूवर्व कृषि मंत्री को जेल भी जाना पड़ा था.

एनोस एक्का को 20.31 करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग केस में मिल चुकी है सजा

कोड़ा सरकार में रहे मंत्री एनोस एक्का को भी प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) कोर्ट ने 20 करोड़ 31 लाख 77 हजार 852 रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दोषी करार दिया था. इससे पहले सीबीआई की विशेष अदालत ने आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के जुर्म में 26 फरवरी 2020 को एनोस को 7 वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुना चुकी है. इसके बाद अक्तूबर 2009 में मनी लॉन्ड्रिंग का मुकदमा दर्ज किया गया था. कोर्ट में मामले की सुनवाई के दौरान ईडी की टीम ने आरोपी एनोस द्वारा खरीदी गई अचल संपत्ति से जुड़े 116 बिक्री पट्टों को अदालत में चिह्नित कराया था और उनकी कई संपत्ति सीज कर ली थी. एनोस को हत्या मामले में भी मिली है उम्रकैद की सजापूर्व मंत्री एनोस एक्का को 2014 में पारा शिक्षक मनोज कुमार की हुई हत्या के मामले में उम्र कैद की सजा सुनायी गयी है. झारखंड हाईकोर्ट ने सितंबर 2019 में उन्हें जमानत दी थी.

बीज खरीद घोटाला में आरोपी हैं मंत्री सत्यानंद भोक्ता, 2013 में साक्ष्य मिला, तो आये लपेटे में

झारखंड सरकार के मौजूदा श्रम मंत्री एवं पूर्व में कृषि रहे मंत्री सत्यानंद भोक्ता से जुड़े कृषि बीज खरीद घोटाला मामले में झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई चल रही है. झारखंड सरकार में पूर्व में रहे कृषि मंत्री सत्यानंद भोक्ता पर वर्ष 2009 में बीज खरीद घोटाला का आरोप लगा है. मंत्री भोक्ता के खिलाफ वर्ष 2009 में एसीबी थाने में बीज घोटाला को लेकर एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी. उसमें वर्तमान श्रम मंत्री और तत्कालीन कृषि मंत्री रहे सत्यानंद भोक्ता नामजद आरोपी नहीं थे. लेकिन इस केस के अनुसंधान के दौरान एसीबी ने वर्ष 2013 में सत्यानंद भोक्ता के खिलाफ साक्ष्य पाए जाने का कारण बताते हुए उन्हें भी इस मामले में आरोपी बनाया था. जिसे सत्यानंद भोक्ता ने झूठा बताते हुए निचली अदालत में आवेदन दिया था. लेकिन इस आवेदन को निचली अदालत ने खारिज कर दिया था. वर्ष 2022 में सत्यानंद भोक्ता ने निचली अदालत में मामले की जांच कराने के लिए पुनः आवेदन दिया था, इसे निचली अदालत ने फिर से खारिज कर दिया था. उसके बाद इस मामले में हाईकोर्ट में अपील दायर कर चुनौती दी गई थी.

वर्ष 2009 के बीज घोटाला में भी आरोपी हैं पूर्व मंत्री

आरोपी पूर्व कृषि मंत्री के खिलाफ वर्ष 2009 में भी बीज घोटाला को लेकर मामला दर्ज किया गया था. इस मामले में पूर्व कृषि मंत्री नलिन सोरेन को एक साल से ज्यादा जेल में भी रहना पड़ा था. इसके बाद उन्हें जमानत मिली थी. यह मामला 46 करोड़ की राशि के गबन से जुड़ा था. मामले की सुनवाई एसीबी के विशेष कोर्ट में जारी है.

सफरनामा : गिरफ्तार हुए ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम पर झारखंड विधानसभा में नियुक्ति घोटाला के आरोप भी लगे थे

1978 में सरपंच का चुनाव जीतने के साथ ही चाचा की राजनीतिक विरासत संभाली

पाकुड़ से मनोज

रांची में करोड़ों रुपये की बरामदगी के बाद से झारखंड सरकार के मंत्री आलमगीर आलम चर्चा में थे. आखिरकार ईडी ने उन्हें अपनी गिरफ्त में ले ही लिया. ह सरकार में ग्रामीण विकास मंत्री रहते आलम गिरफ्तार हुए हैं. करोड़ों रुपये की बरामदगी मामले में गिरफ्तारी के बाद से चर्चा थी सारे रुपये मंत्री के ही हैं. ईडी की पूछताछ में मंत्री आलम फंसे तो फंसते ही चले गए. इसी वजह से लोग उनके बारे में जानना चाहते हैं. मंत्री आलमगीर आलम का जन्म साल 1954 में साहिबगंज जिला के बड़हरवा प्रखंड के इस्लामपुर गांव में हुआ था. उन्होंने बीएससी तक की पढ़ाई की है. उनके पिता का नाम स्व सनाउल हक और माता का नाम अमीना खातून है. पत्नी निशांत आलम के अलावा बेटा तनवीर आलम और एक बेटी है. आलमगीर आलम के दो भाइयों में से एक की मौत कोरोना काल में हो गई थी. आलमगीर आलम पुश्तैनी जमींदार परिवार से आते हैं. उनकी बहुत सारी जमीन है. आलमगीर आलम के बेटे की शादी पश्चिम बंगाल में हुई है. बताया जाता है कि इनके समधी बीड़ी के बहुत बड़े कारोबारी हैं.

आलमगीर आलम ने अपने राजनीतिक कॅरियर की शुरुआत वर्ष 1978 में की थी. तब उन्होंने अपने गृह पंचायत महारजपुर से सरपंच का चुनाव जीता था. उनकी एक साईकिल की दुकान थी, जहां वह बैठा करते थे. अपने चाचा हाजी ऐनुल हक, जो 1995 पहले कांग्रेस के विधायक हुआ करते थे, उनके साथ रह कर कांग्रेस की राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाया करते थे. इस कारण उनके चाचा हाजी ऐनुल हक ने वर्ष 1995 में आलमगीर आलम को अपना उत्तराधिकारी बनाते हुए कांग्रेस के टिकट पर पाकुड़ विधानसभा का प्रत्याशी बनाया. इस चुनाव में आलमगीर आलम भाजपा के बेनी प्रसाद गुप्ता से हार गए. वर्ष 2000 में जब झारखंड का अलग राज्य नहीं बना था, एकीकृत बिहार में चुनाव लड़े और जीत दर्ज की. तब एकीकृत बिहार में आलमगीर आलम को लघु सिंचाई मंत्री बनाया गया था. अलग झारखंड बनने के बाद वर्ष 2005 में चुनाव लड़े और पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र से जीत दर्ज की. 20 अक्टूबर 2006 से 12 दिसंबर 2009 तक झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष रहे. उनके कार्यकाल में ही विधानसभा में नियुक्ति घोटाला हुआ. वर्ष 2009 के विस चुनाव में झामुमो प्रत्याशी अकील अख्तर से आलमगीर को हार का सामना करना पड़ा. वर्ष 2014 में फिर से आलमगीर जीते. वर्ष 2019 के चुनाव में भी जीते, तो ग्रामीण विकास मंत्री बने थे.

एआई की ताकत और चुनौतियां

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के पास असीम ताकत है तो चुनौतियां भी कम नहीं हैं. भले ही इसको लेकर दुनिया में तमाम तरह की शंकाएं हों, लेकिन एक बात तय है कि आने वाले वक्त में यह क्रांतिकारी बदलावों की वाहक बनने जा रही है. यह लगातार नई ताकतवर तकनीकों को जन्म दे रही है. इसी कड़ी में एआई तकनीक की गुणवत्ता से लैस सर्च इंजन के सामने आने की बात कही जा रही है. कहा जा रहा है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से संचालित यह सर्च इंजन कालांतर गूगल के सर्च इंजन की बादशाहत को चुनौती दे सकता है. ओपनएआई द्वारा निर्मित इस सर्च इंजन की कभी भी घोषणा की जा सकती है. बताया जाता है कि इस कार्य में ओपनएआई ने बड़ी संख्या में गूगल के विशेषज्ञों को इस प्रोजेक्ट के लिए अपने अभियान में शामिल किया है. निश्चित रूप से इसके सक्रिय होने से कई तरह के बदलाव देखने में आएंगे. दरअसल, इस सर्च इंजन को लेकर इसलिए भी उम्मीदें बढ़ चुकी हैं, क्योंकि ओपनएआई का दूसरा उपक्रम चैटजीपीटी पहले ही दुनिया में धूम मचा चुका है. इसकी सफलता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि वर्ष 2022 के अंत में शुरू हुए चैटजीपीटी के अब तक दुनियाभर में दस करोड़ मासिक उपयोग करने वाले हैं. कहा जा रहा है कि ओपनएआई के नये सर्च इंजन के अस्तित्व में आने से चैटजीपीटी की क्षमताओं का भी विस्तार होगा. यह माइक्रोसॉफ्ट समर्थित ओपनएआई की नई कामयाबी होगी, जिससे कालांतर ज्ञान की तलाश में इंटरनेट पर सर्च इंजन का प्रयोग करने वाले जिज्ञासुओं को सटीक जानकारी मिल सकेगी. निश्चित रूप से सर्च इंजन से मिलने वाली जानकारी महज तकनीकी नहीं होनी चाहिए. अब चाहे मूल पाठ हो या अनुवाद उसमें मौलिकता की महक होनी ही चाहिए. निश्चित रूप से जानकारी तार्किक होने के साथ ही आसान भी होनी चाहिए. ऐसे में आने वाले समय में इंटरनेट जगत में नए एआई आधारित सर्च इंजन से नई क्रांति की उम्मीद की जा रही है. दुनिया में सबसे युवा और प्रतिभाओं के देश भारत को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस संचालित व्यवस्था में अपनी पकड़ बनाने के लिए नई पहल करनी होगी. अमेरिकी कंपनियों माइक्रोसॉफ्ट, गूगल आदि तमाम कामयाब कंपनियों में भारतीय मेधा अपना परचम लहरा रही है. इन्हीं कंपनियों के उत्पाद भारत का आर्थिक दोहन कर रहे हैं. निस्संदेह, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के अपने खतरे हैं. हमारा मुकाबला एक ताकतवर तकनीक से है. विकास के लिए इसकी जरूरत भी है, लेकिन इसके खतरों से भी सावधान रहने की जरूरत है. भविष्य में ताकतवर देशों द्वारा इसके दुरुपयोग की संभावनाएं भी कम नहीं हैं. ऐसे में सावधानी के साथ इस दिशा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ कदमताल करने की भी है. लेकिन बाजार इसका उपयोग हमारे दोहन के लिए न कर सके. इसके नियमन के लिए सख्त कानून लाये जाने की जरूरत है, ताकि आम लोगों के हितों की रक्षा हो सके. यह ऐसी आग व ऊर्जा है, सावधानी से उपयोग करें तो बेहद उपयोगी है, लापरवाही हो तो बहुत घातक भी है. सरकारों को मौजूदा व्यवस्था में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के खतरों के प्रति चिंतित भी होना चाहिए. इसके नियमन के लिए सख्त कानून बनाये जाने चाहिए.

निश्चित रूप से इसके सक्रिय होने से कई तरह के बदलाव देखने में आएंगे. दरअसल, इस सर्च इंजन को लेकर इसलिए भी उम्मीदें बढ़ चुकी हैं, क्योंकि ओपनएआई का दूसरा उपक्रम चैटजीपीटी पहले ही दुनिया में धूम मचा चुका है.

सुभाषित

विद्या रूपं कुरूपाणां क्षमा रूपं तपस्विनाम् ।
कोकिलानां स्वरो रूपं स्त्रीणां रूपं पतिव्रतम् ॥

विद्या में वह गुण होता है कि यदि वह कुरूप को मिल जाये तो वह रूपवान बन जाता है. यानी विद्या कुरूपों का भी रूप है. वहीं तपस्वी का रूप क्षमा होती है. जिस तपस्वी के पास क्षमा न हो, उसका तप निरर्थक है. कोयल का रूप उसका मधुर स्वर और नारियों का रूप पातिव्रत्य है.

चुनावी राजनीति और भ्रामक प्रचार

चौथे चरण की वोटिंग से ठीक पहले प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद ने भारत की 'जनसंख्या में अल्पसंख्यकों की हिस्सेदारी' पर एक वर्किंग पेपर जारी किया, जिसकी मंशा की चौतरफा आलोचना की जा रही है. सवाल उठता है कि क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने अपने कार्यकाल के दौरान कोई ऐसा काम नहीं किया, जिसके आधार पर वे मतदाताओं से लगातार तीसरा मौका मांग सके? या भाजपा यह मानती है कि बेराजगारी, महंगाई जैसे मुद्दों को छोड़कर जनता बार-बार उसके निरर्थक बातों पर भरोसा कर लेगी?

लोकसभा चुनाव चौथा चरण पार कर चुका है. इसके साथ ही करीब चार सौ सीटों पर मतदाताओं ने प्रत्याशियों की किस्मत का फैसला कर दिया है. वहीं अंतिम तीन चरणों के लिए राजनीतिक दल अपने-अपने तरीके से जनादेश को अपने पक्ष में करने का प्रयास कर रहे हैं. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की अगुवाई वाले भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन (इंडिया) ने जहां सामाजिक न्याय और संविधान को अपने प्रचार अभियान के केंद्र में रखा है, वहीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) मुद्दाविहीन दिखाई दे रहा है. सत्तारूढ़ दल भाजपा दस साल की अपनी उपलब्धियां देश के सामने रखने के बजाय अपने चिरपरिचित अंदाज में सांप्रदायिक कार्ड जमकर खेल रही है. इसी कड़ी में चौथे चरण की वोटिंग से ठीक पहले प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) ने भारत की 'जनसंख्या में अल्पसंख्यकों की हिस्सेदारी' पर एक वर्किंग पेपर जारी किया, जिसकी मंशा की चौतरफा आलोचना की जा रही है. सवाल उठता है कि क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने अपने कार्यकाल के दौरान कोई ऐसा काम नहीं किया, जिसके आधार पर वे मतदाताओं से लगातार तीसरा मौका मांग सकें? या भाजपा यह मानती है कि बेराजगारी, महंगाई जैसे मुद्दों को दरकिनार कर जनता बार-बार उसके भ्रामक प्रचार पर भरोसा कर लेगी?

ईएसी-पीएम ने 'शेयर ऑफ रीलिजियस माईनॉरिटीज : ए क्रॉस कंट्री एनालिसिसिस (1950-1915)' शीर्षक से जो रिपोर्ट जारी की है, वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भाजपा की ओर से वर्षों से चलाए जा रहे इस नैरेटिव (कहानी) से मिलती-जुलती लगती है, जिसमें बहुसंख्यकों के मन-मस्तिष्क में अल्पसंख्यकों से 'गंभीर खतरे' की बात बैठाई जा रही है. पेपर में दावा किया गया है कि 1950 की तुलना में हिंदुओं की आबादी 7.2 प्रतिशत घटी है, जबकि मुसलमानों की आबादी में 43.15 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है. रिपोर्ट यह भी बताती है कि भारत में सिर्फ मुसलमानों की ही आबादी नहीं बढ़ी है, बल्कि ईसाइयों और सिखों की संख्या में भी क्रमशः 5.38 व 6.58 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है. ऐसे ही बौध धर्म को मानने वालों की आबादी का भी देश की कुल जनसंख्या में हिस्सा बढ़ा है. चिंताजनक पहलू यह है कि इसकी आड़ में भाजपा और उसका समर्थक मीडिया द्वारा चुनावी लाभ के लिए बहुसंख्यकों में भय और सनसनी फैलाने की कोशिश की जा रही है. मुस्लिम आबादी में वृद्धि को उजागर करने के लिए इन आंकड़ों का सुविधाजनक चित्रण किया जा रहा है. लेकिन जानकार इस रिपोर्ट की आलोचना करते हुए इसके निष्कर्ष को आधारहीन बता रहे हैं. दरअसल, सच यह है कि आखिरी जनगणना 2011 के अनुसार बीते तीन दशकों में मुसलमानों की जन्म दर घटी है. 1981-91 के दौरान मुसलमानों में जन्म दर 35.9 प्रतिशत थी, जो 2001-11 में 24.6 रह गई है. हिंदुओं की तुलना में यह गिरावट अधिक है. इसी समय अवधि में हिंदुओं की जन्म दर 22.7 से घटकर 16.8 प्रतिशत हो गई है. इस तरह सभी धर्मों को मानने वाले समूहों में कुल प्रजनन दर घट रही है. आंकड़ों के अनुसार 2006 से 2019-21 के बीच इसमें सबसे अधिक एक प्रतिशत मुसलमानों और हिंदुओं में 0.7 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है.

• देश-काल

आलोक रंजन झा 'दिनकर'

किसी भी लोकतंत्र का मूल्यांकन इस आधार पर किया जाता है कि वहां के अल्पसंख्यकों के साथ किस तरह का व्यवहार किया जाता है. ऐसे में ईएसी-पीएम की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में अगर जैन और पारसी को छोड़कर सभी धार्मिक अल्पसंख्यक समूहों की आबादी में बढ़ोतरी हुई भी है तो भयभीत होने की जगह इस पर गर्व करना चाहिए कि हमने एक समाज के रूप में बीते 70 वर्षों के दौरान ऐसा वातावरण बनाकर रखा, जिसमें सभी को फलने-फूलने का समान अवसर मिला. एक लोकतांत्रिक देश के लिए इससे बड़ी उपलब्धि और क्या हो सकती है. चिंताजनक बात तो तब होती, जब कुल आबादी में अल्पसंख्यकों की हिस्सेदारी घट जाती. लेकिन यह रिपोर्ट पूर्वाग्रह से ग्रसित होकर भ्रामक बात करती है और कहती है कि भारत ही नहीं, संपूर्ण दक्षिण एशिया में बहुसंख्यकों की आबादी में सर्वाधिक गिरावट भारत में आई है. इसके बाद म्यामांर का नंबर आता है. वहीं बांग्लादेश, पाकिस्तान, श्रीलंका, भूटान और अफगानिस्तान जैसे देशों में अल्पसंख्यक आबादी चिंताजनक रूप से घट गई है.

आम समझ है कि प्रजनन दर का संबंध शिक्षा और आय से है, धर्म से नहीं. यह तथ्य है कि जिन समूहों और राज्यों में शिक्षा और स्वास्थ्य एवं सामाजिक और आर्थिक विकास की स्थिति अच्छी है, वहां प्रजनन दर कम है. उदाहरणस्वरूप, केरल की मुसलमान महिलाओं में प्रजनन दर (2.25) बिहार की हिंदू महिलाओं (2.88) से कम है. यह सही है कि भारत की जनसंख्या 1.40 करोड़ हो गई है और इसके अगले कुछ वर्षों में चीन को पीछे छोड़ने की संभावना है. इस पर एक हद तक नियंत्रण पाना भी जरूरी है, लेकिन इस पर कोई बात नहीं कर एक गंभीर विषय को सुविधा के अनुसार उठाया और पेश किया जा रहा है. ऐसे में जरूरी है कि प्रधानमंत्री मोदी और उनकी पार्टी अपने 10 साल के कार्यकाल का रिपोर्ट कार्ड जनता के समक्ष रखें. जनसंख्या पर नियंत्रण के लिए महिला सशक्तीकरण और शिक्षा जैसे मुद्दों पर ठोस कार्यक्रम प्रस्तुत करें और देशहित में समाज को 'सांप्रदायिकता की आग' में झोंकने वाली रिपोर्ट जारी करने से बचें.

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

सरलता की महत्ता

किसी समय वाणिज्य नामक शहर में आनंद नामक व्यापारी रहता था. वह अपार धन संपदा का स्वामी था तथा राजा भी उसका सम्मान करता था. एक बार उस शहर में भगवान महावीर स्वामी पधारे. आनंद भी उनके प्रवचन को सुनने पहुंचा. भगवान के प्रवचन को सुनकर उसने श्रावक धर्म स्वीकार कर लिया. चौदह वर्ष तक श्रावक धर्म का पालन करने के पश्चात, उसने सारे सांसारिक कार्यों से विरक्त होने का निश्चय किया. उसने अपने पुत्रों को अपने व्यापार तथा परिवार की जिम्मेदारी सुपुर्द करते हुए कहा, 'अब उसके धर्मध्यान में किसी तरह का व्यवधान न डाला जाए.' इस प्रकार वह अपना शेष जीवन धर्मध्यान में व्यतीत करने लगा. धर्म का आचरण करते हुए उसे 'अवधिज्ञान' की प्राप्ति हो गई. कुछ समय पश्चात् वहां, भगवान महावीर का पुनः पधारना हुआ. जब उनके शिष्य गौतम स्वामी गोचरी के लिए शहर में भ्रमण कर रहे थे, उन्होंने आनंद के गिरते हुए स्वास्थ्य एवं उसके 'अवधिज्ञान' प्राप्ति के बारे में सुना तो उनसे मिलने का निश्चय किया. स्वयं गौतम स्वामी को अपने घर आया देख आनंद बड़ा प्रसन्न हुआ. उन्होंने विवशता में बिस्तर पर लेटे लेटे ही गौतमस्वामी का वंदन किया. चर्चा के मध्य आनंद ने गौतम स्वामी को बताते हुए कहा कि वह बारहवें देवलोक तक देख सकता है. अवधिज्ञान का विस्तार जान गौतमस्वामी को संशय हुआ. गौतम स्वामी बोले, गृहस्थ को अवधिज्ञान होना तो संभव है, किन्तु वह इतनी दूर तक नहीं देख सकता. तुम्हारा यह कहना असत्य संभाषण है. तुम्हें सत्य व्रत को खण्डित करने के लिए, अर्थात् असत्य बोलने के लिए प्रायश्चित लेना चाहिए. यह सुनकर आनंद अचम्भित हो गए, वे जानते थे, वे सत्य बोल रहे हैं. उन्होंने भगवान महावीर के प्रधान गणधर गौतम स्वामी से निवेदन किया, 'हे भगवन ! क्या सत्य बोलने पर भी प्रायश्चित किया जाना आवश्यक है?' यह सुनते ही गौतम स्वामी त्वरित सचेत हुए. अपना संदेह दूर करने के लिए वे प्रभु महावीर स्वामी के समीप पंहुचे और अपने व आनंद के सम्वाद का वृतांत कह सुनाया. तब महावीर स्वामी बोले, 'गौतम!! आनंद सत्य कह रहा हैं. आप जैसा ज्ञानी व्यक्ति, ऐसी भूल कैसे कर सकता है?' यह सुनते ही गौतम स्वामी उलटे पैर वापस आनंद के पास पंहुचे तथा अपनी भूल के लिए क्षमा मांगी. साथ ही कहा, 'प्रायश्चित का भागी मैं हूं आनन्द!!' आनंद को योग्य समाधान से संतोष उपजा. उसे धर्म-मूल्यों के संरक्षण का साक्षात अनुभव हुआ,

मोदी पर मोदी की तरह ही हमला

• सियासत

शकील अख्तर

अरविन्द केजरीवाल का बाहर आना मोदी जी के लिए मुसीबत बन गया. उनका प्रचार कि मैं जो चाहे कर सकता हूं, पांच सौ साल में मुझसे ताकतवर आदमी कोई नहीं हुआ कि हवा निकल गई. मोदी जी, भाजपा, भक्त और उनके मीडिया को यकीन ही नहीं था कि जिस केजरीवाल पर मोदी जी की आंख टेढ़ी है, उसे जमानत भी मिल सकती है. सारा प्रचार तो यही था कि जिस पर मोदी जी ने हाथ डाल दिया वह खत्म. इसी डर से कांग्रेस के नेता भाजपा में शामिल हो रहे थे. ऐसा भय का माहौल बना दिया था कि किसी के भी खिलाफ कुछ भी हो सकता है. आज वह माहौल टूट गया. झूठी ताकत की पूरी कहानी ध्वस्त हो गई. इसलिए आज भाजपा को सफाइयां देनी पड़ रही हैं कि मोदी जी ही प्रधानमंत्री रहेंगे. 2029 तक भी और उसके बाद भी. केजरीवाल से लोगों की चाहे जितनी शिकायतें हों, खासतौर से उनका किसी एक स्टैंड पर नहीं टिकने को लेकर मगर यह सही है कि मोदी को मोदी की ही शैली में जवाब वे ही दे सकते हैं. राहुल की शराफत, उनका आदर्शवाद, सिद्धांत उन्हें दूसरों के बारे में कुछ भी कहने नहीं देता. पिछले दस साल में मोदी जी ने इतने आरोप लगाए, खराब भाषा बोली, जो मुंह में आया बोला मगर राहुल ने मर्यादा बनाए रखी. प्रियंका जरूर कुछ तीखे शब्द बाण चला रही हैं. उनके भाषण हिट भी बहुत हो रहे हैं. मगर मर्यादा उन्होंने भी बना रखी है. लेकिन केजरीवाल मोदी जी की तरह ही राजनीति करते हैं. जिनमें साधन नहीं साध्य ही प्रमुख होता है. इसलिए इंडिया गठबंधन में वे सबसे आखिरी में आए और गठबंधन खासतौर से कांग्रेस ने भी उन्हें बहुत सोच-समझ कर यस कहा. दरअसल केजरीवाल और कांग्रेस दोनों यह समझ गए थे कि फर्स्ट थिंग फर्स्ट! पहले मोदी को हटाना जरूरी है. बाद की बाद में देखेंगे और इसलिए जमानत पर बाहर आते ही केजरीवाल ने मोदी की तरह ही बड़ा धमाका किया कि जीत भी जाएं तो भी मोदी जी प्रधानमंत्री नहीं बनेंगे. जिस तरह उन्होंने आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, सुमित्रा महाजन को 75 साल की उम्र का वास्ता देकर मार्गदर्शक मंडल में भेज दिया, वैसे ही अब उन्हें भी जाना पड़ेगा. अगले साल वे 75 के हो रहे हैं. यह बिल्कुल मोदी जी वाली ही शैली है. जैसे वे दूसरी पार्टियों के बारे में कहते हैं वैसी ही. कांग्रेस खतम हो जाएगी. सोनिया गांधी ऐसी, नेहरू ऐसे, राहुल ये! या आम आदमी पार्टी क्या है, केजरीवाल आतंकवादी! सब पर बोला लालू जी, तेजस्वी, अखिलेश, ममता, उद्धव ठाकरे, शरद पवार किस को छोड़ा? मगर चौथी पास किसी ने नहीं कहा. यह केजरीवाल ही कह सकते हैं. राहुल भी कह रहे हैं कि अब मोदी जी प्रधानमंत्री नहीं बनेंगे. मगर उनका आकलन यह है कि भाजपा एक सौ चालीस से ज्यादा ही नहीं पाएगी तो प्रधानमंत्री बनने का सवाल ही नहीं. मगर केजरीवाल मोदी की स्टाइल में ही खेलते हैं. वे यह कहकर भाजपा के अंदर हलचल मचा देते हैं कि अगर जीत भी गए तो अमित शाह बनेंगे. और सबसे पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी को हटाया जाएगा. जो केजरीवाल चाहते थे वह काम हो गया. खुद अमित शाह जिनके प्रधानमंत्री बनने की बात कही गई, उन्हें सफाई देनी पड़ी. मनोविज्ञान में ऐसी चीज होती है कि आप झूठ बोल बोलकर खुद उस पर यकीन करने लगते हैं. लगता है मोदी जी को यकीन है कि उन्होंने अपने वादे जिसे अब वह गारंटी कहने लगे हैं, के अनुरूप दो करोड़ रोजगार हर साल दिए हैं. और फिर भी अगर कुछ लोग बचे रह गए तो वे उनके कहे मुताबिक पकौड़े तलकर रोजगार पा रहे हैं. इसलिए जनता भी इसमें बिल्कुल नहीं उलझ रही कि अगर इंडिया जीता तो कौन बनेगा प्रधानमंत्री? अब लोग कहते हैं कि मोदी जी ने इंडिया जीता कहकर यह तो मान लिया है कि वे नहीं जीत रहे. बाकी बहुत नेता हैं वहां और अगर मोदी जी चाहेंगे तो उनसे पूछ लेंगे! वहां बीजेपी में तो कोई उनसे पूछने वाला होगा नहीं. हार के बाद क्या होगा इसकी कल्पना भी मोदी जी के लिए भयावह होगी. खुद बीजेपी और संघ के लोग उन्हें बख्शेंगे नहीं. दस साल में पार्टी और संघ कहीं नहीं है. मोदी सरकार, मोदी तीसरी बार, मोदी परिवार सब मोदी ही मोदी है. भाजपा और संघ का कहीं नाम नहीं है. इसलिए केजरीवाल का यह दांव कामयाब हो गया. इंडिया गठबंधन से मोदी का ध्यान हट गया. अब वे यही सोच रहे हैं कि पार्टी में कौन क्या करेगा. उनके सबसे बड़े समर्थक अमित शाह को केजरीवाल ने प्रधानमंत्री पद के सपने दिखा दिए. दूसरे बड़े नेता योगी को चेतावनी दे दी कि अगले निशाने पर आप हो. कोई भाजपा नेता इसकी सफाई भी नहीं दे रहा है. मतलब केजरीवाल की तीर सही निशाने पर लगा है. भाजपा में हचलच मच गई.

लगता है मोदी जी को यकीन है कि उन्होंने अपने वादे जिसे अब वह गारंटी कहने लगे हैं, के अनुरूप दो करोड़ रोजगार हर साल दिए हैं. और फिर भी अगर कुछ लोग बचे रह गए तो वे उनके कहे मुताबिक पकौड़े तलकर रोजगार पा रहे हैं. इसलिए जनता भी इसमें बिल्कुल नहीं उलझ रही कि अगर इंडिया जीता तो कौन बनेगा प्रधानमंत्री?

हरियाणा की राजनीति में बड़ा बदलाव

• सामयिकी

डॉ. ज्ञान पाठक

24 मई को छठे चरण में होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए 9 मई को नामांकन वापस लेने से पहले हरियाणा की राजनीति में काफी बदलाव आया. चुनाव की पूर्व संध्या पर भाजपा के मुख्यमंत्री के बदले जाने की पृष्ठभूमि में चुनाव प्रचार शुरू हो गया है. 12 मार्च को एनडीए में फूट पड़ गई, जिससे सहयोगी दल भाजपा और जेजेपी अलग हो गये और दो महीने से भी कम समय में राज्य में नायब सिंह सैनी सरकार अल्पमत में आ गई, जब 7 मई को तीन निर्दलीय विधायकों ने अपना समर्थन वापस ले लिया. यह निश्चित रूप से भाजपा के लिए अशुभ है, क्योंकि पार्टी का लक्ष्य राज्य की सभी 10 लोकसभा सीटें जीतना है, जो उसने 2019 के लोकसभा चुनाव में जीती थी. प्रधानमंत्री मोदी तीसरी बार सत्ता चाह रहे हैं, इसलिए वह किसी भी सीट का नुकसान बर्दाश्त नहीं कर सकते. पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, जिनकी जगह दूसरे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आये, करनाल लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे हैं. सैनी सरकार से समर्थन वापस लेने वाले तीनों विधायकों ने अब कांग्रेस को समर्थन दे दिया है. उन्होंने पहले तो कहा कि खट्टर उनके नेता हैं, लेकिन जब वह सत्ता की कुर्सी पर नहीं हैं, तो उनका सैनी से कोई लेना-देना नहीं है. इससे संकेत मिलता है कि भाजपा के भीतर दो खेमों-खट्टर और सैनी के बीच दरार थी, हालांकि, बाद में निर्दलीय विधायकों ने भी अपने चुनाव अभियानों में अपमानित होने के लिए खट्टर पर हमला किया. यह एक नया विकास है, जो दर्शाता है कि राज्य में खट्टर भी अपना व्यक्तिगत समर्थन आधार खो रहे हैं. यह स्पष्ट था जब खट्टर अपना नामांकन दाखिल कर रहे थे और अपना रोड शो कर रहे थे, जहां बहुत अधिक उत्साही लोग नहीं दिख रहे थे - न तो सड़क पर, न ही सड़क के किनारे दर्शक या घरों की छतों पर दर्शक. सब कुछ सामान्य ही लग रहा था और लोगों में चुनाव को लेकर कोई उत्साह नहीं दिख रहा था. इसे मीडिया में व्यापक रूप से रिपोर्ट किया गया है. 2014 में पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा खट्टर को हरियाणा के राजनीतिक परिदृश्य में लाकर उन्हें राज्य का मुख्यमंत्री बनाया गया था. मोदी का विचार सिर्फ राज्य की राजनीति में जाटों के वर्चस्व को तोड़ना था. राज्य की राजनीति में कोई महत्वपूर्ण जाट नेता न होने के कारण मोदी अपने उद्देश्य में सफल रहे. हालांकि, 2019 के राज्य चुनाव में, दुष्यंत चौटाला की जेजेपी जाट समर्थन आधार के साथ उभरी. यह भाजपा नेतृत्व के लिए एक झटका था, क्योंकि पार्टी ने कुछ महीने पहले ही राज्य की सभी 10 लोकसभा सीटें जीती थीं. भाजपा की इतनी राजनीतिक किस्मत का गिरना अप्रत्याशित था और पार्टी को मुख्यमंत्री खट्टर के नेतृत्व में राज्य सरकार बनाने के लिए जेजेपी के साथ गठबंधन करना पड़ा. पांच साल बाद 2024 में, पीएम मोदी को लगा कि भाजपा अपनी लोकसभा सीटों को अपने सहयोगी जेजेपी के साथ साझा नहीं कर सकती है, और इसलिए जेजेपी को गठबंधन छोड़ने के लिए मजबूर करने के लिए अपमानित किया गया. मार्च में गठबंधन टूट गया. भाजपा नेतृत्व ने सोचा कि जेजेपी के अलग से चुनाव मैदान में होने पर भाजपा, इंडिया ब्लॉक और जेजेपी के बीच मुकाबला त्रिकोणीय हो जायेगा, जिससे उनकी जीती हुई 10सीटों को बरकरार रखने की संभावना उज्ज्वल हो जायेगी. हालांकि, यह राज्य में उभर रही एक जटिल राजनीतिक स्थिति का एक बहुत ही सरल दृष्टिकोण था. भाजपा नेतृत्व इस बात से अच्छी तरह वाकिफ था कि राज्य में पंजाबी समुदाय मनोहर लाल खट्टर से खुश नहीं है, जो खुद एक पंजाबी हैं. उन्होंने राज्य में ओबीसी समुदाय को भी नाराज कर दिया था. ओबीसी राजनीति की खोज में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खट्टर की जगह ओबीसी राजनेता सैनी को ले लिया है. हालांकि, ऐसा लगता है कि यह उल्टा हो गया है. पंजाबी और ओबीसी दोनों अब भाजपा नेतृत्व से इतने खुश नहीं हैं, क्योंकि दोनों समुदायों के कई लोग अपमानित महसूस कर रहे हैं और अपने आत्मसम्मान की रक्षा के लिए तैयार हैं. समर्थन वापस लेने वाले तीन निर्दलीय विधायकों ने बताया है कि उन्होंने किसानों से जुड़े अन्य मुद्दों और युवाओं के बीच बढ़ती बेरोजगारी के अलावा अपने आत्मसम्मान के लिए ऐसा किया है. जहां तक जेजेपी का सवाल है, उसने राज्य की अल्पमत भाजपा सरकार को गिराने के लिए प्रस्ताव लाने पर कांग्रेस को समर्थन देने की घोषणा की है. 90 सदस्यीय हरियाणा विधानसभा में भाजपा के पास केवल 40 विधायक हैं, जबकि कांग्रेस के पास 30 और जेजेपी के पास 10 विधायक हैं. दो सीटें खाली हैं, क्योंकि खट्टर ने करनाल से विधायक पद से इस्तीफा दे दिया था, और रणजीत सिंह चौटाला ने रानिया से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में इस्तीफा दे दिया है.

भाजपा नेतृत्व इस बात से अच्छी तरह वाकिफ था कि राज्य में पंजाबी समुदाय मनोहर लाल खट्टर से खुश नहीं है, जो खुद एक पंजाबी हैं. उन्होंने राज्य में ओबीसी समुदाय को भी नाराज कर दिया था. ओबीसी राजनीति की खोज में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खट्टर की जगह ओबीसी राजनेता सैनी को ले लिया है. हालांकि, ऐसा लगता है कि यह उल्टा हो गया है.

मीडिया में अन्यत्र

भारतवंशी श्रमवीरों के प्रति देश कृतज्ञ

यह भारत के लिए गौरव की बात है कि सारी दुनिया में भारतीय कामगारों ने खून-पसीने की कमाई से अर्जित धनराशि में से वर्ष 2022 में 111 बिलियन डॉलर अपने देश भेजे हैं. इस तरह भारत दुनियाभर में भारतवंशियों की कमाई से सबसे ज्यादा धन प्राप्त करने वाले देश के रूप में स्थापित हुआ है. यह आंकड़ा जहां विश्व में भारतीय श्रमशक्ति की गाथा को दर्शाता है, वहीं देश की अर्थव्यवस्था में उनके योगदान को दिखाता है. निश्चित रूप से यह उन कामगारों के भारत के प्रति आत्मीय लगाव को ही बताता है. भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में योगदान करने वाले इन श्रमवीरों के प्रति देश कृतज्ञ है. निश्चित रूप से इसका भारतीय अर्थव्यवस्था में सकारात्मक प्रभाव पड़ता है. दरअसल, इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन फॉर माइग्रेशन की विश्व प्रवासन रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2024 में भारत, मैक्सिको, चीन, फिलीपींस व फ्रांस सबसे ज्यादा धन पाने वाले देशों के रूप में सूचीबद्ध हुए हैं. यह धन भेजने के आकंड़े का बढ़ना दर्शाता है कि प्रवासियों का अपनी मातृभूमि के बीच कितना मजबूत व स्थायी संबंध है, लेकिन इसके साथ ही भारत सरकार का दायित्व बनता है कि इस उपलब्धि की खुशी मनाते वक्त प्रवासियों के सामने आने वाली चुनौतियों को भी पहचाना जाए. संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट बताती है कि प्रवासी कामगारों को वित्तीय शोषण, प्रवासन लागत के कारण बढ़ते ऋण दबाव, नस्लीय भेदभाव व कार्यस्थल पर दुर्व्यवहार जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है. जिनके निराकरण के लिए गंभीर प्रयास करने की जरूरत है. निस्संदेह, भारत सरकार को प्रवासी कामगारों की समस्याओं के समाधान के लिए हमारे दूतावासों के जरिये विशेष कदम उठाने चाहिए. दरअसल, खाड़ी सहयोग परिषद के राज्यों में जहां बड़ी संख्या में भारतीय प्रवासी कार्यरत हैं, उनके अधिकारों का उल्लंघन जारी है. खासकर कोविड-19 महामारी के दौरान भारतीय कामगारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा. विशेष तौर पर अर्द्ध-कुशल श्रमिकों और अनौपचारिक क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिकों के कई तरह के संकटों को बढ़ा दिया था. बड़ी संख्या में उनकी नौकरियां खत्म हुई, वेतन नहीं मिला. सामाजिक सुरक्षा के अभाव में कई लोगों को कर्ज में डूबना पड़ा. जिसके चलते बड़ी संख्या में ये कामगार स्वदेश लौटे. वहीं अंतरराष्ट्रीय शिक्षण संस्थानों की तरफ भारतीय छात्रों के बढ़ते रुझान की ओर भी अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट इशारा कर रही हैं. बहरहाल, प्रवासन के बदलते परिदृश्य में प्रवासी भारतीयों के अधिकारों व हितों की रक्षा के लिए ठोस प्रयासों की जरूरत है. किसी भी तरह श्रमिकों का शोषण न हो और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े मुद्दों को संबोधित करने की जरूरत है. **(दैनिक ट्रिब्यून)**

शब्द चर्चा — **डॉ. विनय कुमार पाण्डेय**

आंक/आंख

वह अपनी आंखों से देखकर ही परिस्थिति को आंक लेता है. उसके इस गुण से हम सहज ही समझ सकते हैं कि वह कितना अनुभवी होगा. खैर इस वाक्य से हमारा सामना दो शब्दों से हो रहा है. एक आंक और दूसरा है आंख. हिंदी भाषा में इन दोनों शब्दों का प्रयोग खूब होता है, इसलिए भी इनकी खूबियों से परिचित होना आवश्यक है. व्युत्पत्ति के दृष्टिकोण से दोनों शब्द तद्भव हैं. आंक को संस्कृत में अंक कहते हैं और आंख को अक्षि. हिंदी शब्दसागर के अनुसार आंक शब्द संज्ञा पुल्लिंग है. इसका अर्थ अंक, चिह्न, निशान, संख्या का चिह्न, अदद, अक्षर, हरफ, गढ़ी हुई बात, दृढ़ निश्चय, निश्चित सिद्धांत, अंश, हिस्सा, किसी मनुष्य के नाम पर प्रसिद्ध वंश, अंकवार, भाग्य, शान, अंकुर, नौ मात्राओं का छंद, अंक, छकड़े या बैलगाडियों की बल्लियों के नीचे दिया हुआ लकड़ी का मजबूत ढांचा, जिसमें धूरी पहिए में पहनायी जाती है. इससे बना मुहावरा है आंक भरना यानी आलिंगन करना. आंख जब संस्कृत में थी तो अक्षि थी, लेकिन प्राकृत में अक्ख तथा पाली में अंक्ख होते होते हिंदी में आंख हो गयी. आंख मतलब देखने की इंद्रिय. वह इंद्रिय जिससे प्राणियों को रूप तथा आकार का ज्ञान होता है. आंख मनुष्य के शरीर में एक ऐसी इंद्रिय है, जिसपर आलोक द्वारा पदार्थों का बिंब खिंच जाता है. जो जीव आरोह नियमानुसार अधिक उन्नत हैं, उनकी इद्रियों की बनावट अधिक पेचीली और जटिल होती है, पर क्षुद्र जीवों में इनकी बनावट बहुत सादी, कहीं-कहीं तो एकबिंदी के रूप में होती है. मुहावरों में तो आंख और भी चमत्कारिक हो जाती है. जैसे उनकी आंख बुराई पर ही रहती है. आंख नहीं होना यानी विचार, विवेक, परख या शिनाख्त नहीं होना. कहते हैं राजा के पास आंख नहीं, कान होता है. फिल्मी गीतकारों के लिए तो आंख शब्द अत्यंत उपयोगी रहा है. उससे बहुत सारे गीत बने हैं. जैसे तेरी आंखों के सिवा दुनिया में रखा क्या है.

पनामा नाम से तोबा कीजिए!

• तीर-तुक्का

डॉ. सुरेन्द्र वर्मा

पनाना नाम से मेरी आशिक़ी बड़ी पुरानी है. कॉलेज के दिनों में मेरा एक दोस्त था, सिगरेट पीता था. उसी ने मुझे भी सिगरेट फूंकने का चसका लगाया. उन दिनों पनामा नाम की एक सिगरेट आती थी. हम लोग वही पिया करते थे. पता नहीं अब वह मिलती है या नहीं, क्योंकि सिगरेट छोड़े अब वर्षों हो गए. ज्यादा दिन यह आशिकी चल नहीं पाई. मेरी सुनामा नाम की एक माशूका थी. बोली, सिगरेट या मैं - इन दोनों में से तुम्हें एक का चुनाव करना पडेगा. आखिर पनामा का साथ छोड़ना ही पडा. वो भी क्या दिन थे! 'पनामा सिगरेट' पीता था और 'पनामा ब्लेड' दाढ़ी बनाने के लिए इस्तेमाल करता था. अब तो शायद पनामा ब्लेड मिलता ही नहीं. नए नए ब्रांड आ गए हैं. एक से बढ़कर एक. पनामा ब्लेड का तो नाम ही भूल गया हूं, लेकिन मानना पडेगा पनामा की धार आज भी बदस्तूर कायम है, साथ ही पनामा सिगरेट का जलवा भी. पनामा की ही इस तेज़ धार ने नवाज़ शरीफ की सत्ता ही क़तर दी और खुद उन्हें धुंए में उड़ा दिया. उनकी 'शराफत' की डुगडुगी पिट गई. बताया जाता है कि पनामा पेपर्स वे गुप्त और सुरक्षित दस्तावेज़ हैं, जिन्हें कुछ नेताओं और 'संभ्रांत' व्यक्तियों ने अपने टैक्स की चोरी को छिपाने के लिए पनामा की एक कम्पनी में उन्हें न ज़ाहिर किए जाने की शर्त पर रख दिया है और उसमें अपना पैसा लगाया है. ज़ाहिर है इन पनामा पेपर्स में चोरी का माल छिपाया गया है. लेकिन ताड़ने वाले भी गज़ब की नज़र रखते हैं. ब्रिटेन में पनामा पेपर्स "लीक" कर गए. बहरहाल इस लीकेज से थोड़ा न बहुत 1.40 करोड़ का खुलासा हुआ. बताया गया कि कैसे दुनिया भर के करीब 140 रईसों और कंपनियों ने टैक्स के लिए स्वर्ग माने जाने वाले देशों में अपना चोरी का पैसा लगाया था. इन लोगों में पाकिस्तान के पीएम नवाज़ शरीफ का भी नाम था. बस नवाब के विरोधियों को मौका हाथ लग गया. झटपट पाकिस्तान की सुप्रीम कोर्ट एक्शन में आई और .. शरीफ की सारी शराफत धरी की धरी रह गई. पूरी दुनिया ही उजड़ गई. भारत सरकार को पता था, ऐसा भी हो सकता है. पनामा पेपर्स में भारत के भी कुछ नेताओं आदि के नाम थे लेकिन सरकार ने उनके ऊपर कोई ध्यान ही नहीं दिया. कई नेता तो नेता, अमिताभ बच्चन तक बच गए. भारत की शराफत को मानना पडेगा! बस एक चेतावनी जारी कर दी गई. पनामा नाम से तोबा कीजिए. सिगरेट पीना बंद कर दीजिए, दाढी बनाने के लिए इस नाम का ब्लेड इस्तेमाल कभी न कीजिए, सैर-सपाटे के लिए भी पनामा राज्य जाने की बात तो कभी सोचिए ही नहीं, भूल से भी उधर का रुख न करें. पनामा से तौबा कीजिए.

लाइफ लाइन

सेलेब्स डाइट सीक्रेट : तृप्ति डिमरी

कम वसा वाला ब्रेकफास्ट नो कार्ब डिनर

तृप्ति डिमरी इन दिनों अपनी एक्टिंग और फिटनेस को लेकर चर्चा में हैं. उनकी टोंड और स्लिम बॉडी फैंस को दीवाना बना रही है. यह फीगर पाना तृप्ति के लिए भी बहुत आसान नहीं रहा. खुद को फिट रखने के लिए वे कड़ी मेहनत करती हैं, वर्कआउट में जम कर पसीना बहाती हैं. आइए जानते हैं तृप्ति के फिटनेस रूटीन और डाइट के बारे में...

- **दिन की शुरुआत गर्म पानी से**

तृप्ति रोजाना सुबह दो गिलास गर्म पानी पीकर दिन की शुरुआत करती हैं. हफ्ते में कम से कम 3 से 4 बार जिम जरूर जाती हैं. वह एरोबिक्स, पिलाटे, स्ट्रेंथ ट्रेनिंग, ब्रिस्क वॉकिंग, रनिंग और कार्डियोवैस्कुलर एक्सरसाइज करती हैं. योग और मेडिटेशन उनकी नियमित दिनचर्या में शामिल है.

- **नो जंक फूड**

खान-पान को लेकर तृप्ति बहुत अनुशासित हैं. जंक फूड, बाहर का खाना, तला भुना खाना आदि से परहेज करती हैं. नियमित घर का बना खाना खाना खाती हैं और डाइट में सब्जियां, फल, साबूत अनाज के साथ ही साथ लीन प्रोटीन आदि जरूर शामिल करती हैं. नाश्ते में वे फैट की मात्रा बेहद कम रखती हैं. आमतौर पर ब्रेकफास्ट में उपमा, इडली, मौसमी फल, दूध, उबले अंडे, सैंडविच, छाछ, पोहा, ओट्स आदि में से कुछ शामिल होता है.

- **सिंपल है लंच**

लंच बिल्कुल सिंपल होता है. लंच में वे चावल, दाल, हरी सब्जी, सलाद और दही आदि खाती हैं. ईवनिंग स्नैक्स में नारियल पानी, जूस, ग्रीन टी आदि के साथ आमतौर पर भूने नट्स, मखाने या चना होते हैं. कभी कभी स्प्राउट भेल या घर में तैयार कोई और हेल्दी स्नैक्स होता है.

- **डिनर जरा जल्दी**

डिनर आमतौर पर रात आठ बजे तक कर लेती हैं. डिनर में आमतौर पर उबले अंडे, ग्रिल्ड चिकन/ फिश, सूप, दाल, सब्जियां आदि में से कुछ होते हैं. रात में तृप्ति जीरो कार्बोहाइड्रेट मील लेती हैं. दिन भर में खूब तरल पदार्थ लेना भी उनकी आदत में शुमार है.

झारखंड के औषधीय वृक्ष

मौलश्री के फल, फूल और बीज सब काम के

झारखंड में नाना प्रकार के औषधीय वृक्ष पाए जाते हैं. ऐसा ही एक औषधीय गुणों से भरपूर वृक्ष है मौलश्री. इसे हिंदी में मौलसिरी, मौलश्री और बकुल भी कहते हैं. लैटिन में माइम्युसोप्स इलेंजी, बंगाल में बकुलगाछ, अंग्रेजी में सुरीनम मेडलर कहते हैं.

लातेहार जिला के चंदवा प्रखंड के डुमारो पंचायत के निंद्रा गांव में 200 वर्ष पुराना मौलश्री का पेड़ हमें बेहद उपक्षित रूप में देखने को मिला है. इसे पिछले 25 वर्षों से मैं देख रहा हूं. हमें गांव के भोला यादव, मनोहर यादव और नागेश्वर गोप ने बताया कि काफी पुराना वृक्ष है. भोला यादव की दादी सरघू कुंवर इसे दूध से पूजा करती थी.

मौलश्री के वृक्ष के फूल, फल और बीज औषधि के रूप में लेते हैं. कफ योनिदोष (शूल) तृष्णा, कुष्ठ, सूजन तथा रुधिर विकार को नष्ट करने वाली है. मालश्री के पेड़ बहुत ही बड़े-बड़े होते हैं इसका छाल मटमैला एवं कुछ सफेदी लिए हुए भी होती है. इसके पत्र चिकनी और जामुन के पत्तों के आकार के होते हैं जो एक इंच लंबे होते हैं. पुष्प सफेद चक्राकार छोटे-छोटे होते हैं.

मौलसरी का वृक्ष दो प्रजाति का होता है एक स्त्री जाति का और दूसरा पुरुष जाति का. पुरुष जाति में फल नहीं आते हैं. इसके पुष्प कुछ बड़े होते हैं. स्त्री जाति में फल आते हैं. पुष्पों में बहुत ही सुगंध रहता है और इसके फल भी छोटे-छोटे कनवद की तरह होते हैं. पकने पर मधुर लगते हैं. फूल और फल में भी महक सूख जाने के बाद भी बनी रहती है. चित्त को अति आनंद देने वाले मनोरम सुंधित पुष्पों से युक्त बकुल अर्थात मौलश्री के सदाहरित वृक्ष हैं.

झारखंड में संरक्षण और संवर्धन की आवश्यकता है. वन क्षेत्रों के पास के ग्रामीण अवैज्ञानिक तरीके से दोहन कर रहे हैं.

अनिल कुमार पाठक
पारंपरिक चिकित्सक

कुछ मान्यताएं प्रश्न और उत्तर

डॉ एके श्रीवास्तव
कंसलटेंट फिजीशियन, छाती व गहन रोग विशेषज्ञ

बीमारियों, दवाओं, परहेज और खान-पान को लेकर चिकित्सक की सलाह से परे कुछ मान्यताएं भी अपने समाज में प्रचलित हैं जो अक्सर हावी होती रहती हैं. कई बार डॉक्टर से मिलने या उपचार-ऑपरेशन आदि के दौरान परिजनों व पीड़ितों के मन में कई तरह के सवाल उठते हैं. डॉ एके श्रीवास्तव (कंसल्टेंट फिजीशियन और छाती व गहन रोग विशेषज्ञ) आज इन्हीं मान्यताओं, प्रश्नों पर चिकित्सकीय जवाब दे रहे हैं.

Q. यदि मैंने शुगर/ बीपी/ थायराइड की दवा शुरू कर दी तो मुझे दवा जिंदगी भर खानी होगी!

दवा खाने से दवा की आदत नहीं पड़ती, शरीर को मेडिकल कंडीशन के अनुसार आवश्यकता रहती है तब दवा खानी पड़ती है. अधिकतर डायबिटीज, हाई बीपी, हाई कोलेस्ट्रॉल इत्यादि की बीमारी तब सामने आती है जब शरीर उसके बोझ को झेलते-झेलते डिकॉम्पेनसेट हो जाता है. बीमारी के लिए दवा खाने तक की स्थिति उतपन्न होने से पहले बीमारी की रोक-थाम के लिए प्रयास करना अधिक आवश्यक है. यदि तत्काल डॉक्टर ने दवा लिखी है तो आपको खानी होगी, हां बाद में चल के यदि आपने खूब अच्छे से परहेज़ या नियम किया तो हो सकता है कि दवा की डोज़ कम हो जाए या दवा बंद भी हो सकती है. अधिकतर मामलों में दवा लम्बी या आजीवन चलती है.

एक उदाहरण से समझिए-आप ठंड में गर्म कपड़े इसलिए रोज़ नहीं पहनते क्योंकि आपने एक दिन पहन लिया था तो अब हमेशा पहनना होगा बल्कि इसलिए कि ठंड है, यदि आप नहीं पहनेंगे तो आपको सर्दी लग जाएगी. जब तक ठंड का मौसम है तब तक आपको पहनना होगा. यदि आप ऐसी जगह पर हैं जहां साल भर ठंड पड़ती है तो आपको आजीवन गर्म कपड़े पहनने होंगे.

Q. एक बार डायलिसिस करवा ली तो ज़िन्दगी भर कराते रहना होगा.

डायलिसिस का मतलब मशीन द्वारा रक्त की सफाई. यदि गुर्दे फेल कर गए हैं तो खून की सफाई कर दूषित अवयवों को शरीर से बाहर करने का काम डायलिसिस से की जाती है. अब इसमें दो तरह की स्थिति होगी- पहली या तो किसी भी बीमारी (जैसे अनकंट्रोल्ड डायबिटीज या गुर्दे की बीमारी) के चलते क्रोनिक किडनी डिजीज़ से गुर्दे परमानेंट खराब हो गए हों तब तो डायलिसिस के बिना अब काम ही नहीं चलने वाला. यदि डायलिसिस शुरू नहीं कि गई तो कुछ दिनों में मरीज़ की मृत्यु निश्चित है. इसलिए डायलिसिस करनी पड़ती है वो भी नियमतः हफ़्ते में 2 या 3 बार जब तक जीवन बचा है या जब तक किडनी ट्रांसप्लांटेशन (जहां सम्भव हो) नहीं हो जाता.

दूसरी स्थिति यह होती है कि किसी तीव्र बीमारी जैसे मलेरिया, सेप्टिसीमिया, पॉइज़निंग, सीवियर डिहाइड्रेशन या गुर्दे की प्राइमरी बीमारी के वजह से गुर्दा ठीक से काम नहीं कर रहा हो या अस्थाई रूप से फेल कर गया हो. इस स्थिति में कुछ एक बार ही डायलिसिस की आवश्यकता पड़ती है जब तक किडनी फेलियर की स्थिति से उभर नहीं जाते. हफ़्ते-दो हफ़्ते के दौरान 2 से 5 सेशन्स डायलिसिस के बाद अधिकतर एक्यूट रीनल फेलियर रिकवर हो जाता है, हालांकि कुछ केसेस में यह अवधि लम्बी भी जा सकती है या क्रोनिक किडनी डिजीज में तब्दील भी हो सकती है.

Q. एक बार वेंटीलेटर लग गया तो कहानी खत्म.

ऐसा बिल्कुल नहीं है. मेकैनिकल वेंटिलेशन आधुनिक मेडिकल साइंस में एक महत्वपूर्ण जीवन रक्षक का रोल निभाता है. यह एक लाइफ सपोर्ट सिस्टम है, एक मशीन है जो इलेक्ट्रिसिटी/बैटरी से चलता है और जिसके द्वारा सांस को बाहर से सपोर्ट किया जाता है. जब कोई व्यक्ति इतना बीमार या बेहोश हो जाता है कि वो ठीक से सांसे नहीं ले पा रहा हो जिसे हम रेस्पिरेटरी फेलियर (स्वांस तंत्र विफल होना) कहते हैं, ऐसी स्थिति में मैकेनिकल वेंटिलेटर का सहारा लेना पड़ता है. वेंटीलेटर के द्वारा नियंत्रित रूप से मरीज़ को बाहर से सांसे दी जाती हैं. यह इन्वेसिव पॉजिटिव प्रेशर वेंटिलेशन कहलाता है.

वेंटिलेटर लगाने के लिए मरीज़ को एनेस्थीसिया दे कर मुंह के रास्ते स्वास नली में इंडोट्रेकियल ट्यूब डाल ट्यूब के बाहरी छोर को मशीन के सर्किट ट्यूबिंगस से जोड़ दिया जाता है. इस स्थिति में मरीज़ को सुप्तावस्था में रखा जाता है या वो खुद अपनी बीमारी से कोमा में होता है. वेंटिलेशन और रेस्पिरेटरी फंक्शन के आकलन के लिए आर्टेरियल ब्लड गैस एनालिसिस यानी ए बी जी की टेस्ट रोज़ की जाती है. जैसे-जैसे पेशेंट की अपनी सांस की क्षमता बढ़ती जाती है या रेस्पिरेट्री फेलियर ठीक होता जाता है वैसे-वैसे वेंटीलेटर को वीन (पावर कम) किया जाता है और फिर इंडोट्रेकियल ट्यूब निकाल दिया जाता है और वेंटिलेटर हटा दिया जाता है.

आधुनिक क्रिटिकल केअर या इंटेंसिव केअर के दौर में मैकेनिकल वेंटिलेशन उपचार में सपोर्ट का बहुत ही आम और महत्वपूर्ण तरीका है. रोज़ कई सारे पेशेंट्स इंट्यूबेट होते हैं और बहुत सारे एक्सट्यूबेट भी होते हैं. हां कुछ कंप्लीकेशन्स अवश्य संलग्न हो सकते हैं, हालांकि उचित देख-रेख और प्रीकॉशन्स से यह सब से मरीज़ को बचाया जा सकता है. वैसे भी जितने भी सर्जरी जनरल अनेस्थेसिया में होते हैं उनमें हर पेशेंट को ऑपरेशन थिएटर में सर्जरी चलने तक वेंटिलेटर पर ही रखा जाता है.

Q. एक बार इन्सुलिन लग गया तो हमेशा लेना होगा.

डायबिटीज मूलतया दो प्रकार के होते हैं. टाइप वन यानी इन्सुलिन डिपेंडेंट और टाइप टू यानी नॉन-इन्सुलिन डिपेंडेंट. यदि आपको टाइप वन डायबिटीज है तो इन्सुलिन लेने के अलावे आपके पास कोई चारा ही नहीं है. यदि आपकी डायबिटीज टाइप टू बहुत पुरानी हो गई है और मैक्सिमम टॉलरेटेड दवाइयों पे भी यथेष्टया काबू में नहीं रह रही तब भी आपको इन्सुलिन पे स्विच होना होगा. और यह आपके शरीर की आवश्यकता होगी कोई लत नहीं कि इन्सुलिन ले लिया तो हमेशा लेना पड़ रहा है.

हां कुछ कंडीशन्स ऐसे होते हैं जिनमें अस्थाई रूप से कुछ समय के लिए इन्सुलिन लेना पड़ता है जैसे यदि आपको साथ में कोई ऐसी बीमारी हो गई जिसमें शुगर तुरन्त और सटीक कंट्रोल चाहिए या फिर प्रेगनेंसी के दौरान जहां दूसरी दवाइयां दी नहीं जा सकती हों या यदि कोई सर्जरी करनी है या फिर किसी और अन्य कारण से हॉस्पिटल में उपचार चलना है. इन्फेक्शन और हाई शुगर एक दूसरे के पूरक हैं. दोनों को साथ-साथ और टाइट कंट्रोल करने की आवश्यक होती है. जब मरीज़ की तबीयत ठीक हो जाती है, डिलीवरी हो जाती है, हॉस्पिटल से डिस्चार्ज हो जाते हैं तो वापस से आपकी पुरानी या अपडेटेड टेबलेट्स पे डॉक्टर आपको डाल देते हैं.

Q. मुझे दमा हो गया, इन्हेलर लूंगा/लूंगी तो लोग क्या समझेंगे?

सभी बीमारियों का इलाज गोलियां नहीं हैं. हरेक तरह की बीमारियों के इलाज़ का अपना खास तरीका होता है. जैसे यदि आपकी नज़र कमज़ोर हो गई हो तो डॉक्टर आपको चश्मा लगाने देते हैं न कि गोली खाने. यदि कहीं की हड्डी टूट गई हो तो प्लास्टर/स्लिंग या प्लेट/रॉड लगता है. स्किन की बीमारियों में क्रीम या ऑइंटमेंट लगाना होता है. उसी प्रकार दमा के इलाज के लिए इन्हेलर्स बनाए गए हैं. इन्हेलर्स दवा को डायरेक्ट जहां (स्वांस नलियों में) सूजन है ठीक उनकी सतह तक पहुंचाता है, तुरन्त पहुंच कर दवा काम जल्द शुरू करता है, ब्लड सर्कुलेशन से शरीर के दूसरे अंगों में दवा नहीं पहुंचती है तो सिस्टमिक साइड इफेक्ट्स भी नहीं होते, दवा की डोज़ माइक्रोग्राम्स में होती है यानी गोलियों से सौ गुना कम. इसलिए दमा के लिए इन्हेलर्स ही सही हैं.

अस्थमा कोई छूत की बीमारी नहीं है यानी एक दूसरे से नहीं फैलता. तो इन्हेलर्स से डरने की बात ही नहीं. आमतौर पर यह एक एलर्जिक कंडीशन है जिसमें किसी का कोई दोष नहीं होता, किसी को भी हो सकता है. इसलिए इन्हेलर्स यूज़ करना न शर्माने की चीज़ है न ही छुपाने की चीज़. बल्कि यह तो एक मॉडर्न स्मार्ट चिकित्सा पद्यति है. लोग तो पहले चश्मा लगाने को भी एक सामाजिक धब्बा समझते थे जबकि अब यह स्टाइल का एक रूप है. इसलिए खुद भी जागरूक रहें और दूसरों को भी जागरूक करें.

Q. थायरॉइड दो प्रकार के होते हैं एक फूलने वाला, एक सुखाने वाला!

जी हां थयरॉइड की बीमारी मूलतया दो प्रकार की होती हैं- हाइपोथयरॉइडिज्म जिसमें थयरॉइड ग्लैंड कम थाइरॉक्सिन हॉर्मोन बनाने लगता है, और हाइपरथायरॉइडिज़्म जिसमें थायरॉइड ग्लैंड अत्यधिक मात्रा में थाइरॉक्सिन हॉर्मोन का स्त्राव करने लगता है. आमतौर पर हाइपोथयरॉइडिज्म में शरीर फूलता है वजन बढ़ता है और उसके विपरीत हाइपरथायरॉइडिज़्म में शरीर सूखने लगता है और वजन कम होने लगता है.

मग़र यह कोई अचल नियम नहीं है. नार्मल ट्रेंड से हट के बहुत सारे केस ऐसे होते हैं कि हाइपोथयरॉइडिज्म में भी मरीज़ पतला दुबला रहता है और कुछ हाइपरथायरॉइडिज़्म के केसेस मोटे मिलते हैं. कभी कभी ऐसा भी होता है कि बीमारी ट्रांजीशन फ़ेज़ में होती है. शुरुआत में हाइपरथायरॉइडिज़्म के लक्षण आते हैं फिर बाद में फुल फ्लेजड हाइपोथयरॉइडिज्म स्टेबलिश हो जाता है. यह तब होता है जब थायरॉइड ग्लैंड का डिस्ट्रक्शन चल रहा होता है. इस स्थिति में कंफ्यूज़न होती है.

Q. बीमार पड़े नहीं कि जूस पिलाने की होड़ शुरू.

जूस को लोग यूं समझते हैं कि संजीवनी का रस हो. मरीज अस्पताल में भर्ती हुआ नहीं कि एक बहुत बड़ा सवाल खड़ा रहता है परिजनों के सामने-सर जूस दे सकते हैं? यदि खून की कमी है फिर तो अनार और चुकन्दर का जूस पिलाने की होड़ रहती है. भाई मेरे हर चीज़ जो लाल दिखे वो हीमोग्लोबिन नहीं होता या ख़ून नहीं बनाता. हां यदि कोई मनाही या संकुचन नहीं है तो जूस पिलाने में कोई हानि नहीं बशर्ते जूस घर में साफ सफाई से निकाला गया हो या हॉस्पिटल कैंटीन का हो. यह नहीं कि बाजार में खुले बिकते, मक्खी लगते काउंटर से उठा कर एक और संक्रमण ले आएं. इससे गैस्ट्राइटिस, दस्त या जॉन्डिस इत्यादि होने का खतरा होता है. मैं तो कहता हूँ कि ताज़े खांटी फल (व्होल-फ्रूट) खाना अधिक लाभकारी होगा.

Q. दूध, बैंगन, उरद इत्यादि से बीमारी/घाव जल्द ठीक नहीं होता

ये सारी पुराने ज़माने की बातें हैं जब अच्छे एंटीबायोटिक्स नहीं हुआ करते थे. उस वक्त खान-पान का बहुत खयाल रखा जाता था. जैसे बुखार भी हुआ तो कुछ दिन तक रोगी को केवल तरल पदार्थ, फल, उबला हुआ या बिल्कुल सादा खाना ही खिलाया जाता था जो सुपाच्य हो और ऊर्जा दे. बुखार के पांचवें दिन रोगी को कुछ तैलीय पदार्थ या छौंक से बना खाना दिया जाता था जिसे पथ पड़ना कहते थे.

लोग तो ये तक समझते हैं कि दूध पीने से या माड़ (स्टार्च) से भी घाव पक जाता है. पहले बहुत सी चीज़ों से परहेज़ किया जाता था कि बीमारी बढ़ न जाए. यदि सर्जरी हुई हो या घाव/संक्रमण हुआ हो तो पक न जाए. मग़र आधुनिक मेडिकल युग में इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है कि रोगी बैंगन खा रहा है या उरद. हां कुछ अनाज या मिलेट्स हैं जो पॉजिटिव और हीलिंग इफ़ेक्ट देते हैं. पौष्टिक आहार मिलने से बीमारी से रिकवरी जल्दी होती है.

आपको भी होती है हाथ पांव में झनझनाहट!

अक्सर कुछ लोग हाथ और पैरों में झनझनाहट की शिकायत करते हैं. हालांकि कई बार यह दिक्कत लंबे समय तक शरीर के किसी अंग पर भार देकर बैठने या फिर लगातार खड़े रहने की वजह से होती है. लेकिन कई बार ऐसा नहीं करने पर भी कुछ लोग हाथ पैर में झनझनाहट की शिकायत करते हैं. अगर आपकी या आपके परिजन की भी ऐसी ही शिकायत है तो पहले जानिए कि इस समस्या का कारण क्या है? हाथ-पैरों में झनझनाहट के ये कारण हो सकते हैं-

नसों को हेल्दी रखने के लिए कुछ विटामिन जैसे विटामिन बी12, विटामिन बी6, विटामिन बी1, विटामिन ई, विटामिन बी9 या फोलेट आदि जरूरी होते हैं. कोशिकाओं के ताकत और ऊर्जा के लिए विटामिन बी12 एक जरूरी स्रोत माना जाता है. अगर शरीर में किसी विटामिन की कमी है तो ये समस्या हो सकती है.

डायबिटीज के कारण पैरों और कभी-कभी बांहों में झनझनाहट हो सकती है. दरअसल शरीर में जब ब्लड शुगर की मात्रा बढ़ जाती है तो नसें डैमेज होने लगती हैं. इस समस्या से शरीर की नसों को आपूर्ति करने वाली रक्त वाहिकाओं को भी नुकसान पहुंचता है. जब नसों को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिलती, तो वे ठीक से काम नहीं करती हैं और कई बार ऐसी शिकायत भी हो जाती हैं.

जब आसपास के ऊतकों से नसों पर बहुत ज्यादा दबाव पड़ता है तो शरीर के कई हिस्सों में नसें दब सकती हैं और हाथों या पैरों को प्रभावित कर सकती हैं. इससे झुनझुनी, सुन्नता या दर्द हो सकता है.

जब किड़नी सही से काम नहीं करती तो शरीर में तरल पदार्थ और अपशिष्ट उत्पाद जमा हो सकता है, जिससे नसें डैमेज हो सकती हैं. ऐसे में हाथ पैरों में झनझनाहट महसूस हो सकती है.

कई बार अधिक शराब पीने से भी नसें और टिशु डैमेज हो जाते हैं. ऐसे में पैर और हाथों में झनझनाहट होने जैसी समस्याएं सामने आ सकती हैं.

रिसर्च रिपोर्ट

अधिक नमक से कैंसर!

कुछ लोगों को खाने में नमक अधिक लेने या ऊपर से नमक लेने की आदत होती है. अगर आप भी नियमित रूप से अधिक नमक का सेवन करते हैं तो तो यह खबर आपके लिए है. आपकी यह आदत आपको कैंसर जैसी गंभीर बीमारी की चपेट में ला सकती है. जी हां, वियना यूनिवर्सिटी के स्वास्थ्य केंद्र की ओर से किए गए एक रिसर्च में ऐसा ही खुलासा हुआ है. रिपोर्ट में कहा गया है कि खाने में नियमित रूप से ज्यादा नमक डालकर खाने वालों में कभी-कभी नमक खाने वालों की तुलना में पेट के कैंसर की आशंका 41 प्रतिशत तक बढ़ सकती है.

- **ऐसे हुआ रिसर्च**

ब्रिटेन में रहने वाले 471,144 लोगों के डेटाबेस की जांच की गई. इसमें 11 साल के आंकड़ों पर अध्ययन के दौरान उम्र, आर्थिक स्थिति, और शराब या सिगरेट पीने जैसी आदतों पर भी नजर रखी गई.

कुछ अन्य अध्ययनों में भी यह बात सामने आई है कि बहुत ज्यादा नमक खाने से पेट में मौजूद ऊतकों को चोट पहुंचती और कैंसर की आशंका बढ़ जाती है. विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार व्यक्ति को एक दिन में 5 ग्राम से ज्यादा नमक नहीं खाना चाहिए.

किडनी स्टोन को बिना ऑपरेशन हटा देगा खरबूजा!

इन दिनों झारखंड के मार्केट में खरबूजे खूब बिक रहे हैं. छोटा सा यह फल खुद में कई तरह के पौष्टिक तत्व सेमेटे रहता है जो शरीर के लिए फायदेमंद होते हैं. खरबूजे में ढेर सारे विटामिन्स, मिनरल्स, एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं. पानी व फाइबर से भी यह भरपूर होता है. आइए जाने इस सीजनल फल के क्या फायदे हैं-

- **रोग प्रतिरोधी**

खरबूजा का नियमित प्रयोग शरीर की रोग प्रतिरोधात्मक क्षमता को बढ़ाता है. दरअसल खरबूजे में भरपूर मात्रा में विटामिन सी, विटामिन ए और एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है. इसकारण इसके नियमित सेवन से हम छोटी बड़ी बीमारियों व संक्रमण से बचे रहते हैं.

- **निकलता किडनी स्टोन**

खरबूजे में भरपूर मात्रा में पानी और ऑक्सीकाइन पाया जाता है. इस कारण जो इसका नियमित सेवन करने वाले को किडनी में स्टोन की समस्या नहीं होती और अगर है तो इसके सेवन से स्टोन आसानी से फ्लश हो जाता है.

- **दूर होता कब्ज**

खरबूजे के नियमित सेवन से कब्ज की शिकायत दूर होती है. खरबूजे में भरपूर मात्रा में पानी और फाइबर पाया जाता है, पाचन तंत्र के लिए अच्छा होता है और कब्ज की समस्या दूर रहती है.

- **करता वजन कम**

खरबूजे में भरपूर मात्रा में पानी और फाइबर पाया जाता है, जो शरीर को हाइड्रेट रखता है और पेट भी भरा-भरा सा लगता है. इसकारण इसके सेवन से वजन कम करने में सहायता मिलती है.

- **ये परेशानियां भी करता दूर**

खरबूजा खाने से आंखों की रोशनी भी बढ़ती है. इसमें विटामिन ए होता है. इसका नियमित सेवन से मैक्युलर डिजेनरेशन और मोतियाबिंद जैसी गंभीर बीमारी भी दूर होती है. खरबूजा में पोटैशियम होता है. जो बीपी को कंट्रोल में रखता है. साथ ही साथ इसे खाने से कार्डियोवैस्कुलर हेल्थ भी सही रहती है.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

टीम इंडिया के कप्तान का धमाकेदार इंटरव्यू

कप्तानी पर्सनल रिकॉर्ड से ऊपर, कुछ साल और खेलूंगा : रोहित शर्मा

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टी-20 वर्ल्ड कप से ठीक पहले एक विदेशी यूट्यूब चैनल को इंटरव्यू दिया है. दुबई आई 103.8 नाम के यूट्यूब चैनल पर 21 मिनट 34 सेकेंड के इस वीडियो में रोहित ने दिल खोलकर बातचीत की. तीनों होस्ट के सवालों का बेबाकी से जवाब दिया. इस लाइव ब्रॉडकास्ट पर 37 साल के रोहित शर्मा ने इंटरनेशनल क्रिकेट करियर, भारतीय क्रिकेट की कप्तानी जैसे चैलेंजिंग टॉपिक पर बातचीत की.

रोहित शर्मा ने कहा, भारत के लिए 17 साल का सफर शानदार रहा है और उम्मीद है कि मैं अभी भी कुछ और साल खेलूंगा और विश्व क्रिकेट पर प्रभाव डालूंगा मैंने अपने जीवन में चढ़ाव से ज्यादा उतार देखे हैं और आज मैं जो भी इंसान हूं, वह अतीत में जो मैंने उतार-चढ़ाव देखा है, उसकी वजह से हूं. रोहित शर्मा भारत के अब तक के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक हैं. 2007 में अपने डेब्यू लेकर अबतक उन्होंने साल दर साल खुद को निखारते हुए यहां तक का सफर तय किया है. बड़े-बड़े छक्के लगाने और लंबी पारी खेलने की उनकी क्षमता उन्हें अनोखा बल्लेबाज बनाती है.

पर्सनल रिकॉर्ड से ऊपर है कप्तानी

विराट कोहली का उत्तराधिकारी बनना एक चैलेंजिंग टास्क था, इस सवाल के जवाब में रोहित शर्मा कहते हैं, भारत की कप्तानी करना मेरे लिए गर्व और सम्मान की बात है. मैंने कभी नहीं सोचा था कि यहां तक पहुंचूंगा और एक दिन टीम की कप्तानी करूंगा. अच्छी चीजें अच्छे लोगों के साथ होती है. जब मैंने टीम की कप्तानी संभाली तो तो मैं एक ही दिशा में आगे बढ़ना चाहता था. एक टीम स्पोर्ट्स गेम इसी तरह खेला जाना चाहिए. इसका पर्सनल माइलस्टोन, पर्सनल रिकॉर्ड से कोई लेना-देना नहीं है. 11 खिलाड़ी मिलकर खेले और ट्रॉफी जीते यही उद्देश्य होना चाहिए.

डेल स्टेन के वीडियो 100 बार देखे थे

रोहित शर्मा ने साउथ अफ्रीका की पिचों को वर्ल्ड में सबसे चैलेंजिंग बताया. बकौल रोहित साउथ अफ्रीका के हर मैदान में आपको अलग-अलग टेस्ट देना पड़ता है. दक्षिण अफ्रीका एक कठिन और चुनौतीपूर्ण जगह है. यहां तेज और उछालभरी पिच बहुत कुछ करती है. मजेदार खुलासा करते हुए रोहित कहते हैं, बल्लेबाजी करने जाने से पहले मैंने डेल स्टेन के वीडियो 100 बार देखे थे. वह एक लीजेंड हैं और उन्होंने जो हासिल किया है वह शानदार है, उनके खिलाफ खेलना अच्छा था, ऐसा नहीं है कि मुझे उनके खिलाफ बड़ी सफलता मिली थी, लेकिन मैंने अपनी लड़ाई का आनंद लिया.

मेरे घर में पत्थर नहीं फेंक सकते : शर्मा की मानें तो भारत में क्रिकेट कुछ अलग है और यह यूरोप में फुटबॉल की तरह ही है, शायद यहां भारत में उससे 10 गुना ज्यादा बड़ा. एक सवाल के जवाब में रोहित शर्मा कहते हैं, जब चीजें आपके अनुकूल होती हैं और आप अच्छे होते हैं तो लोग आपको भगवान की तरह दिखने लगते हैं, लेकिन अगर चीजें आपके अनुकूल नहीं होती हैं, तो आपकी परेशानियां बढ़ जाती है. पूर्व क्रिकेटर्स के घर में पत्थरबाजी हो चुकी है, लेकिन मेरे साथ नहीं हुई क्योंकि मैं हाईराइज बिल्डिंग में रहता हूं (हंसते हुए).

सात्विक-चिराग थाईलैंड ओपन के दूसरे दौर में, प्रणय हारे

एजेंसी। बैंकॉक

भारत के सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी थाईलैंड ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में मलेशिया के नूर मोहम्मद अजरिन अयूब अजरिन और तान वी कियोंग को हराकर पुरूष युगल प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई जबकि एच एस प्रणय पहले दौर में हारकर बाहर हो गए. शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने 34 मिनट में 21 . 13, 21 . 13 से जीत दर्ज की. अब उनका सामना चीन के शि हाओ नान और जेंग वेइ हान से होगा.

वहीं पांचवीं वरीयता प्राप्त प्रणय को हमवतन मेराबा लुवांग मेसनाम ने 21 . 19, 21 . 18 से हराया.अब मेराबा का सामना डेनमार्क के मैड्स क्रिस्टोफरसेन से होगा जिन्होंने भारत के किरण जॉर्ज को 21 . 15, 13 . 21, 21 . 17 से मात दी. महिला एकल में अश्मिता चालिहा ने इंडोनेशिया की एस्टर नुरूमी त्रि वार्दोयो को 19 . 21, 21 . 15, 21 . 14 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई. अब उनका सामना शीर्ष वरीयता प्राप्त चीन की हान युइ से होगा. युइ ने भारत की मालविका बंसोड़ को 21 . 11, 21 . 10 से हराया. उन्नति हुड्डा भी पहले दौर में बेल्जियम की लियाने तान से 21 . 14, 14 . 21, 9 . 21 से हार गई.

ब्रीफ खबरें

उम्मीद है कि लय कायम रखेंगे : फिल

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स के आक्रामक सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट ने उम्मीद जताई है कि लीग चरण में शानदार प्रदर्शन करने वाली उनकी टीम इंडियन प्रीमियर लीग के प्लेआफ में भी यह लय कायम रखेगी. दो बार की चैम्पियन केकेआर इस समय शीर्ष पर है. साल्ट ने केकेआर के नाइट्स डगआउट पॉडकास्ट में कहा, यह मैच दर मैच रणनीति बनाने की बात है. हम इस समय लय में है. वहीं बायें हाथ के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने कहा, हमारे लिये यह सत्र काफी सफल रहा है. हम ट्रॉफी जीतने आये हैं और उम्मीद है कि इस मकसद में कामयाब होंगे. दस साल बाद आईपीएल खेल रहे स्टार्क ने कहा, मैं लंबे समय बाद खेल रहा हूं.

इटालियन ओपन से बाहर मेदवेदेव

रोम। गत चैम्पियन दूसरी वरीयता प्राप्त दानिल मेदवेदेव अमेरिका के टॉमी पॉल से 1 . 6, 4 . 6 से हारकर इटालियन ओपन टेनिस से बाहर हो गए. इससे पहले दस बार के चैम्पियन रफेल नडाल और शीर्ष रैंकिंग वाले नोवाक जोकोविच भी हारकर बाहर हो चुके हैं. तीसरी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने नुनो बोर्गेस को 6 . 2, 7 . 5 से हराया और अब वह टेलर फ्रिट्स से खेलेंगे. फ्रिट्ज ने ग्रिगोर दिमित्रोव को 6 . 2, 6 . 7, 6 . 1 से मात दी. अलेजांद्रो ताबिलो ने कारेन खाचानोव को 7 . 6, 7 . 6 से हराया. अब वह झांग झिझेन से खेलेंगे जिन्होंने थियागो मोंटेइरो को 7 . 6, 6 . 3 से मात दी. पॉल का सामना दूसरे दौर में नडाल का मुकाबला हुबर्ट हुरकाज से होगा.

आईपीएल संभावना: प्रतिष्ठा के लिए खेलेगा गुजरात टाइटंस

सनराइजर्स को प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए एक जीत जरूरी

एजेंसी। हैदराबाद

प्रदर्शन में निरंतरता नहीं रख पाने के बावजूद सनराइजर्स हैदराबाद को इंडियन प्रीमियर लीग के प्लेआफ में जगह बनाने के लिए गुरुवार को गुजरात टाइटंस के खिलाफ सिर्फ एक जीत की जरूरत है जबकि गुजरात की टीम प्रतिष्ठा के लिए ही खेलेगी. पैट कमिंस की टीम की नजरें हालांकि शीर्ष दो में जगह पक्की करने पर लगी है. उन्हें इसके बाद एक मैच और खेलना है और उनका नेट रनरेट भी प्लस 0.406 है. सनराइजर्स के 12 मैचों में 14 अंक है और वह अधिकतम 18 अंक हासिल कर सकती है, जिससे शीर्ष दो में उसकी जगह पक्की हो जाएगी.

इस मुकाबले से पहले सनराइजर्स को एक सप्ताह का ब्रेक मिला है जिससे वे तरोताजा होकर मैदान पर लौटेंगे. इसके अलावा आठ मई को लखनऊ सुपर जाइंट्स पर रिकॉर्ड जीत दर्ज करने के बाद उसके हौसले वैसे भी बुलंद हैं. गेंदबाजों ने लखनऊ को कम स्कोर पर रोका तो ट्रेविस हेड और अभिषेक शर्मा की सलामी जोड़ी ने 166 रन का लक्ष्य दस विकेट बाकी रहते 9 . 4 ओवर में ही हासिल कर लिया. सनराइजर्स ने इस सत्र में जहां अविश्वसनीय स्कोर बनाये हैं तो शर्मनाक पराजय भी झेली है.

गुजरात ने उसे टूर्नामेंट में सात विकेट से हराया था. पिछले पांच मैचों में से तीन में उसे पराजय झेलनी पड़ी. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने उसे 35 रन से, चेन्नई सुपर किंग्स ने 78 और मुंबई इंडियंस ने सात विकेट से हराया. 2016 की चैम्पियन टीम बल्लेबाजी में हेड और शर्मा पर बुरी तरह निर्भर है. उनके नाकाम रहने पर उसकी पारी लड़खड़ा जाती है लिहाजा नीतिश रेड्डी, हेनरिच क्लासेन और अब्दुल समद को बेहतर प्रदर्शन करना होगा.

दूसरी ओर 13 में से सिर्फ पांच मैच जीत सकी गुजरात के 11 अंक ही हैं और वह जीत के साथ विदा लेना चाहेगी. पूर्व कप्तान हार्दिक पंड्या के इस सत्र में मुंबई इंडियंस के पास लौटने के बाद गुजरात की टीम में संतुलन नजर नहीं आया. पंड्या ने 2022 की खिताबी जीत और पिछले साल फाइनल तक पहुंचने में अहम भूमिका निभाई थी. चोट के कारण मोहम्मद शमी के पूरे सत्र से बाहर होने का खामियाजा भी उसे भुगतना पड़ा. कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ पिछला मैच बारिश में धुल गया लेकिन गेंदबाजों ने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ पहले तीन ओवर में तीन विकेट लेकर उम्मीद जगाई थी. बल्लेबाजी में कप्तान शुभमन गिल और बी साई सुदर्शन पर एक बार फिर अच्छी शुरुआत देने की जिम्मेदारी होगी. डेविड मिलर इस सत्र में फॉर्म में नहीं दिखे लेकिन आखिरी मैच में वह उपयोगी पारी खेलना चाहेंगे.

टीमें

- **सनराइजर्स हैदराबाद :** पैट कमिंस (कप्तान), अभिषेक शर्मा, ट्रेविस हेड, हेनरिच क्लासेन (विकेटकीपर), ऐडन मार्करम, अब्दुल समद, नीतीश रेड्डी, शाहबाज अहमद, भुवनेश्वर कुमार, जयदेव उनादकट, टी नटराजन, मयंक मार्कंडेय, उमरान मलिक, अनमोलप्रीत सिंह , ग्लेन फिलिप्स, राहुल त्रिपाठी, वाशिंगटन सुंदर, उपेन्द्र यादव, झटवेध सुब्रमण्यन, सनवीर सिंह, विजयकांत व्यासकांत, फजलहक फारूकी, मार्को यानसेन, आकाश महाराज सिंह और मयंक अग्रवाल.
- **गुजरात टाइटंस :** शुभमन गिल (कप्तान), डेविड मिलर, मैथ्यू वेड, रिद्धिमान साहा, रॉबिन मिंज, केन विलियमसन, अभिनव मंधार, बी साई सुदर्शन, दर्शन नालकंडे, विजय शंकर, अजमतुल्लाह उमरजई, शाहरुख खान, जयंत यादव, राहुल तेवतिया, कार्तिक त्यागी, शशांत मिश्रा, स्पेंसर जॉनसन, नूर अहमद, साई किशोर, उमेश यादव, राशिद खान, जोशुआ लिटिल, मोहित शर्मा और मानव सुतार.

मैं बहुत घटिया कप्तान था...

गौतम गंभीर के आरोपों पर केविन पीटरसन ने दिया जवाब, वायरल

एजेंसी। नयी दिल्ली

एक तरफ हार्दिक पांड्या की कप्तानी को लेकर जहां तमाम दिग्गज क्रिकेटर्स उन्हें जमकर लताड़ रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ गौतम गंभीर उनका साथ देने मैदान में उतर गए. इंडियन प्रीमियर लीग 2024 (आईपीएल 2024) में हार्दिक पांड्या को मुंबई इंडियंस की कप्तानी का जिम्मा मिला और उनकी कप्तानी में मुंबई इंडियंस की टीम 13 मैचों में महज चार मैच ही जीत पाई और आईपीएल प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने वाली पहली टीम भी बनी.

मुंबई इंडियंस आईपीएल 2024 पॉइंट्स टेबल में 9वें पायदान पर है और अब उसके पास महज एक ही मैच बचा है. मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन जिस तरह का रहा, उसे देखते हुए कप्तान हार्दिक पांड्या की आलोचना होना तो तय था. दिग्गज क्रिकेटर्स रहे एबी डिविलियर्स और केविन पीटरसन ने भी पांड्या की कप्तानी की जमकर आलोचना की थी, लेकिन इन सबके बीच गौतम गंभीर ने हार्दिक को बैक किया था और एबीडी के साथ-साथ केविन पीटरसन से भी तीखे सवाल किए थे. अब केविन पीटरसन ने गंभीर को जवाब दिया है और उनका जवाब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है. गौतम गंभीर ने स्पोर्ट्सकीड़ा के एक शो के दौरान कहा था कि चाहे एबी डिविलियर्स हों या फिर केविन पीटरसन इन्होंनेअपनी कप्तानी में क्या किया है, जो ये हार्दिक पांड्या की कप्तानी पर अंगुली उठा रहे हैं. गंभीर ने साथ ही कहा कि क्रिकेट एक्सपर्ट्स का काम यही है, और अगर इसी हार्दिक पांड्या की कप्तानी में अगले साल मुंबई इंडियंस अच्छा खेलेगी, तो यही लोग उसकी तारीफ भी करेंगे. इतना ही नहीं गंभीर ने कहा कि हार्दिक पांड्या आईपीएल विनिंग कप्तान हैं और इस फैक्ट को बदला नहीं जा सकता है.

बोपन्ना, एबडेन की जोड़ी इटालियन ओपन से बाहर

रोम। भारत के रोहन बोपन्ना और आस्ट्रेलिया के मैथ्यू एबडेन की जोड़ी एटीपी इटालियन ओपन के प्री क्वार्टर फाइनल में स्थानीय जोड़ी सिमोन बोलेली और आंद्रिया वावासोरी से हारकर बाहर हो गई. एक घंटे 13 मिनट तक चले मुकाबले में उन्हें 2 . 6, 4 . 6 से पराजय झेलनी पड़ी. उन्होंने पहले दौर में वाइल्ड कार्डधारी मात्तेओ अर्नाल्डी और फ्रांसिस्को पासारो को हराया था. बोपन्ना और एबडेन इस महीने की शुरुआत में मैड्रिड मास्टर्स से भी पहले दौर में बाहर हो गए थे.

चोटिल रबाडा आईपीएल से स्वदेश लौटे

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ कागिसो रबाडा पैर में चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग से स्वदेश लौट गए हैं. देश के क्रिकेट बोर्ड ने बुधवार को यह जानकारी दी. रबाडा आईपीएल में पंजाब किंग्स का प्रतिनिधित्व करते हैं. उन्होंने मौजूदा सत्र में 11 मैच में 11 विकेट चटकाए हैं. पंजाब की टीम पहले ही प्ले ऑफ के लिए क्वालीफाई करने की दौड़ से बाहर हो चुकी है और अपना अंतिम लीग मैच 19 मई को खेलेगी. क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने बयान में कहा, इस 28 वर्षीय (रबाडा) ने दक्षिण अफ्रीका पहुंचने पर विशेषज्ञ से सलाह ली और क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका की चिकित्सा टीम उन पर करीबी नजर रखे हुए है. सीएसए ने साथ ही कहा कि चोट के कारण रबाडा की अगले महीने वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारी पर असर पड़ने की संभावना नहीं है. सीएसए ने कहा, वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले आगामी आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के लिए उसकी तैयारी प्रभावित होने की संभावना नहीं है. दक्षिण अफ्रीका विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत श्रीलंका के खिलाफ न्यूयॉर्क में तीन जून को करेगा.

जानिए प्लेऑफ के लिए कितनी आसान हुई गणित

दिल्ली की जीत से बेंगलुरु को पहुंचा फायदा

एजेंसी। नयी दिल्ली

दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल 2024 के 62वें लीग मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स को हरा दिया. दिल्ली की जीत के बाद एक सवाल तेज़ी से उठ रहा है कि क्या इससे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को फायदा पहुंचेगा? तो इसका जवाब 'हां' हो सकता है. दिल्ली ने लखनऊ को हराकर उसको 16 प्वाइंट्स तक जाने से रोक दिया, जो कहीं न कहीं आरसीबी के लिए फायदेमंद होगा. तो आइए जानते हैं अब क्या है पूरा समीकरण और आरसीबी के लिए प्लेऑफ का गणित कितना आसान हुआ.

दिल्ली की जीत से सबसे बड़ा फायदा तो राजस्थान रॉयल्स को हुआ. दिल्ली के जीत दर्ज करते ही राजस्थान ने प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई कर लिया. इसके अलावा दिल्ली ने इस जीत के साथ बेंगलुरु के लिए भी कुछ राह आसान कर दी है. ऋषभ पंत की कप्तानी वाली दिल्ली कैपिटल्स ने सीज़न का आखिरी लीग मैच लखनऊ के खिलाफ खेला, जिसमें जीत हासिल कर उन्होंने 14 प्वाइंट्स हासिल कर लिए.

अब क्वालिफाई करने की रेस में मौजूद चेन्नई सुपर किंग्स, दिल्ली कैपिटल्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और लखनऊ सुपर जायंट्स की टीमें 14-14 ज़्यादा से ज़्यादा प्वाइंट्स ही हासिल कर सकती हैं. ऐसे में बेहतर नेट रनरेट वाली टीम चौथे पायदान के लिए क्वालिफाई करेगी.

अंजुम और ऐश्वर्य ओलंपिक क्वालीफिकेशन ट्रायल में शीर्ष पर

एजेंसी। भोपाल

अंजुम मुद्गिल और ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने ओलंपिक चयन ट्रायल टी3 क्वालीफिकेशन दौर में महिलाओं और पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस क्वालीफिकेशन में पहला स्थान हासिल किया. नीलिंग, प्रोन और स्टैंडिंग पोजिशंस में 20 शॉट के बाद अंजुम का स्कोर 600 में से 592 था. वहीं ऐश्वर्य ने 590 स्कोर किया. पांच निशानेबाजों का फाइनल गुरुवार को होगा. महिलाओं की थ्री पोजिशन में भारत की नंबर एक निशानेबाज और विश्व रिकॉर्डधारी सिफत कौर सामरा दूसरे स्थान पर रही. आशी चौकसी, निश्छल और श्रियांका साडंगी 585 स्कोर करके उनके बाद रहीं. पुरुषों की थ्री पोजिशंस में स्वप्निल कुसाले 587 का स्कोर करके दूसरे स्थान पर रहे. अखिल श्योराण तीसरे, चैन सिंह चौथे और नीरज कुमार पांचवें स्थान पर रहे.

दक्षिण अफ्रीकी टीम में एकमात्र अश्वेत खिलाड़ी, हो रही आलोचना

एजेंसी। जोहानिसबर्ग

टी20 विश्व कप टीम में कागिसो रबाडा के रूप में सिर्फ एक अश्वेत अफीकी खिलाड़ी को शामिल करने के लिए क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) की आलोचना हो रही है. दक्षिण अफ्रीका की 15 सदस्यीय संभावित टीम में रबाडा सहित छह अश्वेत खिलाड़ी शामिल थे. सीएसए के बदलाव लाने के लक्ष्य के अंतर्गत एक सत्र के दौरान दक्षिण अफ्रीका की अंतिम एकादश में छह अश्वेत खिलाड़ियों का होना जरूरी है. लेकिन टी20 विश्व कप के लिए चुनी टीम में रबाडा के रूप में केवल एक अफ्रीकी अश्वेत खिलाड़ी मौजूद हैं. सीएसए के अपने लक्ष्य को पूरा नहीं करने की वजह से उसकी आलोचना की जा रही है. दक्षिण अफ्रीका के पूर्व खेल मंत्री फिकिले एमबालुला ने टीम के चयन पर सवाल उठाते हुए 'एक्स' पर लिखा, आगामी टी20 विश्व कप 2024 की टीम के लिए केवल एक अफ्रीकी खिलाड़ी को दक्षिण अफ्रीका की टीम में चुना गया है. निश्चित रूप से यह बदलाव लाने के लक्ष्य से उलट है और इसमें दक्षिण अफीकी लोगों का उचित प्रतिनिधित्व नहीं है. एसएबीसी स्पोर्ट पर सीएसए के और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के पूर्व अध्यक्ष रे माली ने कहा कि देश इस खेल में पिछड़ रहा है. उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि बहुत कुछ हासिल कर लिया गया है. लेकिन मेरा मानना है कि हम क्रिकेट के मामले में पिछड़ रहे हैं. हमने आगे बढ़ने के बजाय एक कदम पीछे ले लिया है.

क्रिकेट द्रविड़ के बाद कौन? टीम इंडिया टीम के लिए हो रही नए कोच की तलाश

पोंटिंग व फ्लेमिंग रेस में आगे, एक वर्ल्ड चैंपियन तो दूसरा धौनी का गुरु

एजेंसी। नयी दिल्ली

राहुल द्रविड़ का टीम इंडिया के हेड कोच के पद पर कार्यकाल जून महीने में समाप्त होने वाला है. द्रविड़ ने इच्छा जताई थी कि वे कोचिंग जॉब छोड़ना चाहते हैं, ऐसे में टीम को नया कोच मिलने की कवायदें तेज हो गई हैं. नए कोच के विकल्प के तौर पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने ना केवल भारत बल्कि विदेशी कोच होने के विकल्प को भी खुला रखा है. अब रेव स्पोर्ट्ज की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि बीसीसीआई ने रिकी पोंटिंग से कोच पद के संबंध में संपर्क साधा है. बता दें कि पोंटिंग के अलावा न्यूजीलैंड के दिग्गज खिलाड़ी स्टीफन फ्लेमिंग को भी मुख्य कोच के विकल्प के तौर पर देखा जा रहा है. जून के अंत में राहुल द्रविड़ का कार्यकाल समाप्त होने के बाद, यानी टी20 वर्ल्ड कप 2024 के उपरांत भारतीय टीम एक नए कोच के अंडर खेलती दिखाई देगी.

रिकी पोंटिंग और स्टीफन फ्लेमिंग अभी टीम इंडिया के कोच बनने की रेस में सबसे आगे चल रहे हैं. बता दें कि उनसे पहले गैरी कर्स्टन और जॉन राइट के अंडर भारतीय टीम ने खूब सफलता प्राप्त की है. हमने आपको बताया कि राहुल द्रविड़ का कार्यकाल जून महीने के अंत में समाप्त हो जाएगा. वहीं नए कोच का कार्यकाल 1 जुलाई, 2024 से लेकर 31 दिसंबर, 2027 तक रहेगा. इसका अर्थ है कि नए कोच पर जिम्मेदारी होगी कि वह 2027 वनडे क्रिकेट वर्ल्ड कप के लिए मजबूत भारतीय टीम तैयार करे. याद दिला दें कि द्रविड़ का कार्यकाल पिछले साल ही समाप्त होने वाला था, लेकिन वनडे क्रिकेट वर्ल्ड कप 2023 के बाद उनके कॉन्ट्रैक्ट को बढ़ा दिया गया था. BCCI ने हेड कोच पद के लिए आवेदन लेने शुरू कर दिए हैं और आवेदन के लिए आखिरी तारीख 27 मई रखी गई है.

आईपीएल में कोचिंग करते हैं दोनों दिग्गज

रिकी पोंटिंग की बात करें तो वे साल 2018 से ही आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स की कोचिंग कर रहे हैं. रिकी पोंटिंग वनडे क्रिकेट में अपनी कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया को 2 बार वर्ल्ड चैंपियन बना चुके हैं. उनके कप्तान रहते ऑस्ट्रेलिया ने 2003 और 2007 में वर्ल्ड कप ट्रॉफी उठाई थी. दूसरी ओर स्टीफन फ्लेमिंग 2009 से ही चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कोच बने हुए हैं और उनका कोचिंग अनुभव टीम इंडिया के बहुत काम आ सकता है.

बेहतरीन कप्तान पंत, समय के साथ निखरेगा : गांगुली

एजेंसी। नयी दिल्ली

दिल्ली कैपिटल्स के क्रिकेट निदेशक सौरव गांगुली का मानना है कि ऋषभ पंत एक बेहतरीन कप्तान है और समय तथा अनुभव के साथ उसकी कप्तानी में निखार आएगा. दिसंबर 2022 में भयावह कार हादसे के शिकार हुए पंत ने आईपीएल के इसी सत्र से मैदान पर वापसी की है. गांगुली ने जियो सिनेमा से कहा, पंत युवा कप्तान है और वह समय के साथ सीखेगा.जिस तरह चोट से वापसी के बाद उसने पूरा सत्र खेला, हमें आफ सीजन के दौरान इसका यकीन नहीं था. उन्होंने कहा,आईपीएल अब दस टीमों का हो गया है और भारतीय क्रिकेटर महत्वपूर्ण हैं. मुझे खुशी है कि उसने वापसी करके पूरा सत्र खेला. मेरी शुभकामनाएं उसके साथ है. उन्होंने कहा, कोई भी पहले दिन से महान कप्तान नहीं होता. वह भी सीख रहा है और समय के साथ बेहतर होगा.

ब्रीफ खबरें

मंसूरी हत्याकांड में दो को उम्र कैद की सजा

अररिया । अररिया जिला एवं सत्र न्यायाधीश हर्षित सिंह के कोर्ट ने बुधवार को तीन साल पहले फारबिसगंज के रामपुर दक्षिण निवासी साहेब मंसूरी हत्याकांड मामले में दो आरोपितों को उम्र कैद की सजा सुनाई है. हत्याकांड मामले में रामपुर दक्षिण निवासी 26 वर्षीय मो.सद्दाम और 22 वर्षीय मो.अजमूल को उम्र कैद की सजा सुनाई गयी है. सजा के बिंदु पर जहां लोक अभियोजक लक्ष्मीनारायण यादव ने दोनों आरोपितों को जघन्य अपराध करने को लेकर फांसी देने की अपील की.

नाबालिग से गैंगरेप एक आरोपी गिरफ्तार

रक्सौल । जिले के रक्सौल अनुमंडल के एक गांव से शर्मसार करने वाली घटना सामने आयी है. जहां हैवानों ने 12 वर्षीय एक नाबालिग बच्ची को नशे का इंजेक्शन देकर गैंग रेप की घटना को अंजाम दिया है. घटना के बाद पूरे क्षेत्र में आक्रोश व्याप्त है. पीडिता का इलाज चल रहा है, उसकी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है. घटना को लेकर पीड़िता की मां के आवेदन पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर त्वरित कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है, जिससे सख्ती से पूछताछ की जा रही है. साथ ही उसकी निशानदेही पर अन्य आरोपियों की खोज में छापेमारी की जा रही है.

250 किलो गांजा के साथ तस्कर गिरफ्तार

पटना । सीमा पार नेपाल के मोरंग जिला पुलिस ने कच्चे केले लदे पिकअप वैन में छिपाकर रखे गए तस्करी के 250 किलो गांजा के साथ तस्कर को गिरफ्तार किया है. मोरंग पुलिस ने यह कार्रवाई तब की जब मंगलवार देर रात तस्कर भेड़ियारी बॉर्डर से गांजा की तस्करी कर नेपाल से भारत लाने का प्रयास कर रहा था. गांजा को विराटनगर मेट्रोपॉलिटन सिटी -17 आईसीपी रोड से राज्य 1-02-02 सीएच 6331 नंबर की एक पिकअप वैन से बरामद किया गया. तस्कर पिकअप गाड़ी को भारत ले जाने वाला था कि नेपाल पुलिस ने यह कार्रवाई की.

लोकसभा चुनाव : मोतिहारी में राजद पर गरजे जेपी नड्डा, कहा-

तुम क्या दोगे नौकरी, रोजगार और विकास दोनों देंगे मोदी जी

▪ कहा कि राजद ऐसे ही नौकरी देगी. नौकरी के बदले गरीबों की जमीन लेगी

संवाददाता ।मोतिहारी

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बुधवार को मोतिहारी में आयोजित सभा में राजद पर जमकर हमला किया. नड्डा ने कहा कि राजद का मतलब रिश्वतखोरी, जंगलराज और दलदल है. उन्होंने कहा कि ये दल नहीं है, दलदल है. लोग भूल जाते हैं कि 2003 में तेलपिलावन लठियाभाजन रैली हुई थी कि नहीं? मैं बिहार का ही रहने वाला था. ऐसे लोग आज कल बोलते हैं हम नौकरी देंगे, नौकरी देंगे. तुम नौकरी दोगे यह इसलिए बोलते हो कि पीएम मोदी ने रिपोर्ट कार्ड की राजनीति कर दी है. अब तुम्हारी लठिया गई घर में और नौकरी की बात करनी पड़ रही है. तुम क्या नौकरी दोगे, रोजगार देंगे मोदी जी और देश को विकास की ओर ले जाएंगे.

लालू यादव ने चारा खाया... अलकतरा खाया : नड्डा ने राजद सुप्रीमो पर हमला करते हुए कहा कि लालू यादव ने चारा खाया, अलकतरा खाया, नौकरी के बदले जमीन ली. लोगों से पूछा कि ऐसी नौकरी लेनी है क्या? कहा कि राजद ऐसे ही नौकरी देगी. नौकरी के बदले गरीबों की जमीन लेगी. उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए नड्डा राजद के साथ-साथ कांग्रेस पर भी बरसे. नड्डा ने कहा कि कांग्रेस कोई पार्टी नहीं है. भ्रष्टाचार पार्टी है. सब भ्रष्टाचार में लिप्त हैं. कोयला घोटाला, चीनी घोटाला, चावल घोटाला, समुद्र का पनडुब्बी घोटाला, अंतरिक्ष में 2जी घोटाला, हेलीकॉप्टर का घोटाला, कोई जगह नहीं छोड़ी. बता दें कि मोतिहारी में छठे चरण के तहत 25 मई को चुनाव होना है. चुनावी सभा को संबोधित करने के लिए जेपी नड्डा पहुंचे थे. इस दौरान उन्होंने महागठबंधन को निशाने पर लिया.

जदयू की पूर्व विधायक पूनम देवी ने थामा कांग्रेस का हाथ

पटना । जदयू की पूर्व विधायक पूनम देवी ने बुधवार को कांग्रेस का दामन थाम लिया. कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने पूनम देवी को प्राथमिकता सदस्यता दिलाई. पूनम देवी जदयू से 2005 से लेकर 2020 तक लगातार 15 सालों तक खगड़िया सदर विधानसभा क्षेत्र से विधायक रह चुकी हैं. 2020 में वह चुनाव हार गईं. पूनम देवी का जदयू में काफी दबदबा रहा था. अब पूनम देवी के कांग्रेस में आ जाने से पार्टी अपने आप को मजबूत मान रही है. पूनम देवी ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण करने के बाद कहा कि भगवान राम 14 वर्ष का वनवास काटकर अयोध्या लौटे थे. हम 24 साल बाद अपने घर में वापस आए हैं. कहा कि 1985 में हम कांग्रेस में आए थे और उस वक्त मसौढ़ी विधानसभा से पार्टी ने चुनाव लड़ाया था. हम जीते भी थे, लेकिन 1990 और 1995 में चुनाव हार गए थे.

औरंगाबाद में नक्सलियों की मंशा नाकाम

पुलिस ने चार आईईडी को किया नष्ट

संवाददाता ।पटना

औरंगाबाद के मदनपुर थाना क्षेत्र के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में मंगलवार की रात सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने की नियत से नक्सलियों के लगाए गए चार आईईडी पुलिस ने बरामद किए. साथ ही उसे विनष्ट कर जवानों ने उनके मंसूबों पर लगातार दूसरी बार पानी फेर दिया है. इससे पहले 9 मई को भी नक्सलियों की ऐसी ही गतिविधि का मुंहतोड़ जवाब देते हुए सीआरपीएफ की कोबरा एवं मदनपुर पुलिस ने 3 से 4 किलो वजन के चार आईईडी बरामद कर उन्हें विनष्ट किया था और कई सुरक्षाबलों के जवानों की जान बचाई थी. इस छापेमारी अभियान के तहत 10 मई को 12:15 बजे लड़इया पहाड़, बंदी, करीबाडोभा के पास से चार किलोग्राम का एक प्रेशर आईडी,12 मई को लड़इआ पहाड़, शिकारी कुआं, करीबा डोभा के पास से 3 किलोग्राम का एक प्रेशर आईईडी तथा 14 को लड्डया पहाड़, सिमरिया डाह के पास से 3 किलोग्राम का एक प्रेशर आईडी बरामद किया गया और जिन्हें यथावत स्थान पर नष्ट भी कर दिया गया. एसपी ने बताया कि लगातार हो रही इस छापेमारी अभियान के फलस्वरूप नक्सलियों का मनोबल काफी गिरा है और उनके हौसले पस्त हुए हैं. पुलिस लगातार ऐसी गतिविधियों पर नजर बनाए हुए हैं, ताकि चुनाव के दौरान सुरक्षाबलों को कोई नुकसान नहीं पहुंचे और चुनाव कार्य शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया जा सके.

हथियार के साथ शराब कारोबारी गिरफ्तार

नालंदा । नालंदा में बुधवार को शराब की सूचना पर छापेमारी करने गई पुलिस ने हथियार के साथ भारी मात्रा में कारतूस बरामद किए. दरअसल वरीय पुलिस पदाधिकारी को गुप्त सूचना मिली थी कि नौरंगा गांव के एक मकान में भारी मात्रा में चुलाई शराब रखी गई है, जब स्थानीय पुलिस ने वहां छापेमारी की तो 12 लीटर चुलाई शराब के साथ-साथ एक कट्टा और आठ जिंदा कारतूस बरामद किए. इस दौरान एक धंधेबाज को भी गिरफ्तार किया गया. गांव से पुलिस सभी सामग्री को बरामद करके थाना लेकर आई.

अनंत सिंह बोले-

नीतीश कुमार जैसा मुख्यमंत्री बिहार में पैदा नहीं हुआ, न होगा

पटना । पूर्व विधायक बाहुबली अनंत सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की तारीफ में कसीदें गढ़े हैं. पैरोल पर 15 दिन के लिए बाहर आए अनंत सिंह ने स्पष्ट कहा कि नीतीश कुमार की तरह न कोई मुख्यमंत्री बिहार में पैदा हुआ और न ही पैदा होगा. बिहार में उनके जैसा मुख्यमंत्री कभी नहीं होगा. सिंह ने कहा कि नीतीश कुमार के पास कोई पारिवारिक जिम्मेदार नहीं थी. उनके भाई आज भी दवा बेचते हैं. बेटा भी राजनीति से दूर है. सीएम के परिवार के बारें में सबको पता है.

सिंह ने कहा कि सीएम नीतीश कुमार दिन-रात काम में ही लगे रहते थे. वहीं, राजद सुप्रीमो लालू यादव पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि आपने लालू यादव का शासन नहीं देखा है. उस वक्त अपहरण उद्योग चलता था.

हाईकोर्ट में पेपर लीक मामले को रद्द करने के लिए याचिका दायर की

पटना । नीट परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक मामला पटना हाईकोर्ट तक पहुंच गया है. हाइकोर्ट के अधिवक्ता सुजीत कुमार सिन्हा की ओर से वकील विशाल सौरभ ने एक जनहित याचिका दायर कर प्रश्नपत्र लीक मामले की जांच सीबीआई से कराने की मांग की है. इसके साथ ही याचिका में परीक्षा को रद्द कर दुबारा आयोजित कराने का अनुरोध भी किया गया है. याचिका कर्ताओं का कहना है कि कुछ चंद लोगों की वजह से देश के लाखों मेडिकल छात्रों का भविष्य अधर में हैं. ऐसे में इस मामले की सीबीआई से निष्पक्ष जांच करा दोषियों को कड़ी सजा दी जाए. याचिका में बताया गया है कि इस मामले की जांच पुलिस द्वारा की जा रही है. शास्त्रीनगर थाना में केस दर्ज कर अब तक 13 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है.

टीसी देने के लिए पैसे की मांग करते थे प्रभारी

ग्रामीणों ने स्कूल में जड़ा ताला, जमकर काटा बवाल

संवाददाता ।नवादा

जिले में रोह प्रखंड स्थित मध्य विद्यालय बारापंडेया में ग्रामीणों ने बुधवार को ताला जड़ दिया. घटना की सूचना मिलते ही प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी बिंदू कुमारी, प्रखंड परियोजना प्रबंधक नमन कुमार पहुंचे और ग्रामीणों को समझा-बुझाकर ताला खुलवाया. ताला जड़ने का कारण बच्चों को नजराने की मांग को लेकर टीसी नहीं मिलना बताया जा रहा है. जानकारी के अनुसार पूर्व से इस विद्यालय में सीमा कुमारी प्रभारी प्रधानाध्यापक के रूप में कार्य कर रही थी. इसके बाद एक माह पूर्व वरीय शिक्षिका धर्मशीला कुमारी को

प्रभार दिया गया. लेकिन सीमा कुमारी द्वारा धर्मशीला कुमारी को पूर्ण प्रभार नहीं दिया गया. कहा जा रहा है कि रुपये की मांग को लेकर टीसी नहीं दी जाती है.

नामांकन पंजी भी अपने पास ही रखी, जिसके कारण आठवां पास बच्चों का नामांकन नहीं हो रहा था, जिससे आक्रोशित ग्रामीणों ने अपने बच्चों के साथ विद्यालय पहुंचकर ताला जड़ दिया.

आरक्षण समाप्त करने की हिम्मत किसी में नहीं : सम्राट चौधरी

पूर्वी चंपारण । जिले के गायघाट स्थित माध्यमिक प्लस टू विद्यालय के प्रांगण में बुधवार को एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि किसी पार्टी की नेताओं में दम नहीं है कि आम जनता की आरक्षण को समाप्त कर दे. देश को अब कहीं से खतरा नहीं है, लेकिन अब खतरा राजद और कांग्रेस से उत्पन्न होने वाली है. वहीं, लोजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि मैं भी निचली जाति से आता हूं मुझे पार्टी में रहकर मुझे कोई संविधान का खतरा नहीं है, ना ही आरक्षण पर खतरा हैं, जो लोग नौकरी के बदले जमीन लिए कई घोटाले किए, वे लोग ही आज लोगों को संविधान बदलने की बात कह कर अफवाह कर रहे हैं.

असम राइफल्स के जवान चुनाव ड्यूटी के लिए जा रहे थे सारण

बस दुर्घटनाग्रस्त, कई जवान घायल

संवाददाता ।मुजफ्फरपुर

लोकसभा चुनाव को लेकर पांचवें चरण में मतदान के लिए पुलिस के जवानों को चुनाव क्षेत्र में भेजा जा रहा है. इसी बीच बुधवार को सारण में चुनाव के लिए ड्यूटी पर जाने के दौरान असम राइफल्स टीम की बस मुजफ्फरपुर में दुर्घटनाग्रस्त हो गई. हादसे के बाद वहां काफी अफरा-तफरी मच गई. बस में सवार कई जवान घायल हो गए. दो की हालत गंभीर बनी हुई है, सभी घायलों का इलाज एसकेएमसीएच में चल रहा है. जानकारी के मुताबिक जवानों को लेकर जा रही बस की टक्कर एक ट्रक से हो गई, जिससे बस में सवार कई जवान घायल हो गए. मौके पर स्थानीय लोगों ने तत्काल घटनास्थल

पर पहुंच कर राहत और बचाव का काम किया और स्थानीय थाने को घटना की जानकारी दी.

ये हादसा मुजफ्फरपुर के सकरा थाना इलाके के सबहा गांव के पास एनएच-28 पर हुआ है. हादसे की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने वहां

उपस्थित लोगों के सहयोग से दुर्घटना में घायल असम राइफल्स के लोगों को तत्काल प्राथमिक इलाज करवा कर गंभीर रूप से घायल जवानों को एसकेएमसीएच भेज दिया, जहां डॉक्टरों की टीम घायलों का इलाज कर रही हैं.

कारोबार

पीएफसी का मुनाफा 23 प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली । पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन (पीएफसी) का वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 23 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 7,556.43 करोड़ रुपये रहा. कंपनी का वित्त वर्ष 2022-23 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में शुद्ध लाभ 6,128.63 करोड़ रुपये रहा था. समीक्षाधीन तिमाही में कुल आय बढ़कर 24,176.34 करोड़ रुपये हो गई. खर्च 14,579.16 करोड़ रुपये रहा. कंपनी ने वित्त वर्ष 2023-24 में सर्वाधिक वार्षिक लाभ 26,461 करोड़ रुपये दर्ज किया.

एलआईसी को सेबी ने अतिरिक्त तीन साल दिए

नयी दिल्ली । एलआईसी को बाजार नियामक सेबी ने 10 प्रतिशत सार्वजनिक शेयर धारिता मानदंड का पालन करने के लिए 16 मई 2027 तक तीन साल का अतिरिक्त समय दिया है. फिलहाल एलआईसी में सरकारी हिस्सेदारी 96.50 प्रतिशत और सार्वजनिक हिस्सेदारी 3.50 प्रतिशत है. एलआईसी ने शेयर बाजार को बताया, सेबी ने 14 मई 2024 को पत्र के जरिए निगम को 10 प्रतिशत सार्वजनिक शेयरधारिता हासिल करने के लिए तीन साल का अतिरिक्त समय देने के फैसले की जानकारी दी.

सिप्ला ने 2.53 प्रतिशत हिस्सेदारी बेची

नयी दिल्ली । दवा कंपनी सिप्ला के प्रवर्तकों ने तरलता बढ़ाने के मकसद से कंपनी में 2.53 प्रतिशत हिस्सेदारी बेच दी है. मुंबई स्थित दवा विनिर्माता ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि कुछ कंपनी प्रवर्तकों ने 15 मई 2024 को 2,04,50,375 शेयर बेचे. कंपनी के अनुसार, शिरीन हामिद, रुमाना हामिद, समीना हामिद और ओकासा फार्मा प्राइवेट लिमिटेड ने परोपकार सहित विशिष्ट जरूरतों के लिए तरलता बढ़ाने के मकसद से सिप्ला लिमिटेड के 2.53 प्रतिशत शेयर बेचे हैं. इसमें कहा गया कि लेनदेन के बाद समूचे प्रवर्तक समूह की कंपनी में 31.67 प्रतिशत हिस्सेदारी है.

एसबीआई ने दिया अपने ग्राहकों को तोहफा

एफडी की ब्याज दरों में किया इजाफा

▪ बैंक ने 2 करोड़ से कम और 2 करोड़ से अधिक दोनों तरह की एफडी पर की बढ़ोतरी

एजेंसी ।नयी दिल्ली

नयी दिल्ली : देश के टॉप पब्लिक सेक्टर बैंक भारतीय स्टेट बैंक ने अपनी फिक्स्ड डिपॉजिट स्कीम की ब्याज दरों में बदलाव किया है. बैंक ने 2 करोड़ से कम और 2 करोड़ से अधिक दोनों तरह की एफडी स्कीम के ब्याज दर में बढ़ोतरी की है. बैंक की आधिकारिक वेबसाइट पर दी गई जानकारी के मुताबिक नई दरें बुधवार 15 मई 2024 से लागू हो गई हैं. एसबीआई ने 2 करोड़ से कम की एफडी स्कीम पर 75 बेसिस प्वाइंट्स तक की बढ़ोतरी कर दी है. बैंक ने 2 करोड़ से कम डिपॉजिट की एफडी स्कीम पर ब्याज दरों में बड़ा बदलाव किया है. 46 दिन से लेकर 179 दिन की एफडी स्कीम पर 75 बेसिस प्वाइंट्स की बढ़ोतरी की गई है. ऐसे में अब सामान्य ग्राहकों को 4.75 फीसदी के बजाय 5.50 फीसदी ब्याज दर मिल रहा है. वहीं सीनियर सिटीजन को इस अवधि की एफडी पर 5.25 फीसदी के बजाय 6 फीसदी ब्याज दर का लाभ मिल रहा है. वहीं, बैंक ने 180 से 210 दिन की एफडी की ब्याज दरों में भी 25 बेसिस प्वाइंट्स की बढ़ोतरी किया है. ऐसे में सामान्य ग्राहकों को अब 5.75 फीसदी के बजाय 6 फीसदी ब्याज दर का लाभ मिलेगा. वहीं 211 दिन से लेकर 1 साल तक की एफडी स्कीम पर बैंक सामान्य ग्राहकों को 6.00 फीसदी के बजाय 6.25 फीसदी और सीनियर सिटीजन को 6.75 फीसदी ब्याज दर ऑफर कर रहा है.

बल्क एफडी की ब्याज दरों में किया बदलाव

स्टेट बैंक ने रिटेल के अलावा बल्क एफडी की ब्याज दरों में भी बदलाव किया है. बैंक ने 7 से 45 दिन की एफडी स्कीम पर 25 बेसिस प्वाइंट्स की बढ़ोतरी की है. अब बैंक सामान्य ग्राहकों को 5.00 फीसदी के बजाय 5.25 फीसदी ब्याज दर ऑफर कर रही है. वहीं सीनियर सिटीजन को 5.50 फीसदी के बजाय 5.75 फीसदी ब्याज दर ऑफर कर रही है. वहीं 46 से 179 दिन की एफडी पर बैंक ने 50 बेसिस प्वाइंट्स की ब्याज दरों में इजाफा किया है. अब बैंक इस दौरान सामान्य ग्राहकों को 5.75 फीसदी के बजाय 6.25 फीसदी और सीनियर सिटीजन को 6.25 फीसदी के बजाय 6.75 फीसदी ब्याज दर ऑफर कर रहा है. वहीं बैंक ने 180 से 210 दिन की बल्क एफडी की ब्याज दरों में 10 बेसिस प्वाइंट्स का इजाफा किया है. अब सामान्य ग्राहकों को 6.50 फीसदी के बजाय 6.60 फीसदी और सीनियर सिटीजन को 7.00 फीसदी के बजाय 7.10 फीसदी ब्याज दर ऑफर कर रहा है. बैंक 1 से 2 साल की बल्क एफडी स्कीम पर 20 बेसिस प्वाइंट्स की बढ़ोतरी का फैसला किया है. अब ग्राहकों को इस दौरान 7 फीसदी और सीनियर सिटीजन को 7.50 फीसदी ब्याज दर ऑफर कर रहा है.

केनरा बैंक, जेएसडब्ल्यू एनर्जी सहित 13 कंपनियों को किया शामिल

नयी दिल्ली । केनरा बैंक, जेएसडब्ल्यू एनर्जी, एनएचपीसी और जिंदल स्टेनलेस सहित 13 कंपनियों को एमएससीआई इंडिया सूचकांक में शामिल किया जाएगा. सूचकांक का संकलन करने वाले एमएससीआई के अनुसार, बॉश, केनरा बैंक, इंडस टावर्स, जिंदल स्टेनलेस, जेएसडब्ल्यू एनर्जी, मैनकाइंड फार्मा, एनएचपीसी, पीबी फिनटेक, फीनिक्स मिल्स, सोलर इंडस्ट्रीज इंडिया, सुंदरम फाइनेंस, थर्मैक्स और टोरेंट पावर एमएससीआई इंडिया सूचकांक में शामिल होने वाली कंपनियां हैं. दूसरी ओर तीन कंपनियां बर्जर पेंट्स, इंद्रप्रस्थ गैस और वन97 कम्युनिकेशंस सूचकांक से बाहर हो गईं. इसमें कहा गया, एमएससीआई ग्लोबल स्टैंडर्ड इंडेक्स के घटकों में बदलाव 31 मई 2024 को कारोबार के अंत में होंगे. सूचकांक में शामिल की गईं कुछ कंपनियां बीएसई पर बढ़त के साथ कारोबार कर रही हैं. ग्लोबल इक्विटी पोर्टफोलियो को आंकने के लिए वैश्विक वित्त घराने 'एमएससीआई ग्लोबल स्टैंडर्ड इंडेक्स' का व्यापक रूप से इस्तेमाल करते हैं.

घटिया आयोडीन युक्त नमक का मामला

टाटा केमिकल्स लिमिटेड पर से अदालत ने हटा दिया जुर्माना

एजेंसी ।नागपुर

बंबई उच्च न्यायालय की नागपुर पीठ ने 2016 में महाराष्ट्र के बुलढाणा में खाद्य सुरक्षा अपीलीय न्यायाधिकरण द्वारा जारी उस आदेश को रद्द कर दिया है, जिसमें टाटा केमिकल्स लिमिटेड और अन्य कंपनियों पर घटिया आयोडीन युक्त नमक बनाने व बिक्री करने के लिए जुर्माना लगाया गया था.

न्यायमूर्ति अनिल एल. पानसरे ने अपने आदेश में भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) को भविष्य में ऐसे मामलों में प्रक्रियात्मक अनुपालन और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए उचित सलाह या परिपत्र जारी करने का भी निर्देश दिया. टाटा केमिकल्स लिमिटेड व अन्य बनाम महाराष्ट्र राज्य से जुड़े मामले में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 की धारा 71(6) के तहत 13 अक्टूबर, 2016 के आदेश के खिलाफ अपील की गई थी.

2011 के नियमों को पालन नहीं किया गया : अपील टाटा केमिकल्स लिमिटेड और अन्य ने की थी. उच्च न्यायालय ने अपने फैसले में मामले में कई गंभीर विसंगतियों और प्रक्रियात्मक खामियों को रेखांकित किया. पाया गया कि खाद्य विश्लेषक की रिपोर्ट जिसमें उत्पाद को गलत ब्रांड बताया गया, उसका अपीलकर्ताओं ने विरोध किया. इसके बाद मामले को आगे के विश्लेषण के लिए रेफरल फूड लेबोरेटरी (आरएफएल) को भेजा गया. आदेश में कहा गया है कि आरएफएल की रिपोर्ट यह निष्कर्ष निकाला गया कि उत्पाद घटिया है लेकिन प्रारंभिक रिपोर्ट से इसके लिए पर्याप्त तर्क या औचित्य प्रदान नहीं किए गए. पारदर्शिता की इस कमी से आरएफएल के निष्कर्षों की वैधता और प्रक्रिया की समग्र अखंडता पर सवाल उठते हैं. न्यायमूर्ति पानसरे ने आदेश में कहा, आरएफएल ने स्पष्ट रूप से 2011 के नियमों में निर्धारित समय सीमा का पालन नहीं किया. इस तरह रिपोर्ट में अनिवार्य प्रावधानों का अनुपालन नहीं हुआ.

आईआईएफसीएल का मुनाफा 44 प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली । इंडिया इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस कंपनी लिमिटेड (आईआईएफसीएल) का वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में एकल शुद्ध लाभ 44 प्रतिशत बढ़कर 1,552 करोड़ रुपये रहा. सार्वजनिक क्षेत्र की बुनियादी ढांचा वित्त कंपनी का वित्त वर्ष 20222-23 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में शुद्ध लाभ 1,076 करोड़ रुपये रहा था. आईआईएफसीएल के प्रबंध निदेशक पी. आर. जयशंकर ने वार्षिक वित्तीय आंकड़ों की घोषणा करते हुए कहा कि कंपनी ने अभी तक का सबसे अधिक लाभ दर्ज किया. उन्होंने कहा, किसी वित्त वर्ष में पहली बार शुद्ध लाभ 2,000 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करते हुए 2,029 करोड़ रुपये रहा.

भिलाई इस्पात संयंत्र स्थापित करेगा सौर ऊर्जा प्रणाली

दुर्ग (छत्तीसगढ़) । भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड (सेल) की इकाई भिलाई इस्पात संयंत्र अपने परिसर और टाउनशिप में सौर ऊर्जा प्रणाली स्थापित करेगी. अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी. अधिकारियों ने बताया कि इस संबंध में छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (क्रेडा) ने एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं.

पहल

डिश टीवी द्वारा 'डिशटीवी स्मार्ट' सर्विसेज के साथ मनोरंजन इंडस्ट्री में आई क्रांति

किसी भी स्क्रीन पर देखें टीवी और ओटीटी एक साथ

संवाददाता ।रांची

डिश टीवी ने भारत में मनोरंजन अनुभव को फिर से परिभाषित करने के लिए एक अग्रणी पहल की है. अग्रणी डीटीएच प्रदाता ने अपनी इस पहल में अपने अभूतपूर्व प्रस्ताव 'डिश टीवी स्मार्ट' प्लस सर्विसेज की घोषणा की है. यह लॉन्च इस इंडस्ट्री में एक नया उदाहरण स्थापित कर रहा है, जो ग्राहकों को किसी भी स्क्रीन पर, कहीं भी, बिना किसी अतिरिक्त लागत के टीवी और ओटीटी दोनों कॉन्टेंट तक अपनी पहुंच प्रदान करता है. यह सुविधा, लचीलापन और उन्नत मनोरंजन विकल्प को सुनिश्चित करती है, जिससे ग्राहकों के देखने के अनुभव को और भी सशक्त बनाया जा सकता है.

'डिश टीवीस्मार्ट प्लस' सर्विसेज के साथ, सभी डिश टीवी और डी2एच ग्राहक, जिनमें नए और मौजूदा ग्राहक भी शामिल हैं, अपने चुने हुए टीवी सब्सक्रिप्शन पैक के साथ लोकप्रिय ओटीटी ऐप्स का आनंद भी ले सकते हैं. डिश टीवी इन उपकरणों में अपनी सेवाओं को सहजता से एकीकृत करने के लिए शीर्ष (टॉप) टीवी और मोबाइल मूल उपकरण निर्माताओं (ओईएम) के साथ भी सहयोग करेगा, जिससे सभी उपयोगकर्ता को भरपूर अनुभव मिलेगा.

डिश टीवी अपने सभी ग्राहकों को अब टीवी सब्सक्रिप्शन के अंतर्निहित देगा ओटीटी सेवाएं, इंडस्ट्री में होगा पहला कदम

नए प्रस्ताव पर टिप्पणी करते हुए, डिश टीवी इंडिया लिमिटेड के सीईओ, मनोज डोभाल ने कहा, अपनी स्थापना के बाद से, डिश टीवी ने मनोरंजन उपभोग परिदृश्य को बदल दिया है, लोगों को अपने पसंदीदा कॉन्टेंट का आनंद लेने के लिए कई नई चीजों को पेश किया गया. इस नए प्रस्ताव के साथ, हम व्यापक और सुलभ मनोरंजन अनुभवों के लिए एक नया मानक स्थापित करते हुए और भी बड़ा बदलाव लाने के लिए तैयार हैं. इसका लॉन्च सिर्फ एक प्रस्ताव से कहीं अधिक का प्रतिनिधित्व करता है

यह भारत में मनोरंजन की खपत को फिर से परिभाषित करने की दृष्टि का प्रतीक है, जो स्मार्ट और बड़ी होती जा रही है. विकल्पों से भरे इस बाजार में, ग्राहक अक्सर खुद को अभिभूत महसूस करते हैं. हमारा लक्ष्य समग्र और संपूर्ण मनोरंजन समाधान पेश करके उनकी पसंद को सरल बनाना है. हमारा दृढ़ विश्वास है कि पारंपरिक टेलीविजन और ओटीटी प्लेटफॉर्म दोनों आज के युग में जरूरी हैं और हमारे प्रस्ताव के साथ, हमारा लक्ष्य उनके समान महत्व की पुष्टि करना है.

मनोज डोभाल ने आगे कहा, डिश टीवी में, ग्राहक संतुष्टि पर समझौता नहीं किया जा सकता है और हर निर्णय मूल्य और सुविधा प्रदान करने के आसपास केंद्रित होता है. ये न केवल हमारे ग्राहकों को मनोरंजन की अद्वितीय पहुंच प्रदान करके लाभान्वित करती हैं, बल्कि यह भी सुनिश्चित करती है कि उनकी प्राथमिकताएं और संतुष्टि हमारे प्रयासों में सबसे आगे रहें.

पेज एक का शेष...

सरकार बनी तो 67%...

चौथे चरण के बाद बौखला गए हैं पीएम, हर दिन बोल रहे झूठ पर झूठ : जयराम रमेश ने दावा किया कि भाजपा पूरे दक्षिण में साफ हो चुकी है. जबकि उत्तर-पूर्व और पश्चिम में हाफ हो चुकी है. चौथा चरण समाप्त होने के बाद उनका बयान हर दिन बदल रहा है. अब वे 400 पार की बात नहीं बोल रहे. तीसरे चरण के बाद ही उन्हें इस बात का एहसास हो गया था कि मामला गड़बड़ है. इसी लिए वो धार्मिक ध्रुवीकरण, हिंदू-मुस्लिम और पाकिस्तान पर उतर आये. मगर चौथे चरण के बाद मंगलवार से उनका बयान बदल गया है. अब वे कहते फिर रहे हैं कि मैंने कभी हिंदू-मुस्लिम की बात नहीं की. ये दर्शाता है कि मोदी और शाह की जोड़ी को एहसास हो गया कि वे लोग पूर्व होने जा रहे हैं और चार जून के बाद इनकी विदाई की औपचारिकताएं निभाई जाएंगी.

टेंपो से काला धन पहुंचाने वालों की जांच क्यों नहीं हुई : कांग्रेस नेता ने कहा कि जब देश का पीएम खुद कह रहा है कि अडानी-अंबानी टेंपो से काला धन कांग्रेस को पहुंचा रहे हैं, तो फिर उनकी जांच एजेसियां क्या कर रही हैं. अब तक इसकी ईडी, आईटी और सीबीआई जांच क्यों नहीं हुई. यह देश की जनता जानना चाहती है. मोदी सरकार में 21 पूंजीपतियों के पास इतना सारा धन इकट्ठा हो गया जितना देश के 70 प्रतिशत लोगों के पास भी नहीं है. इसलिए हमलोगों ने समानता की बात की है. रोजगार और लोगों के इनकम की बात की है. इसे मोदी जी गलत तरीके से जनता के समक्ष पेश कर रहे हैं. मोदी सरकार ने पूंजीपतियों का लाखों करोड़ का लोन माफ किया, मगर किसानों का नहीं. मोदी जी फ्री में हमारे मेनिफेस्टो का प्रचार कर रहे हैं. जिस दिन वे गलत बोलते है उसी दिन लाखों लोग कांग्रेस का मेनिफेस्टो डाउनलोड करके उसे पढ़ते हैं.

▼ ब्रीफ खबरें

खेतड़ी खदान में फंसे 15 लोगों को निकाला

जयपुर। नीम का थाना जिले में हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड की खेतड़ी स्थित एक खदान में फंसे सभी 15 लोगों को बुधवार को बाहर निकाल लिया गया. आशंका जताई जा रही है कि खदान में एक व्यक्ति की मौत हो गई. हालांकि अभी इसकी पुष्टि नहीं की गई है. नीम का थाना जिले के कलेक्टर शरद मेहरा ने बताया कि 14 लोगों को उपचार के लिए जयपुर के एसएमएस अस्पताल भेजा गया है. वहीं एक व्यक्ति की मौत की आशंका के चलते उसे जांच के लिए कंपनी के अस्पताल ले जाया गया है.

एपी : सड़क हादसे में छह लोगों की मौत

अमरावती (आंध्र प्रदेश)। आंध्र प्रदेश के पालनाडु जिले में चिलकलुरिपेट के पास एक निजी बस के ट्रक से टकरा जाने के बाद उसमें आग लगने से छह लोगों की झुलसकर मौत हो गई. पुलिस अधिकारी ने बताया कि हादसा मंगलवार और बुधवार की दरमियानी रात को करीब एक बजे हुआ. अधिकारी ने बताया कि इस हादसे में बस और ट्रक चालक सहित चार पुरुषों और एक महिला एवं एक बच्ची की मौत हो गई." मृतकों में एक आठ साल की बच्ची, उसकी दादी, दादा और एक अन्य यात्री शामिल हैं.

फ्लोरिडाः हादसे में बस सवार आठ की मौत

ओकाला (फ्लोरिडा)। फ्लोरिडा हाईवे गश्ती दल (एफएचपी) ने उस ट्रक के चालक को गिरफ्तार कर लिया है जिसने मंगलवार सुबह एक बस में टक्कर मार दी थी और आठ लोगों की जान चली गई थी. एफएचपी ने कहा कि ट्रक चालक ब्रयान मैक्लीन होवार्ड पर नशे की हालत में लोगों की जान लेने का मामला दर्ज किया गया है. घटना में कम से कम 40 लोग घायल हो गए. बस में 53 खेतिहर श्रमिकों को ले जाया जा रहा था तभी सुबह करीब 6.40 बजे ओर्लाडों के उत्तर में करीब 80 किलोमीटर दूर मेरियन काउंटी में यह हादसा हुआ.

मैक्सिको : गोलीबारी में 11 लोगों की मौत

मेरिडा। मैक्सिको के दक्षिणी राज्य चियापास के एक छोटे से कस्बे में मंगलवार को सामूहिक गोलीबारी की घटना में 11 लोगों की मौत हो गई. राज्य अभियोजक कार्यालय ने बताया कि चियापास के चिकोमुसेलो कस्बे में गोलीबारी हुई थी. इस क्षेत्र को प्रवासियों और नशीले पदार्थों की तस्करी के लिए जाना जाता है. राज्य अभियोजक के कार्यालय ने बताया कि इस क्षेत्र में मादक पदार्थ तस्करों के गिरोहों के बीच विवाद सामने आते रहे हैं और हाल में सोमवार को भी नशीले पदार्थ बेचने वाले समूहों में टकराव हुआ था.

'अवैध' गोदाम में लगी आग, एक की हुई मौत

नयी दिल्ली। पूर्वी दिल्ली में मंगलवार देर रात को कागज के एक 'अवैध' गोदाम में आग लगने से 45 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गयी. दिल्ली अग्निशमन सेवा के अधिकारियों (डीएफएस) ने बुधवार को यह जानकारी दी. पुलिस ने बताया कि गोदाम के मालिक सोनू कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया है. अधिकारियों के मुताबिक, शकरपुर इलाके में स्थित दो मंजिला इमारत में आग लगी थी, जहां कमरे में जले हुए कार्डबोर्ड के पीछे से सतेंद्र पासवान का शव बरामद किया गया.

कुछ दिन पहले ही पृथ्वी पर भयंकर सौर तूफान का प्रभाव पड़ा था

दो दशक में सूर्य से निकली सबसे बड़ी सौर ज्वाला

11 साल के इस सौर चक्र की यह सबसे बड़ी चमक है, जो अपने चरम पर पहुंच रही

एजेंसी। केप कैनावेरल (फ्लोरिडा)

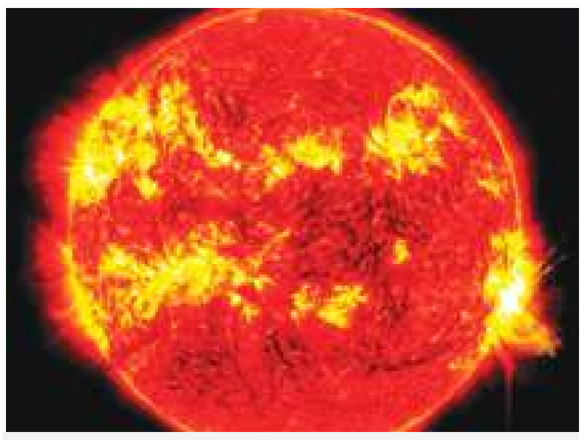

नासा के सोलर डायनेमिक्स ऑब्जर्वेटरी द्वारा जारी की गई एक सौर ज्वाला यह छवि दाहिनी ओर चमकदार फ्लैश दिखाती है. मंगलवार को सूर्य ने लगभग एक दशक में अपनी सबसे बड़ी चमक पैदा की. एपी/पीटीआई

सूर्य से मंगलवार को निकली ज्वाला, उससे अबतक लगभग दो दशकों में पैदा हुई ज्वाला में सबसे बड़ी थी. कुछ दिन पहले ही पृथ्वी पर भयंकर सौर तूफान का प्रभाव पड़ा था. इसकी वजह से अज्ञात स्थानों पर चमकदार उत्तरी रोशनी पैदा हो गयी थी. 'नेशनल ओशेनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन' (एनओएए) ने एक अद्यतन जानकारी में कहा 'अब तक नहीं हुआ....!" एनओएए के अनुसार, यह 11 साल के इस सौर चक्र की सबसे बड़ी चमक है, जो अपने चरम पर पहुंच रही है. अच्छी खबर यह है कि पृथ्वी इस बार आग के प्रभाव क्षेत्र से बाहर होनी चाहिए, क्योंकि सूर्य के एक हिस्से पर भड़की ज्वाला पृथ्वी से दूर जा रही है. नासा की सोलर डायनेमिक्स वेधशाला ने ज्वाला की 'एक्स-रे' चमक को कैमरे में दर्ज किया. यह साल 2005 के बाद की सबसे गहरी चमक थी. कोलोराडो के बोल्डर में एनओएए के 'स्पेस वेदर प्रेडिक्शन सेंटर' में ब्रायन ब्रैशर ने कहा कि जब वैज्ञानिक अन्य स्रोतों से आंकड़े इकट्ठा करेंगे तो यह और भी चमकदार हो सकती है.

मेरिल स्ट्रीप को मानद 'पाम डीओर' सम्मान के साथ कान फिल्म महोत्सव की शुरुआत

एजेंसी। कान

कान फिल्म महोत्सव का 77वां संस्करण मंगलवार को रुक-रुक कर हो रही बारिश के बीच अभिनेत्री मेरिल स्ट्रीप को मानद पाम डी'ओर पुरस्कार से सम्मानित किए जाने के साथ शुरू हो गया. दस दिवसीय उत्सव का पहला लंबा 'स्टैंडिंग ओवेशन' स्ट्रीप को मिला, जिन्हें मंगलवार के उद्घाटन समारोह के दौरान मानद पाम डी'ओर से सम्मानित किया गया. कान की जूरी की प्रमुख के रूप में पहली अमेरिकी महिला फिल्मकार ग्रेटा गेरविग का मंच पर स्वागत हुआ. यह जूरी फैसला करेगी कि महोत्सव का शीर्ष पुरस्कार, पाम डी'ओर किसे मिलेगा. कान के कलात्मक निर्देशक थिएरी फ्रेमॉक्स ने सोमवार को ग्रेगा के काम और सिनेमा के इतिहास में

उनकी रुचि को देखते हुए, कान के लिए "आदर्श निर्देशक" के रूप में उनकी प्रशंसा की. फ्रेमॉक्स ने कहा, "हम 'बार्बी' को बहुत पसंद करते हैं." फ्रांसीसी अभिनेत्री जूडिथ गोदरेचे बुधवार को अपनी लघु फिल्म "मोई ऑस्सी" का प्रीमियर करेंगी.

'कान' में नये नाम के साथ खुला 'इंडिया' मंडप

कान। प्रतिष्ठित कान फिल्म महोत्सव के 77वें संस्करण में 'इंडिया' मंडप बुधवार को नये नाम 'भारत' मंडप के साथ औपचारिक रूप से खुल गया. सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव संजय जाजू ने नाम बदले जाने के पीछे के कारण के बारे में कहा, 'यह हमारे देश की पारंपरिक कहानी सुनाने की प्रथाओं पर जोर दिये जाने का प्रतीक है जबकि यह बाकी दुनिया के साथ सक्रिय रूप से जुड़ने की कोशिश भी है.' सचिव ने कहा, 'यह (भारत) दुनिया का सूत्रधार है. महोत्सव में भारतीय फिल्मों की बड़ी संख्या में मौजूदगी इस नये नाम को स्वीकारती है.'

अल्पसंख्यकों पर वार-पलटवार

कांग्रेस बजट का 15 प्रतिशत अल्पसंख्यकों को आवंटित करना चाहती थी : पीएम मोदी

- धर्म के आधार पर बजट को बांटने व नौकरियों या शिक्षा में आरक्षण की अनुमति नहीं देने का संकल्प

एजेंसी। नासिक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस अपने पिछले शासन के दौरान सरकारी बजट का 15 प्रतिशत हिस्सा अल्पसंख्यकों के लिए आवंटित करना चाहती थी. इसके साथ ही उन्होंने धर्म के आधार पर बजट को बांटने और नौकरियों या शिक्षा में आरक्षण की अनुमति नहीं देने का संकल्प लिया.

उत्तर महाराष्ट्र में नासिक जिले के पिंपलगांव बसवंत में महायुति उम्मीदवारों केंद्रीय मंत्री भारती पवार (भाजपा) और हेमंत गोडसे (शिवसेना) के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि धार्मिक आधार पर बजट को विभाजित करना खतरनाक है. मोदी ने कहा कि संविधान के मुख्य शिल्पी बाबासाहेब आंबेडकर नौकरियों और शिक्षा में धर्म आधारित आरक्षण के सख्त खिलाफ थे. उन्होंने दावा किया कि केंद्र में सत्ता में रहने के दौरान कांग्रेस ने कुल बजट का 15 प्रतिशत अल्पसंख्यकों को आवंटित करने की योजना बनाई थी. उन्होंने कहा, 'जब मैं (गुजरात का) मुख्यमंत्री था तो कांग्रेस ने यह प्रस्ताव रखा था. भाजपा ने इस कदम का कड़ा विरोध किया और इसलिए इसे लागू नहीं किया जा सका. लेकिन कांग्रेस इस प्रस्ताव को फिर से लाना चाहती है.' प्रधानमंत्री ने कहा कि आंबेडकर धर्म आधारित आरक्षण के खिलाफ थे लेकिन कांग्रेस अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के आरक्षण के अधिकार छीनकर मुसलमानों को देना चाहती है. उन्होंने कहा, 'मोदी समाज के वंचित तबके के अधिकारों का चौकीदार है और कांग्रेस को उनके अधिकार कभी छीनने नहीं देगा.' मोदी ने कहा कि मौजूदा लोकसभा चुनाव एक ऐसे प्रधानमंत्री के चुनाव के बारे में है जो देश के लिए कड़े फैसले लेता है. प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में उनकी सरकार ने हर धर्म के लोगों को मुफ्त राशन, पानी, बिजली, घर और गैस कनेक्शन दिये हैं. उन्होंने कहा, 'कल्याणकारी योजनाएं हर किसी के लिए बनाई गई हैं.'

धर्म पर आधारित भाजपा की राजनीति में नहीं है कोई जवाबदेही : प्रियंका

रायबरेली। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने बुधवार को कहा कि पिछले दशक की राजनीति 'जवाबदेही की नहीं' थी. उन्होंने 'कुछ नहीं करने और धर्म के नाम पर वोट मांगने' के लिए भाजपा पर हमला बोला. कहा कि पिछले 10 साल में जो राजनीति हुई है, उसकी

कोई जवाबदेही नहीं है, क्योंकि ये धर्म पर आधारित राजनीति है. रायबरेली में जनसभा को संबोधित करते हुए प्रियंका ने कहा कि भाजपा के नेताओं को अहसास हो गया है कि वे धर्म के नाम पर आपको धोखा देकर, भगवान के नाम पर आपसे भाजपा को वोट देने का वादा लेकर सत्ता में आ सकते हैं. देश में जिस राजनीति का बोलबाला है, उसके नेता नरेंद्र मोदी से लेकर यहां के उम्मीदवार तक सब सोचते हैं कि जनता के लिए काम करने की जरूरत नहीं है और वोट के वक्त धर्म के नाम पर ध्यान भटकाते हैं या लोगों को धमकाते हैं. देश में दो तरह की राजनीति हो रही है. एक है सच्चाई, मतदाताओं के प्रति समर्पण और उनके लिए काम करने की इच्छाशक्ति. दूसरी है भाजपा की राजनीति जिसमें वे आपकी भावनाओं का इस्तेमाल करते हैं, वोट लेते हैं.

यह झूठ है कि प्रधानमंत्री हिंदू-मुस्लिम की राजनीति नहीं करतेः जयराम रमेश

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक टिप्पणी को लेकर बुधवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री की यह बात झूठ है कि वह हिंदू- मुस्लिम की राजनीति नहीं करते. कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि लोकसभा चुनाव के प्रचार अभियान के दौरान प्रधानमंत्री के पास हिंदू-मुस्लिम की राजनीति को छोड़कर कोई एजेंडा नहीं था.

प्रधानमंत्री मोदी ने एक समाचार चैनल से बातचीत में कहा है, "अगर मैं हिंदू-मुसलमान करूंगा तो मैं सार्वजनिक जीवन में रहने योग्य नहीं रहूंगा.'' उनके बयान को लेकर रमेश ने 'एक्स''पर पोस्ट किया, "सारा देश भलीभांति जानता है कि निवर्तमान प्रधानमंत्री आदतन झूठ बोलते हैं और दो तरह की बातें उनकी प्रवृत्ति है. मोदी का यह दावा कि वह हिंदू-मुस्लिम राजनीति नहीं करते, यह दर्शाता है कि वह झूठ बोलने में दिन प्रति दिन नई गहराइयों तक गिरते जा रहे हैं." उन्होंने दावा किया, "19 अप्रैल 2024 के बाद से यह सार्वजनिक सच है, एक ऐसा सच जिसे हमारी सामूहिक स्मृति से नहीं मिटाया जा सकता है, भले ही मोदी अपनी निजी स्मृति से उसे मिटा दें कि प्रधानमंत्री ने खुलेआम और बेशर्मी से सांप्रदायिक भाषा, प्रतीकों और संकेतों का निरंतर उपयोग किया है." रमेश ने कहा, "इस सच की ओर हमने निर्वाचन आयोग का ध्यान भी आकर्षित किया है. इस मसले पर कार्रवाई की जानी

चाहिए थी लेकिन दुख की बात है कि ऐसा कुछ भी नहीं हुआ."

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि इस पूरे चुनाव अभियान के दौरान प्रधानमंत्री के पास हिंदू-मुस्लिम राजनीति को छोड़कर कोई एजेंडा नहीं था. उनका कहना है, "प्रधानमंत्री की पार्टी के घोषणापत्र में उनकी अपनी तस्वीरों की एक श्रृंखला के बीच शब्दों की कच्ची-पक्की खिचड़ी को जनता ने पूरी तरह नकार दिया है. पिछले कुछ महीनों में सरकारी खजाने से भारी कीमत चुकाकर प्रचारित की गई मोदी की गारंटी औंधे मुंह गिरी है और '400 पार' के खोखले नारे को चुपचाप दफना दिया गया है." कांग्रेस नेता ने दावा किया कि चुनाव अभियान में 'प्रधानमंत्री का अंतिम, हताशापूर्ण प्रयास है कि कांग्रेस पार्टी के बारे में झूठ बोला जाए और ''इंडिया जनबंधन'' के प्रत्येक भारतीय नागरिक के लिए समान विकास के एजेंडे को झुठला दिया जाए.' रमेश ने आरोप लगाया, "उनके (मोदी के) पद से हटने की निश्चितता ने अब उन्हें अपनी याददाश्त चले जाने का नाटक करने के लिए मजबूर कर दिया है."

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष बोले- भाजपा झूठ की फैक्ट्री

चार जून के बाद नरेंद्र मोदी पीएम नहीं रहेंगे : राहुल गांधी

एजेंसी। नयी दिल्ली

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को फिर से दावा किया कि देश के हर कोने में 'इंडिया' गठबंधन की आंधी है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 4 जून के बाद इस पद पर नहीं रहेंगे. उन्होंने कांग्रेस पार्टी की ओर से 'एक्स' पर जारी उनके भाषण से संबंधित दो वीडियो को फिर से पोस्ट करते हुए यह आरोप भी लगाया कि भाजपा 'झूठ की फैक्ट्री' चला रही है. कांग्रेस का आरोप है कि भाजपा की ओर से राहुल गांधी के एक भाषण के एक अंश में कांट-छांटकर यह प्रचार किया गया कि नरेंद्र मोदी 4 जून के बाद हिंदुस्तान के प्रधानमंत्री बने रहेंगे. मुख्य विपक्षी दल का कहना है कि राहुल गांधी ने

अपने भाषण में कहा था कि नरेंद्र मोदी 4 जून के बाद हिंदुस्तान के प्रधानमंत्री नहीं रहेंगे. राहुल गांधी ने कांग्रेस की इस पोस्ट को ''रिपोस्ट'' करते हुए कहा, ' झूठ की फैक्ट्री' भाजपा खुद को कितना भी दिलासा दे ले, कोई फर्क नहीं पड़ने वाला. एक बार फिर कह रहा हूं कि 4 जून के बाद नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री नहीं रहेंगे. देश के हर कोने में 'इंडिया' की आंधी चल रही है.'

सीएए के तहत 14 लोगों को दी गई भारत की नागरिकता

एजेंसी। नयी दिल्ली

संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) के तहत नागरिकता प्रमाणपत्रों का पहला सेट बुधवार को जारी करने के साथ 14 लोगों को भारत की नागरिकता प्रदान की गई. इसके साथ ही पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश में प्रताड़ना के शिकार होकर भारत आए गैर-मुस्लिम प्रवासियों को नागरिकता देने की प्रक्रिया शुरू हो गई. एक आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला ने एक निर्दिष्ट पोर्टल के माध्यम से आवेदनों पर ऑनलाइन मंजूरी के बाद 14 लोगों को प्रमाण पत्र सौंपे. सीएए को 31 दिसंबर 2014 को या उससे पहले भारत आए बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान में प्रताड़ना के शिकार गैर-मुस्लिम प्रवासियों को भारत की नागरिकता प्रदान करने के लिए दिसंबर 2019 में लाया गया था. इनमें हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई समुदाय के लोग शामिल हैं. कानून बनने के बाद, सीएए को राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई लेकिन जिन नियमों के तहत भारत की नागरिकता दी जानी थी, उन्हें चार साल से अधिक की देरी के बाद इस साल 11 मार्च को जारी किया गया.

एक रिपोर्ट की पृष्ठभूमि में नीति आयोग के सदस्य वीके सारस्वत ने किया दावा

भारत की रक्षा क्षमताएं काफी बढ़ीं

एजेंसी। नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिछले 10 साल के कार्यकाल के दौरान भारत की रक्षा क्षमताओं में काफी वृद्धि हुई है और अब देश केवल सशस्त्र बलों की तात्कालिक जरूरतों के लिए ही हथियारों के आयात पर ही निर्भर है. नीति आयोग के सदस्य वीके सारस्वत ने बुधवार को यह जानकारी दी. रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के पूर्व अध्यक्ष सारस्वत ने बताया कि वर्तमान समय में भारत के कुल 60 प्रतिशत हथियार और गोला-बारूदों को देश में तैयार किया जा रहा है. उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''पिछले 10 वर्षों में भारत की रक्षा क्षमता में काफी वृद्धि हुई है.' प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली

सरकार 2014 में सत्ता में आयी थी और फिर 2019 में उन्होंने प्रचंड बहुमत के साथ दोबारा सरकार बनाई. स्वीडन के थिंक टैंक स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) की एक हालिया रिपोर्ट को लेकर किए गए सवाल के जवाब में सारस्वत ने कहा, 'भारत की रक्षा का पूरा पारिस्थितिकी तंत्र अब काफी हद तक स्वदेशी है. अब हम केवल सशस्त्र बलों की तात्कालिक जरूरतों या ऐसी किसी चीज के लिए ही आयात पर निर्भर हैं जिसके लिए हमारे पास तकनीक का अभाव है.'

रिपोर्ट में हथियारों के आयात में 4.7 प्रतिशत की वृद्धि का दावा

स्वीडन के थिंक टैंक स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) द्वारा 11 मार्च को पेश की गई रिपोर्ट में दावा किया गया कि भारत दुनिया का शीर्ष हथियार आयातक देश बना हुआ है. रिपोर्ट में बताया गया कि साल 2014-2018 और 2019-2023 के बीच भारत द्वारा हथियारों के आयात में 4.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई. देश के कुछ हिस्सों में लू के प्रकोप के कारण इस गर्मी के मौसम में बिजली कटौती की आशंका संबंधी सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि देश की विद्युत क्षमता इन जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त है.

अदालत ने सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 30 मई तक बढ़ाई

नयी दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने कथित आबकारी घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के एक मामले में आम आदमी पार्टी के नेता और पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 30 मई तक बढ़ा दी. सीबीआई और ईडी के लिए विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने मामले में आरोप तय करने पर आगे की दलीलों के लिए भी 30 मई की तारीख तय की. न्यायाधीश ने कहा कि आरोपों पर दलीलों को आगे बढ़ाने का एक आवेदन उच्च न्यायालय में लंबित है. सिसोदिया और हिरासत में बंद अन्य आरोपियों को जेल से ही वीडियो कॉन्फ्रेंस से अदालत के समक्ष पेश किया गया था. अदालत ने 30 अप्रैल को सिसोदिया जमानत याचिका खारिज कर दी थी.

सीजेआई ने 'ब्राजील में जे20 शिखर सम्मेलन को किया संबोधित

विमर्श की लोकतांत्रिक व्यवस्था में बदल गई हैं भारतीय अदालतें : डीवाई चंद्रचूड़

एजेंसी। नयी दिल्ली

देश के प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने बुधवार को कहा कि भारतीय अदालतों की पुनर्कल्पना अब थोपे गये 'साम्राज्य' के बजाय विमर्श की लोकतांत्रिक व्यवस्था के रूप में की गई हैं. प्रधान न्यायाधीश 'डिजिटल परिवर्तन और न्यायिक दक्षता बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल' विषय पर ब्राजील के रियो डी जनेरियो में जे20 शिखर सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे. जे-20 उच्चतम न्यायालयों और संवैधानिक अदालतों के मुख्य न्यायाधीशों का एक समूह है, जिसके सदस्य जी-20

देश हैं. इस साल जे-20 सम्मेलन का आयोजन 'ब्राजीलियन फेडरल सुप्रीम कोर्ट' की ओर से किया गया है. प्रधान न्यायाधीश ने कहा, 'भारतीय अदालतों की पुनर्कल्पना अब थोपे गये 'साम्राज्य' के बजाय विमर्श की लोकतांत्रिक व्यवस्था के रूप में की गई हैं. कोविड-19 महामारी के कारण अदालतों की व्यवस्थाओं को रातों-रात बदलना पड़ा. उन्होंने मुकदमे से जुड़ें पक्षों और कम 'कनेक्टिविटी' वाले स्थानों के बीच डिजिटल विभाजन और प्रतिनिधित्व संबंधी विषमता पर भी बात की. इन विषमताओं को 'अड़चनें' बताते हुए प्रधान न्यायाधीश ने कहा, 'हमें इनसे निपटना होगा. जब हम न्यायिक दक्षता की बात करते हैं, तो हमें न्यायाधीश की दक्षता से परे हटकर देखना चाहिए और समग्र न्यायिक प्रक्रिया के बारे में सोचना चाहिए. दक्षता न केवल नतीजों में निहित है बल्कि उन प्रक्रियाओं में भी है जिन्हें स्वतंत्र और निष्पक्ष सुनवाई सुनिश्चित करनी चाहिए.'

अध्ययन लू से जुड़ी मौतें गर्मी से संबंधित सभी मौतों का एक तिहाई और वैश्विक स्तर पर कुल मौतों का एक प्रतिशत

पिछले 30 वर्षों में लू से भारत में हुईं सबसे ज्यादा मौतें

20 दुनिया भर में प्रति वर्ष 1.53 लाख से अधिक मौतें भीषण गर्मी या लू के कारण होती हैं. इनमें से सबसे ज्यादा 20 फीसदी मौतें भारत में होती हैं.

एजेंसी। दिल्ली

दुनिया भर में प्रति वर्ष 1.53 लाख से अधिक मौतें भीषण गर्मी या लू के कारण होती हैं. इनमें से सबसे ज्यादा 20 फीसदी मौतें भारत में होती हैं. एक अध्ययन से यह जानकारी मिली. पिछले 30 वर्षों से अधिक के आंकड़ों के आधार पर यह अध्ययन किया गया. भारत के बाद चीन और रूस का स्थान है, जिनमें से प्रत्येक में क्रमशः लगभग 14 फीसदी और आठ फीसदी मौतें भीषण गर्मी से जुड़ी होती हैं. मोनाश विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया के नेतृत्व में किए गए अध्ययन में पाया गया कि लू से जुड़ी मौतें गर्मी से संबंधित सभी मौतों का लगभग एक तिहाई और वैश्विक स्तर पर कुल मौतों का एक प्रतिशत है. शोधकर्ताओं ने यह भी पाया है कि हर साल गर्मियों में होने वाली कुल 1.53 लाख अतिरिक्त मौतों में से लगभग आधी एशिया में और 30 प्रतिशत से अधिक यूरोप में होती हैं. इसके अलावा, सबसे बड़ी अनुमानित मृत्यु दर (जनसंख्या के अनुपात में मृत्यु) शुष्क जलवायु और निम्न-मध्यम आय वाले क्षेत्रों में देखी गई.

प्रति दस लाख निवासियों पर कुल 236 मौतें

अध्ययन 'पीएलओएस मेडिसिन' में प्रकाशित हुआ है. शोधकर्ताओं ने लिखा है, '1990 से 2019 तक गर्म मौसम के दौरान, लू से संबंधित अतिरिक्त मौतों के कारण प्रति वर्ष 1,53,078 मौतें हुईं. इस तरह प्रति दस लाख निवासियों पर कुल 236 मौतें हुईं.' अध्ययन के लिए, शोधकर्ताओं ने ब्रिटेन स्थित मल्टी-कंट्री मल्टी-सिटी (एमसीसी) सहयोगात्मक अनुसंधान नेटवर्क के आंकड़ों का इस्तेमाल किया. इसमें 43 देशों के 750 स्थानों पर दैनिक स्तर पर मौतें और तापमान के विवरण शामिल थे. अध्ययन में 2019 तक के दशक की तुलना 1999 तक के दशक से करने पर, दुनिया भर में हर साल भीषण गर्मी की अवधि औसतन 13.4 से 13.7 दिनों तक बढ़ी हुई पाई गई, जिसमें हर दशक में वातावरण का औसत तापमान 0.35 डिग्री सेल्सियस बढ़ गया. शोधकर्ताओं ने कहा कि पिछले अध्ययन ने स्थानीय स्तर पर लू या भीषण गर्मी के कारण अधिक मौतों की संख्या निर्धारित की है, लेकिन लंबी अवधि में दुनिया भर में इन अनुमानों की तुलना नहीं की है.

अनुकूल कदम उठाने से हो सकते संभावित लाभ

शोधकर्ताओं ने कहा है कि निष्कर्षों से पता चलता है कि स्वास्थ्य क्षेत्र को इनसे निपटने के लिए अनुकूल कदम उठाने से संभावित लाभ हो सकते हैं. उन्होंने लू या भीषण गर्मी के दौरान न केवल तत्काल स्वास्थ्य जोखिमों से निपटने के लिए 'व्यापक दृष्टिकोण' का आह्वान किया, बल्कि समुदायों में असमानताओं को कम करने के लिए दीर्घकालिक रणनीतियों को लागू करने का आह्वान किया. रणनीतियों में जलवायु परिवर्तन से निपटने की नीति, गर्मी से निपटने की योजना, जागरूकता कार्यक्रम, सामुदायिक सहभागिता आदि शामिल हैं.

दक्षिण एशिया में अप्रैल में लू की आशंका 45 गुना अधिक

एजेंसी। नयी दिल्ली

ओडिशा के भुवनेश्वर की अन्नू मिश्रा को अपना फूड स्टॉल काफी लंबे समय तक बंद रखना पड़ा क्योंकि यहां अप्रैल में लगातार 17 दिन तक तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहा. वर्ष 1969 के बाद इतनी भीषण गर्मी की यह सबसे लंबी अवधि रही जिससे लोगों के स्वास्थ्य और आजीविका पर बुरा असर पड़ रहा है. प्रमुख जलवायु वैज्ञानिकों ने मौसम के आंकड़ों का हवाला देते हुए बुधवार को बताया कि इसी तरह की भीषण गर्मी का सामना प्रत्येक 30 साल में एक बार करना पड़ सकता है और जलवायु परिवर्तन के कारण पहले से ही इसकी संभावना लगभग 45 गुना अधिक हो गई है. 'वर्ल्ड वेदर एट्रिब्यूशन' समूह नामक वैज्ञानिकों की टीम ने इस बात पर जोर दिया कि प्रचंड लू पूरे एशिया में गरीबी में रहने वाले लोगों के जीवन को और अधिक मुश्किल बना रही है. कमजोर पड़ रहे 'अल नीनो' और ग्रीनहाउस गैसों की बढ़ती सांद्रता के बीच, दक्षिण एशिया में लाखों लोगों को अप्रैल में भीषण गर्मी का सामना करना पड़ा.

- **1998 से 2017 के बीच लू के कारण 1,66,000 से अधिक लोगों की हुईं मौतें :** भीषण गर्मी ने फिलीपीन, बांग्लादेश, इंडोनेशिया, मलेशिया और म्यांमा में भी तापमान के रिकॉर्ड तोड़ दिए. जलवायु परिवर्तन के कारण सीरिया, लेबनान, इजराइल, फलस्तीन और जॉर्डन सहित पश्चिम एशिया में अप्रैल में 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान के साथ लू चलने का यह मौसम चक्र जल्द-जल्द लौट रहा है.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - सुरजीत सिंह, स्थानीय संपादक - संजय सिंह*. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - JHAHIN/2023/84487 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)